- न्यायधीशों पर आरोप लगाने की प्रवृत्ति से सुप्रीम कोर्ट चिंतित
-12

- इंटरकनेक्शन नियमों की समीक्षा करेगा ट्राई, परिचर्चा पत्र जारी
-12

- फिलीपींस मे तूफान फंग वोंग से आठ लोगों की मौत, 14 लाख बेघर
- 13

- इंग्लैंड में खेलने से इन्कार करने पर शमी की वापसी की संभावना पड़ सकती है क्षीण
- 14

आज का मौसम

26.0° अधिकतम तापमान

09.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.24

सूर्यास्त 05.21

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष सप्तमी 11:09 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 11 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 81, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

लाल किला के पास कार में धमाका

8 की मौत, कई राज्यों में हाईअलर्ट

विस्फोट से कई मीटर दूर तक खड़े वाहनों के शीशे टूटे, एनआईए ने जुटाए सुबूत, 24 घायल

- विस्फोट में छह कारें, दो ई-रिक्शा और एक ऑटोरिक्शा हुआ खाक

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के पास एक कार में सोमवार शाम 6:52 बजे जबरदस्त विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। भीड़भाड़ वाले इलाके में व्यस्त समय में हुए विस्फोट से कई वाहनों में आग लग गई, जबकि कई की खिड़कियों के शीशे टूट गए। दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा ने कहा, धमाका यातायात सिग्नल के पास धीमी गति से चल रहे एक वाहन में हुआ। विस्फोट में घायलों को एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया। विस्फोट के बाद यूपी, उत्तराखंड, बिहार, हरियाणा व अन्य राज्यों में हाईअलर्ट जारी किया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट स्थल के पास शवों के अंग बिखरे हुए दिखाई दे रहे थे। विस्फोट के बाद दिल्ली पुलिस ने पूरे शहर के लिए हाई अलर्ट जारी कर दिया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के मुताबिक, दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर भेजी गई हैं और पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है। दमकल अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के कारण लगी आग पर देर शाम 7.29 बजे तक काबू पा लिया गया। आग में छह कारें, दो ई-रिक्शा और एक ऑटोरिक्शा जलकर खाक हो गए। एनआईए की एक टीम घटनास्थल पर पहुंचे कर साक्ष्य जुटाए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि कई मीटर दूर खड़े वाहनों की खिड़कियों के शीशे टूट गए। धमाके की आवाज आईटीओ तक भी सुनी गई। चांदनी चौक व्यापारी संघ के अध्यक्ष संजय भार्गव, जिनकी दुकान घटनास्थल से लगभग 800 मीटर दूर है, ने बताया कि विस्फोट के कारण पूरी इमारत हिल गई। दिल्ली विस्फोट में अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति प्रधानमंत्री ने संवेदना व्यक्त की।

लालकिला के पास हुए विस्फोट के बाद लगी आग से खाक हुई कारें। दाएं : विस्फोट के बाद कार में लगी आग। ● एजेंसी

यूपी में अलर्ट, योगी ने दिए सख्त निर्देश

लखनऊ। दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क मोड पर आ गई हैं। मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेशभर के अफसरों को फील्ड में उतरने के निर्देश दिए हैं। कहा कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि को बख्शा न जाए और संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाए। योगी ने प्रमुख सचिव गृह समेत डीजीपी और एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) को निर्देश दिया है कि सभी जिलों में गश्त बढ़ाई जाए और इंटेलिजेंस यूनिट लगातार अलर्ट रहे। रेलवे स्टेशन, बस अड्डे, बाजार, धार्मिक स्थलों पर चेकिंग अभियान चले।

हालात की समीक्षा के बाद घायलों से मिलने पहुंचे शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लाल किले के निकट हुए धमाके के बाद हालात का जायजा लेने के लिए दिल्ली पुलिस प्रमुख और खुफिया ब्यूरो के निदेशक से बात की। इसके बाद वह घायलों का हाल जानने एलएनजेपी अस्पताल पहुंचे। शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी), राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और फॉरेंसिक विज्ञान के प्रमुखों को जांच में सहायता करने और साक्ष्य एकत्र करने के लिए विस्फोट स्थल पर विशेषज्ञ टीम भेजने का भी निर्देश दिया था।

2900 किलोग्राम विस्फोटक बरामद

तीन डॉक्टर समेत आठ गिरफ्तार

श्रीनगर/फरीदाबाद, एजेंसी

देश के विभिन्न हिस्सों से तीन चिकित्सकों समेत आठ लोगों को गिरफ्तार कर 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री जब्त की गई। पुलिस का दावा है कि इन गिरफ्तारियों और जब्ती से जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में फैले जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवातुल हिंद के आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ है। गिरफ्तार आतंकियों में कश्मीर के डॉ. मुजम्मिल गनी और लखनऊ के डॉ. शाहीन शामिल हैं, जिन्हें हिरासत में पूछताछ के लिए श्रीनगर लाया गया। डॉ. शाहीन की कार से एक एके-47 राइफल मिली है।

जम्मू- कश्मीर, उत्तर प्रदेश और हरियाणा पुलिस बलों के साथ-साथ केंद्रीय एजेंसियों का संयुक्त अभियान एक बड़ी सफलता है। जम्मू पुलिस ने बताया कि 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री में अमोनियम नाइट्रेट, पोटैशियम नाइट्रेट और सल्फर शामिल हैं, जिसमें फरीदाबाद में गनी के किराए के मकान से बरामद 360 किलोग्राम ज्वलनशील सामग्री शामिल है। इस विस्फोटक सामग्री के अमोनियम नाइट्रेट होने का शक है। विभिन्न स्थानों से की गई बरामदगी में एक चीन की स्टार पिस्तौल, एक बरेटा पिस्तौल, एक एके-56 राइफल, एक एके क्रिंकॉव राइफल, विस्फोटक, रसायन, रिएजेंट्स, ज्वलनशील सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, बैटरियां, तार, रिमोट कंट्रोल, टाइमर और धातु की शीट शामिल हैं। हरियाणा के अल फला विश्वविद्यालय में शिक्षक मुजम्मिल उर्फ गनी श्रीनगर में जैश-ए-मोहम्मद के समर्थन में पोस्टर लगाने के मामले में वांछित था। शैक्षणिक नेटवर्क के जरिए धन जुटाया गया।

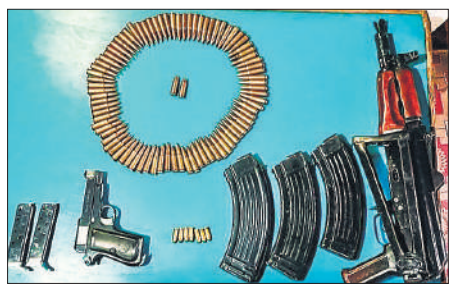

पुलिस ने आतंकियों से बरामद किए हथियार।

डॉ. आदिल

- गिरफ्तार लोगों में कश्मीर के डॉ. मुजम्मिल गनी और लखनऊ के डॉ. शाहीन

तीन राज्यों की पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई, डॉ. शाहीन की कार से एके-47 राइफल मिली

गिरफ्तार आठ लोगों में से सात कश्मीर से

गिरफ्तार किए गए आठ लोगों में से सात कश्मीर से हैं। इनमें श्रीनगर के नौगाम के निवासी अरिफ निजार डार उर्फ साहिल, यासिर-उल-अशरफ और मकसूद अहमद डार उर्फ शाहिद, शोपियां का निवासी मौलवी इरफान अहमद, गंदेरबल के वकुरा का निवासी जमीर अहमद आहंगर उर्फ मुतलशा, पुलवामा के कोइल क्षेत्र का निवासी डॉ. मुजम्मिल अहमद गनी उर्फ मुसैब, कुलगाम के वनपोरा क्षेत्र का रहने वाला डॉ. आदिल और लखनऊ का निवासी डॉ. शाहीन शामिल है।

गनी और आदिल के फोन पर कई पाकिस्तानी नंबर

अधिकारियों ने दावा कि गनी और आदिल के फोन पर कई पाकिस्तानी नंबर पाए गए थे और वे नेटवर्क के संभावित हैंडलर हो सकते हैं। श्रीनगर के बुनपोरा नौगाम क्षेत्र में पुलिस और सुरक्षा बलों को धमकाने के लिए 19 अक्टूबर को विभिन्न स्थानों पर जैश-ए-मोहम्मद के कई पोस्टर चिपके हुए पाए गए थे। यह जांच की शुरुआत थी, जिससे अंतर-राज्यीय आतंकवादी नेटवर्क का खुलासा हुआ। जांच में एक सफेदपोश आतंकवादी ईकोसिस्टम का पता चला, जिसमें कट्टरपंथी पेशेवर और छात्र पाकिस्तान और अन्य देशों से काम कर रहे विदेशी आकाओं से संपर्क में थे।

न्यूज ब्रीफ

सपा नेता जया बच्चन के व्यक्तित्व अधिकार को दिया संरक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को अभिनेत्री और समाजवादी पार्टी की राज्यसभा सदस्य जया बच्चन के व्यक्तित्व अधिकारों को संरक्षण प्रदान किया। न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ बच्चन की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में दावा किया गया था कि कई सोशल मीडिया अकाउंट, यूट्यूब चैनल और वेबसाइट व्यावसायिक लाभ के लिए उनके नाम और व्यक्तित्व का दुरुपयोग कर रहे हैं। इस मामले में गूगल, अमेजन, ईबे और मेटा सहित विभिन्न पक्षकारों को प्रतिवादी बनाया गया था। जया बच्चन के अधिवक्ता ने कहा कि उनके मुवक्किल की तस्वीरों सहित उनके व्यक्तित्व का बिना किसी अनुमति के दुरुपयोग किया जा रहा है तथा उनकी तस्वीरों वाले सामान बेचे जा रहे हैं।

चार महीने में एक करोड़ नए जन धन खाते खोले

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि चार महीने तक चले राष्ट्रव्यापी वित्तीय समावेशन अभियान के दौरान 1.11 करोड़ नए जन धन खाते खोले गए। पीएमजेडीवाई के तहत खोले गए इन खातों के अलावा इस दौरान 2.86 करोड़ पीएमएसबीवाई, 1.40 करोड़ प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और 44.43 लाख अटल पेंशन योजना (एपीवाई) में नए नामांकन किए गए।

हापुड़ पुलिस से मुठभेड़ में संभल का 50 हजार का इनामी बदमाश ढेर

कार्यालय संवाददाता,संभल/ हापुड़

- बदमाश हसीन पर कई जनपदों में 26 से ज्यादा मुकदमे थे दर्ज
- पुलिस ने पिस्टल, कारतूस और स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की

अमृत विचार: असमोली थाना क्षेत्र का रहने वाला 50 हजार का इनामी गोतस्कर बदमाश हसीन रविवार देर रात हापुड़ पुलिस के साथ मुठभेड़ में ढेर हो गया। हसीन के खिलाफ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जनपदों में 26 से ज्यादा मुकदमे दर्ज थे। कपूरपुर थाना प्रभारी विनोद पांडे बदमाश की गोली से बाल-बाल बच गए। पुलिस ने मौके से एक पिस्टल, कारतूस और एक स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की है।

पुलिस अधीक्षक हापुड़ कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने बताया कि रविवार रात डायल 112 पर सूचना मिली थी कि कपूरपुर थाना क्षेत्र में सपनावत के पास कुछ बदमाश हैं जो गोकशी हेतु गोवंश को एकत्र कर ले जाने की फिराक में हैं। कपूरपुर पुलिस ने बदमाशों की घेराबंदी की। तभी कार सवार बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी।

पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। दोनों तरफ से कुल 8 राउंड फायर हुए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के सिर में गोली लगी। हायर सेंटर पर डॉक्टरों ने बदमाश को मृत घोषित कर दिया। बदमाश की शिनाख्त हसीन पुत्र इकरार निवासी गांव मनोटा थाना असमोली जनपद संभल के रूप में हुई है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हसीन हिस्ट्रीशीटर बदमाश था और गौ तस्करी की वारदातों को अंजाम देता था। उसके खिलाफ हापुड़ व संभल सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में गोकशी, हत्या का प्रयास, गैंगस्टर एक्ट समेत 26 से अधिक मुकदमें दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

यूपी के स्कूलों में वंदेमातरम् अनिवार्य होगा : सीएम योगी

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में एकता पदयात्रा के दौरान किया बड़ा एलान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

'एकता यात्रा' व 'वन्दे मातरम्' का सामूहिक गायन कार्यक्रम में सम्मिलित मुख्यमंत्री योगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में एकता पदयात्रा के दौरान बड़ा एलान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के प्रति सम्मान की भावना होनी चाहिए। हम प्रदेश के प्रत्येक स्कूल और शिक्षण संस्थान में इसका गायन अनिवार्य करेंगे।

योगी ने कहा कि जाति, क्षेत्र, भाषा के नाम पर बांटने वाले तत्वों की पहचान करना हमारा कर्तव्य है। कहा कि अब यूपी के सभी स्कूलों में 'वंदे मातरम्' का नियमित और जरूरी गायन किया जाएगा। यह कदम नागरिकों में भारत माता और मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और गौरव की भावना को प्रेरित करेगा।

वहीं, मुख्यमंत्री योगी की अगुवाई में गोरखपुर शहर सोमवार को अपूर्व और नयनाभिराम दृश्य का साक्षी बना। अवसर था भारत रत्न, लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती समारोह के उपलक्ष्य में निकाली गई एकता यात्रा का। प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में 25 नवंबर तक निकलने वाली एकता यात्रा का शुभारंभ मुख्यमंत्री ने अपने गृह विधानसभा क्षेत्र गोरखपुर शहर से किया।

भारत में कोई नया जिन्ना फिर कभी न उभरे : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को गोरखपुर में अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के नेता मोहम्मद अली जिन्ना को लेकर बड़ा बयान दिया। मुख्यमंत्री ने लोगों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि भारत में कोई नया जिन्ना फिर कभी न उभरे। उन्होंने कहा कि अगर कोई देश की अखंडता को चुनौती देने की हिम्मत करता है तो हमें ऐसी विभाजनकारी मंशा को जड़ जमाने से पहले ही दफना देना चाहिए। मुख्यमंत्री एकता यात्रा और सामूहिक वंदे मातरम् गायन में शामिल हुए। इस दौरान कहा कि जो लोग राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का विरोध करते हैं, वे भारत की एकता और अखंडता का अपमान कर रहे हैं। आज भी, हम उम्मीद करते हैं कि भारत में रहने वाला हर व्यक्ति राष्ट्र के प्रति वफादार रहेगा और इसकी एकता के लिए काम करेगा।

दूसरे चरण में 122 सीटों पर मतदान आज

पटना, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में मंगलवार को 3.70 करोड़ मतदाता 122 सीटों पर 1,302 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। इनमें नीतीश कुमार मंत्रिमंडल के आधा दर्जन से अधिक मंत्री भी शामिल हैं।

दूसरे चरण में जिन जिलों में मतदान होना है, उनमें पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज शामिल हैं, ये सभी नेपाल की सीमा से सटे हुए जिले हैं। चुनाव के मद्देनजर पूरे राज्य में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं और चार लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी चुनाव ड्यूटी में तैनात किए गए हैं। अधिकतर जिले सीमांचल क्षेत्र में आते हैं, जहां मुस्लिम आबादी का घनत्व अधिक है। ऐसे में यह चरण सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। दूसरे चरण के 3.7 करोड़ मतदाताओं में 1.75 करोड़ महिलाएं हैं।

बूथ की ओर रवाना होती पोलिंग पार्टी।

- 3.7 करोड़ मतदाता करेंगे 1,302 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला

ई-कॉमर्स मंच के लिए 'मूल देश' फिल्टर होगा अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- डिजिटल मार्केटप्लेस में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उठाया गया कदम

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने ई-कॉमर्स मंचों के लिए पैकेज वस्तुओं के 'मूल देश' का फिल्टर अनिवार्य करने का प्रस्ताव दिया है। इस संशोधन से उपभोक्ताओं को ऑनलाइन खरीदारी करते समय उत्पादों की उत्पत्ति की आसानी से पहचान करने में मदद मिलेगी।

यह कदम डिजिटल मार्केटप्लेस में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उठाया गया है। मंत्रालय ने कहा कि मसौदा विधिक माप विज्ञान (पैकेज जिंस) (द्वितीय) संशोधन नियम, 2025, मौजूदा 2011 के नियमों में संशोधन करेगा। आयातित उत्पाद बेचने वाली इकाई को उत्पाद सूची के साथ मूल देश का खोज योग्य फिल्टर देना होगा।

अभिनेता धर्मेंद्र अस्पताल में भर्ती, हालत गंभीर

मुंबई, एजेंसी

- मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती, बेटियों को यूएस से बुलाया गया

कई दिनों से अस्पताल में भर्ती जानेमाने अभिनेता धर्मेंद्र की हालत गंभीर है। फिल्म जगत के एक सूत्र ने सोमवार को यह जानकारी दी। अभिनेता धर्मेंद्र (89) को दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में कई बार भर्ती कराया गया है।

नाम गुप्त रखने की शर्त पर एक अंदरूनी सूत्र ने बताया, धरम जी की हालत अच्छी नहीं है। बेटे सनी देओल के प्रतिनिधि ने उन खबरों का खंडन किया है जिनमें कहा गया था कि शोले स्टार धर्मेंद्र वेंटिलेटर पर हैं। जनसंपर्क (पीआर) प्रतिनिधि ने बताया, धर्मेंद्र की हालत स्थिर है और उन्हें निगरानी में रखा गया है। आगे की टिप्पणी और अद्यतन जानकारी उपलब्ध होने पर साझा की जाएगी। सभी से अनुरोध है कि उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करें और परिवार के निजता के अधिकार का सम्मान करें। अभिनेता धर्मेंद्र के बेटे सनी, पत्नी हेमा मालिनी और बेटी ईशा देओल उनसे मिलने अस्पताल पहुंचे थे। उनकी बेटियों को यूएस से भारत बुलाया गया है।

सऊदी से द्विपक्षीय हज समझौता, भारत का कोटा 1,75,025 तय

नई दिल्ली। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने जेद्दा में द्विपक्षीय हज समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके तहत 2026 में इस यात्रा के लिए भारत का कोटा 1,75,025 होने की पुष्टि की गई है। रीजीजू ने सात से नौ नवंबर तक सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा के दौरान रविवार को जेद्दा में सऊदी अरब के हज और उमराह मंत्री तौफीक बिन फवजान अल रबिया के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसमें कहा गया कि सुचारू और आरामदायक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए बैठक में सुविधाओं, परिवहन, आवास और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया।

कवायद | हर पंचायत बनेगी आत्मनिर्भर और जवाबदेह, एडवांसमेंट इंडेक्स बनेगा ग्रामीण प्रगति का आईना

पंचायतों को मिलेगा विकास सूचकांक तैयार करने का अधिकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ करते पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर।

- पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स पर कार्यशाला आयोजित,अब गांवों तक पहुंचेगी शहरों में उपलब्ध सुविधाएं

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश सरकार अब ग्राम पंचायतों को बेहतर प्रदर्शन के आधार पर स्वयं अपना सूचकांक तैयार करने का अधिकार देने जा रही है। इस क्रम में ग्राम पंचायतों को प्रदेश स्तर पर पुरस्कृत होने का भी मौका मिलेगा। इससे न केवल हर पंचायत आत्मनिर्भर और जवाबदेह बनेगी बल्कि एडवांसमेंट इंडेक्स ग्रामीण प्रगति का आईना भी बनेगा। दरअसल, सरकार का लक्ष्य है कि शहरों में उपलब्ध सुविधाएं अब गांवों तक भी पहुंचें, ताकि ग्रामीण क्षेत्र भी समान रूप से विकास और सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ सकें।

पंचायती राज विभाग की ओर से सोमवार को पंचायतीराज निदेशालय, लोहिया भवन, अलीगंज, लखनऊ में पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स (पीएआई) पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों के प्रधान एवं सचिवों सहित लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पंचायतों की भूमिका को सशक्त बनाना और बेसलाइन डेटा के आधार पर ग्राम पंचायतों के प्रदर्शन का आंकलन सुनिश्चित करना था। कार्यशाला के दौरान निरंतर विकास लक्ष्यों को साध रही उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों को सम्मानित भी किया गया।

> पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स हमारे ग्राम पंचायतों की कार्यप्रणाली और विकास क्षमता का दर्पण है। इसके माध्यम से हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर पंचायत सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में ठोस और मापनीय प्रगति करे। – **ओमप्रकाश राजभर**, पंचायती राज मंत्री

पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स ग्रामीण विकास की दिशा में एक अभिनव पहल है। यह न केवल पंचायतों की प्रगति को मापने का साधन है, बल्कि उनके बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को भी प्रोत्साहित करता है। इससे हमें यह समझने में मदद मिलती है कि किन क्षेत्रों में और सुधार की आवश्यकता है। – **अमित कुमार सिंह**, निदेशक, पंचायती राज विभाग

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 11 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

मधुपेश बने साहित्य परिषद के अध्यक्ष

अमृत विचार, लखनऊ : अखिल भारतीय साहित्य परिषद का तीन दिवसीय 17वां राष्ट्रीय अधिवेशन 'आत्मबोध से विश्वबोध' के संकल्प के साथ संपन्न हुआ। देशभर के एक हजार से अधिक साहित्यकारों, चिंतकों और विद्वानों ने नई कार्यकारिणी का गठन भी किया। इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुशील चंद्र त्रिवेदी 'मधुपेश' और महामंत्री डॉ. पवनपुत्र बादल बनाए गए। यूपी के मीडिया प्रमुख अविनाश चन्द्र मिश्र ने बताया कि अधिवेशन के दौरान पांच सत्रों में विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा हुई और कई ठोस प्रस्ताव पारित किए गए। अधिवेशन के समापन सत्र में परिषद की नई केंद्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इसके अनुसार प्रो. बलवंत भाई जानी और श्रीधर पराड़कर संरक्षक बनाए गए।

स्ट्रे वैकेंसी राउंड काउंसिलिंग आज से

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के सरकारी व निजी मेडिकल व डेंटल कॉलेजों में यूजी की रिक्त लगभग 206 सीटों पर दाखिले के लिए नीट यूजी की स्ट्रे वैकेंसी राउंड काउंसिलिंग 11 नवम्बर मंगलवार से शुरू होगी। उक्त प्रक्रिया में 17 नवंबर को सीट आवंटन के परिणाम घोषित किए जाएंगे इसके बाद 18 से 20 नवंबर तक दाखिले की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक ने सोमवार को बताया कि काउंसिलिंग में अभ्यर्थी 11 नवंबर से 14 नवंबर सुबह 11 बजे तक आनलाइन पंजीकरण कर सकेंगे साथ ही धरोहर धनराशि भी जमा किया जा सकेगा। उसी दिन 14 नवंबर को मेरिट सूची जारी की जाएगी। इसके बाद 17 नवम्बर तक अपनी पसंद के कॉलेज की प्राथमिकता देनी होगी और उसी दिन सीट आवंटित कर दी जाएंगी।

भारत पर्व में दिखेगी यूपी की संस्कृति

अमृत विचार, लखनऊ : गुजरात में आयोजित होने वाले 'भारत पर्व' में शामिल होने के लिए प्रदेश के विभिन्न अंचलों से चयनित कलाकारों एवं विभाग के कर्मचारियों का दल दो बसों द्वारा रवाना हो गया है। सांस्कृतिक दलों को संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने सोमवार को अपनी शुभकामनाओं के साथ विदा किया। कलाकारों द्वारा लोकसंस्कृतियों की प्रस्तुति से उत्तर प्रदेश की 'उन्नत संस्कृति एवं समग्र विकास' की झलक पूरा देश देखेगा। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने कहा कि भारत पर्व 2025 में उप्र. का यह सांस्कृतिक दल न केवल अपनी सांस्कृतिक समृद्धि का प्रदर्शन करेगा, बल्कि ''एक भारत, श्रेष्ठ भारत'' की भावना को कला और लोकजीवन के माध्यम से साकार करेगा।

जनजाति भागीदारी उत्सव 13 से

अमृत विचार, लखनऊ : लोकनायक बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर प्रदेश में 13 से 18 नवंबर तक "राष्ट्रीय जनजाति भागीदारी उत्सव" का आयोजन किया जाएगा। "जनजाति गौरव दिवस" के अंतर्गत आयोजित होने वाले भागीदारी उत्सव में सोनभद्र में 15 नवंबर को आयोजित विशेष कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे, साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली जुड़ेंगे। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह तथा समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने सोमवार को लोकभवन में संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में दी। पर्यटन मंत्री ने बताया कि लखनऊ के गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित होने वाले इस उत्सव में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की झलक दिखेगी। वर्ष 2022 से केंद्र सरकार ने बिरसा मुंडा जयंती को 'जनजाति गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। उन्होंने बताया कि उत्सव में 18 राज्यों के लगभग 600 जनजातीय कलाकार अपने पारंपरिक नृत्य, गीत, और वाद्य प्रस्तुतियों के माध्यम से देश की सांस्कृतिक विविधता और एकता का संदेश देंगे।

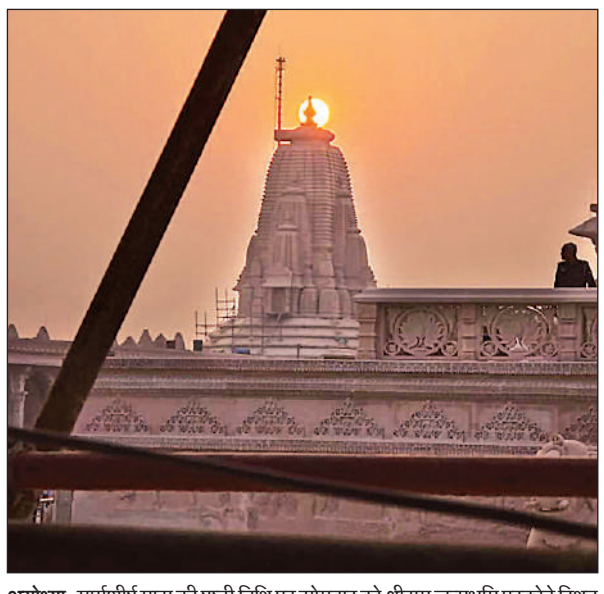

अयोध्या : मार्गशीर्ष मास की षष्ठी तिथि पर सोमवार को श्रीराम जन्मभूमि परकोटे स्थित सूर्य देव मंदिर में अद्भुत दृश्य देखने को मिला। प्रात :कालीन अरुणिमा के बीच सूर्यदेव की स्वर्णिम किरणों ने मंदिर गर्भगृह में प्रवेश कर स्वयं अभिषेक किया। भक्तों ने इसे दिव्य आशीर्वाद का प्रतीक माना।

कृत्रिम गर्भाधान में खेल, फंसे चार हजार पशुमैत्री

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

- पशुधन विकास परिषद से प्रशिक्षण लेकर निजी कंपनियों को पहुंचा रहे लाभ
- 200 रुपये तक सीमन खरीदकर एक हजार रुपये तक में करते कृत्रिम गर्भाधान

अमृत विचार : प्रदेश में कृत्रिम गर्भाधान (आर्टीफिशयल इनसेमिनेशन) से गाय व भैंस की नस्ल सुधारने के लिए रखे गए करीब चार हजार पशु मैत्रियों की निजी कंपनियों से बड़ी मिलीभगत सामने आई है। जिन्हें गांव-गांव पशुओं का कृत्रिम गर्भाधान करने के लिए उप्र पशुधन विकास परिषद ने प्रशिक्षित कर रखा है, वे प्रशिक्षण लेकर कंपनियों को लाभ पहुंचा रहे हैं। यह लोग विभागीय लक्ष्य पूर्ण न करके निजी कंपनियों से 200 रुपये तक का सीमन खरीदकर पशुपालक से एक हजार रुपये तक की वसूली करते हैं। जबकि योजना के तहत परंपरागत सीमेन निःशुल्क और बछिया वाले का 100 रुपये शुल्क लगता है।

ज्यादातर पशु मैत्रियों ने अपने अधीन तीन से चार लोगों को लगा रखा है। इनके अप्रशिक्षित हाथों से पशुओं के अंदर गर्भाधान का उपकरण डालने से बच्चेदानी तक फट जाती है। यह पशु क्रूरता के तहत आता है। जबकि विभाग की ओर से प्रशिक्षित पशुमैत्री, सरकारी चिकित्सक व पशुधन प्रसार अधिकारी ही करते हैं। इनके अलावा कोई नहीं कर सकता है। सीमेन भी कंपनियां नहीं बेच सकती हैं। इसके बाद भी कंपनियां गांवों में बिक्री प्वाइंट बनाकर वाहनों से सीमेन बेच रही हैं। यह बात सम्बंधित पशु चिकित्सकों से छिपी भी नहीं है। इस खेल में शामिल चार हजार पशु मैत्रियों से परिषद 51 हजार रुपये की किट और तीन माह के प्रशिक्षण में खर्च 30 हजार रुपये वसूलने की प्रक्रिया शुरू की जाती है।

कानपुर में बड़े स्तर पर गोलमाल

पशु मैत्री को टीकाकरण और गर्भाधान के लिए रखा जाता है। एक केस पर योजना के तहत 50 रुपये मिलते हैं और बच्चा होने पर प्रोत्साहन के तौर पर 100 रुपये मिलते हैं। पूरी प्रक्रिया की भारत पशुधन एप पर फीडिंग करनी होती है। लेकिन, निजी स्तर से मैत्री इससे अधिक कमाई करते हैं। इन्हीं कारणों से इस माह पशुओं के कृत्रिम गर्भाधान की प्रगति काफी धीमी है। 5 नवंबर तक 1.44 करोड़ पशुओं में 31.26 फीसद पूर्ति हुई है। कानपुर में बड़े स्तर पर यह खेल होना बताया जा रहा है। पशुमैत्री के अलावा कई युवा ग्रुप बनाकर पशुओं का उपचार करके जान ले रहे हैं।

सरकारी गैस का हो रहा निजी इस्तेमाल

पशुमैत्री को दी गई किट में एक से तीन लीटर का कंटेनर होता है। इसमें एलएनटू यानी नाइट्रोजन लिक्विड गैस से सीमेन सुरक्षित रहता है। एलएनटू परिषद द्वारा ही उपलब्ध कराई जाती है। किल्लत के कारण बाहर आसानी से नहीं मिलती है। फिर भी पशुमैत्री अस्पतालों से एलएनटू लेकर उनका निजी इस्तेमाल करते हैं।

> ऐसे मामलों में केंद्र के पीसीडीआई अधिनियम के तहत डीएम स्तर से कार्रवाई की जाती है। लेकिन, अब प्रदेश सरकार भी कार्रवाई के लिए प्रजनन अधिनियम बना रही है। इसके बनने से और सख्ती के साथ कार्रवाई होगी। करीब चार हजार पशुमैत्रियों से किट व खर्च वसूला जा रहा है।
>
> – डॉ. पीके सिंह, सीईओ, उप्र पशुधन विकास परिषद

प्रदेश में हाई अलर्ट : धार्मिक स्थलों व सीमावर्ती इलाकों की बढ़ाई गई सुरक्षा

दिल्ली में लालकिला मेट्रो स्टेशन धमाके के बाद डीजीपी ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को किया अलर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पुलिस कमिश्नर व एसपी को दिए निर्देश, पूरे प्रदेश में सड़कों पर उतरी पुलिस, चेकिंग शुरू

अमृत विचार : दिल्ली में लालकिला मेट्रो स्टेशन के पास हुए धमाके के बाद मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर डीजीपी राजीव कृष्ण ने प्रदेश में हाई अलर्ट घोषित कर दिया है। सभी पुलिस कमिश्नर, एसएसपी, एसपी और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने को कहा है। संवेदनशील स्थानों, धार्मिक स्थलों, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, बस स्टेशन व बाजारों समेत सभी मॉल में चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिये गये हैं। पूरे प्रदेश में पुलिस ने चेकिंग अभियान देर शाम से शुरू कर दिया है।

पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी फील्ड में उपस्थित रहने के साथ ही तथा संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, बाजारों, सार्वजनिक आयोजनों एवं धार्मिक स्थलों का स्वयं भ्रमण, निरीक्षण एवं पेट्रोलिंग करने को कहा है। साथ ही महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, धार्मिक स्थलों, भीड़भाड़ वाले स्थानों व अन्य संवेदनशील बिंदुओं की सुरक्षा व्यवस्था की पुनः समीक्षा के निर्देश दिए है। इसके अलावा वाहनों की चेकिंग, मेट्रो, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, मॉल, सिनेमा हॉल तथा अन्य सार्वजनिक परिवहन और भीड़भाड़ वाले जगहों पर सघन सतर्कता बरतने को कहा है। इसके अलावा डीजीपी ने एटीएस, क्यूआरटी, बम निरोधक दस्ते व डॉग स्क्वॉड को तत्पर मोड में रखा जाए तथा फुट पेट्रोलिंग और एरिया डोमिनेशन बढ़ाने के निर्देश दिये हैं। साथ ही सीसीटीवी फ़ीड्स का रीयल-टाइम विश्लेषण कर तथा स्थानीय खुफिया तंत्र तथा नागरिक सूचना नेटवर्क को सक्रिय कर संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों की तुरंत रिपोर्टिंग करने के लिए कहा है। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लावारिस वस्तुओं और संदिग्ध व्यक्तियों की सघन चेकिंग के भी निर्देश दिए है। वहीं यूपी 112 पीआरवी निरंतर संवेदनशील स्थानों पर भ्रमण करने और सोशल मीडिया की लगातार निगरानी करते हुए हर इनपुट को गंभीरता से लेते हुए अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए है।

लखनऊ में मल्टी लेवल पार्किंग में डॉग स्क्वॉड के साथ चेकिंग करते सुरक्षाकर्मी।

दिल्ली में धमाके के बाद राजधानी लखनऊ के हजरतगंज क्षेत्र में सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी। अमृत विचार

> यूपी के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को संवेदनशील धार्मिक स्थलों, संवेदनशील जिलों और सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। सभी सुरक्षा एजेंसियों को भी अलर्ट कर दिया गया है। प्रदेश के सभी जिलों की पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है। लखनऊ से संवेदनशील इलाकों में गश्त और जांच बढ़ाने का आदेश जारी किया गया है। –अमिताभ यश, एडीजी कानून-व्यवस्था, उप्र.

पश्चिम यूपी का गिरोह कर रहा ऑक्सीटोसिन का काला कारोबार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मेरठ व बागपत से लेकर लखनऊ तक फैला है गिरोह का नेटवर्क

अमृत विचार : राजधानी लखनऊ में ऑक्सीटोसिन के अवैध कारोबार का बड़ा खुलासा हुआ है। एसटीएफ ने रविवार को गोमतीनगर के उजरियांव गांव में छापेमारी कर ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया, जो बिना लाइसेंस ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बनाकर सप्लाई कर रहा था। एसटीएफ ने गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जबकि तीसरा सदस्य नौशाद फरार है।

जांच में सामने आया है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई गिरोहों ने लखनऊ में ठिकाना बना रखा है और मुस्लिम बस्तियों को आधार बनाकर अवैध कारोबार चला रहे हैं। गिरोह का नेटवर्क मेरठ, बागपत से लेकर लखनऊ तक फैला है। ये लोग बिहार से ऑक्सीटोसिन का पाउडर मंगवाकर इंजेक्शन तैयार करते और बेचते थे। एसटीएफ अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। एसटीएफ के डिप्टी एसपी दीपक कुमार सिंह के मुताबिक, गोमतीनगर के उजरियांव गांव में छापेमारी कर बागपत बड़ौत निवासी कयूम अली और मदेयगंज कदम रसूल निवासी मो. इब्राहिम को गिरफ्तार किया गया है। तीसरा आरोपी नौशाद, जो लक्ष्मी गार्डन मदीना मस्जिद, इंदिरापुरी थाना लोनी, जिला गाजियाबाद का रहने वाला है, फरार है। टीम उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनके पास किसी प्रकार का लाइसेंस नहीं है। वे बिना बिल और बाउचर के ऑक्सीटोसिन खरीदते और बेचते हैं।

राजधानी में पहले भी पकड़े जा चुके हैं कई गिरोह : डिप्टी एसपी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि राजधानी में ऑक्सीटोसिन बनाकर बेचने वाले कई गिरोह सक्रिय हैं। बीते एक वर्ष में एसटीएफ और स्थानीय पुलिस ने करोड़ों रुपये के ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन जब्त किए हैं। 30 अगस्त 2025 को एसटीएफ ने पारा इलाके से चार तस्करों को गिरफ्तार किया था, जिनके पास से करीब दो करोड़ रुपये का ऑक्सीटोसिन बरामद हुआ था। पकड़े गए आरोपियों में ठाकुर इरफान, दिलदार, शाहनवाज और मो. साहेब शामिल थे।

फल और सब्जियों में करते हैं इस्तेमाल

आरोपियों ने स्वीकार किया कि ऑक्सीटोसिन का प्रयोग न केवल पशुओं में, बल्कि फलों और सब्जियों के विकास को तेज करने के लिए भी किया जाता है, ताकि उन्हें समय से पहले बाजार में बेचा जा सके। इसकी किसानों और उत्पादकों के बीच बड़ी मांग है। कयूम ने बताया कि वह, इब्राहिम और नौशाद मिलकर ऑक्सीटोसिन पाउडर, पैकिंग बोतलें और ढक्कन गाजियाबाद से लाते हैं। नौशाद सप्लाई की जिम्मेदारी संभालता है।

पटेल जयंती पर भाजपा की यूनिटी मार्च पदयात्राएं शुरू, दिया गया एकता का संदेश

अमृत विचार, लखनऊ : सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी की बहुप्रतीक्षित 'यूनिटी मार्च पदयात्राएं' सोमवार को पूरे जोश के साथ शुरू हो गईं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर विधानसभा से पदयात्रा का शुभारंभ किया, जबकि प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने अयोध्या जिले की गोसाईगंज विधानसभा में, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लखनऊ जिले की बख्शी का तालाब (बीकेटी) विधानसभा में और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कानपुर कैंट विधानसभा में भाग लेकर एकता का संदेश दिया।

जनसमूह से ओतप्रोत पदयात्राओं में मां भारती के जयगान और सरदार पटेल अमर रहें के नारे गूंजते रहे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि देश की एकता और विकास के लिए हर नागरिक सरदार पटेल के आदर्शों को अपनाए। 11 नवंबर को मुख्यमंत्री योगी बाराबंकी जिले की कुर्सी विधानसभा में पदयात्रा का नेतृत्व करेंगे, जबकि प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी रायबरेली जिले की बछरावां विधानसभा में जनता से जुड़ेंगे। इस अवसर पर कई वरिष्ठ मंत्री और संगठन के पदाधिकारी प्रदेश के विभिन्न जिलों में पदयात्राओं में भाग ले रहे हैं। अभियान के प्रदेश संयोजक एवं भाजपा महामंत्री संजय राय ने बताया कि मंगलवार को प्रदेशभर में पदयात्राओं का विस्तार होगा। सोमवार को भी विभिन्न जिलों में मंत्री और पदाधिकारी पदयात्राओं में उतरे।

एल्कोहल चोरी में सहायक आबकारी आयुक्त बर्खास्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बीते साल मे. स्टार लाईट ब्रुकेम लि., नवाबगंज आसवनी, गोंडा से 27610 ली. एल्कोहल चोरी हुआ था। इस मामले में छानबीन के बाद सहायक आबकारी आयुक्त रामप्रीत चौहान को सीधे सरकारी सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। इससे पूर्व दिसंबर 2024 में शासन ने प्रकरण का संज्ञान लेते हुए रामप्रीत चौहान को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए थे।

इस मामले में सहायक आबकारी आयुक्त रामप्रीत चौहान की तरफ से ही एफआईआर दर्ज करायी गयी थी। साथ ही इसकी पूरी रिपोर्ट आबकारी आयुक्त को भेजी थी। बाद में जब आबकारी मंत्री ने विभागीय जांच के आदेश दिए तो जांच अधिकारी की जांच में रामप्रीत चौहान को ही दोषी पाया गया। मालूम हो कि, नवम्बर 2024 में 27,610 लीटर बल्क लीटर ईएनए (एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल) के बह जाने/चोरी हो जाने का प्रकरण प्रकाश में आया था। इसके बाद फैक्ट्री का लाईसेंस रद्द करते हुए उसको सील करा दिया गया था। मामले में फैक्ट्री के चेयरमैन समेत 6 लोगों के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। इस चोरी के चलते राज्य सरकार को 2.73 करोड़ रुपये के आबकारी राजस्व की हानि हुई।

एसआईआर में 'आधार' मान्य करवाएंगे : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा प्रमुख ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा- पार्टी मामले को लेकर जाएगी सुप्रीम कोर्ट

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि मतदात सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में पीडीए का एक भी वोट नहीं कटना चाहिए। मतदान एसआईआर में आधार को न मानने के मामले में उन्होंने कहा कि सपा इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट जाएगी, न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे और आधार को मनवाएंगे।

सपा प्रमुख पार्टी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अयोध्या में बीएलओ द्वारा उपलब्ध करायी गयी 2003 की मतदाता सूची को दिखाते हुए कहा कि इसमें मोहल्लों के लोगों के नाम ही नहीं हैं, जबकि समय के साथ आबादी बढ़ी है। सरकार अपने ही कागज 'आधार' को नहीं मान रही है।गांजा पकड़े जाने और संबन्धित के यहां करोड़ों की नकदी मिलने को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में सब चंगा, जहां पकड़ा जाए गांजा। लगता है पूरी भाजपा गांजा के काम में लगी है। खांसी की दवा सिरप का नशे में इस्तेमाल हो रहा है। इस घोटाले में भाजपा भी शामिल है। दस साल में स्मार्ट सिटी के नाम पर शहरों को भाजपा ने बर्बाद कर दिया है। सपा प्रमुख ने कहा कि प्रदेश में कहीं खाद उपलब्ध नहीं है। किसान की आय दुगनी नहीं हुई है।

सपा मुख्यालय पर खजांची का जन्मदिन मनाते अखिलेश यादव, साथ में शिवपाल सिंह।

भाजपा सरकार रहने तक मनाएंगे 'खजांची' का जन्मदिन

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि जब तक भाजपा की सरकार है, खजांची का हम जन्मदिन इसी तरह हर वर्ष मनाते रहेंगे। सपा प्रमुख पार्टी मुख्यालय पर सोमवार को नोटबंदी के बाद बैंक की लाइन में जन्म लेने वाले बच्चे का जन्मदिन मना रहे थे, जिसका नाम उन्होंने खजांची रखा था, खजांची को सालगिरह पर उसे लड्डू और केक खिलाकर नकद रुपये और उपहार सपा नेताओं की ओर से भेंट किये गये। अखिलेश यादव ने कहा कि नोटबंदी से व्यापार डूब गया। काला धन सफेद हो गया।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनी लोगों समस्याएं

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंदों को आवास दिलाने, आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की बेटियों की शादी और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के उपचार में आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जन समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं और पारदर्शिता के साथ निस्तारण सुनिश्चित करें।

दुर्भाग्यपूर्ण

अफसरों का बड़ा भ्रष्टाचार, सरकार सख्त कार्रवाई की तैयारी में

जल जीवन मिशन में जमीनी हकीकत चौंकाने वाली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- देश के 15 राज्यों की 85 फीसदी शिकायतें अकेले यूपी से

अमृत विचार : केंद्र और प्रदेश सरकार के संयुक्त निगरानी मिशन 'जल जीवन मिशन' की जमीन पर हकीकत बेहद चौंकाने वाली है। मिशन का उद्देश्य तो हर ग्रामीण घर तक नल से जल पहुंचाना था, लेकिन भ्रष्टाचार, ढिलाई और लापरवाही के चलते इस मिशन की चपेट में यूपी भी आ गया है।

केंद्र सरकार द्वारा कराई गई जांच में 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 16,634 शिकायतों में से 14,264 शिकायतें अकेले उत्तर प्रदेश से दर्ज हुईं, यानी लगभग 85 प्रतिशत शिकायतें सिर्फ यूपी की हिस्सेदारी में आईं। यह आंकड़ा केंद्र और राज्य दोनों के लिए चिंता का विषय है। मिशन के क्रियान्वयन में जहां एक ओर भ्रष्टाचार की गंध मिल रही है, वहीं दूसरी ओर अधिकारियों की जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं।

राज्य डैशबोर्ड पर भी बड़ा खुलासा

उत्तर प्रदेश के आधिकारिक 'जल जीवन मिशन डैशबोर्ड पर भी शिकायतों की तादाद बड़ी संख्या में दर्ज है। ताजा आंकड़ों के अनुसार कुल शिकायतें 26,562 हैं, जबकि निपटाए गए मामलों की संख्या 19,921। ऐसे में अब भी लंबित मामले 6,641 हैं। यह स्पष्ट करता है कि मिशन की पारदर्शिता और जमीनी कार्यों में गंभीर खामियां हैं। कई जिलों में पाइपलाइनें बिछीं, लेकिन पानी अब तक नहीं पहुंचा। कई जगह पानी भरते ही करोड़ों की लागत से बनीं टंकियां भरभराकर ढह गईं।

प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह पहले ही अफसरों को चेतावनी दे चुके हैं कि यदि किसी क्षेत्र में अधिकारी तैनाती के दौरान शिकायतों के समाधान में लापरवाही करते हैं, तो ट्रांसफर, सस्पेंशन या अभियोजन जैसी कठोर कार्रवाई की जाएगी। विभागीय समीक्षा बैठकों में अब हर जिले के लंबित मामलों की रिपोर्ट प्रतिदिन ली जा रही है। राज्य सरकार ने अब केंद्र के साथ मिलकर एक संयुक्त विजिलेंस मैकेनिज्म तैयार करने की योजना बनाई है ताकि फील्ड स्तर पर जवाबदेही तय की जा सके। हर घर नल का सपना तभी साकार होगा जब अफसरशाही जवाबदेह बने और ठेकेदारी तंत्र में पारदर्शिता आए। यह मिशन में क्लीन गवर्नेंस की सबसे बड़ी परीक्षा है।

फटी पाइपलाइनें

राज्य के लखीमपुर खीरी, बस्ती, प्रतापगढ़, बलिया, हरदोई और फतेहपुर जिलों में ग्रामीणों ने घटिया निर्माण और जल आपूर्ति में गड़बड़ी को लेकर कई बार विरोध प्रदर्शन किया है। कई जगह पाइपलाइनें टूट चुकी हैं, जल की गुणवत्ता खराब है और नल सूखे पड़े हैं। शिकायतों के बावजूद विभागीय कार्रवाई धीमी है।

लखनऊ से महिला डॉक्टर को किया गिरफ्तार, एके-47 बरामद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- फरीदाबाद से पकड़े गए आतंकी डॉ. मुजम्मिल की गर्लफ्रेंड है गिरफ्तार महिला डॉक्टर

अमृत विचार : जम्मू कश्मीर पुलिस ने लखनऊ में बड़ी कार्रवाई करते हुए महिला डॉक्टर शाहीन शाहिद को गिरफ्तार किया। उनका कनेक्शन आतंकी गिरोह से था। पुलिस ने शाहीन की कार से एके-47 भी बरामद किया है। गिरफ्तारी के तत्काल बाद आरोपी डॉक्टर को पुलिस जम्मू-कश्मीर लेकर चली गई।

पुलिस के अनुसार डॉक्टर शाहीन फरीदाबाद आतंकी साजिश में गिरफ्तार डॉ. मुजम्मिल की गर्लफ्रेंड बताई जा रही है। मुजम्मिल इस महिला डॉक्टर की कर का इस्तेमाल करता था। शाहीन का पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और अंसार-गजवत-उल-हिंद से जुड़े होने के आरोप है। फिलहाल पुलिस महिला डॉक्टर को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक गुप्त ऑपरेशन के तहत इस मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। जांच में सामने आया है कि डॉक्टर शाहीन शाहिद का संपर्क कई संदेश नेटवर्क से था। डॉक्टर शाहीन की डोर पाकिस्तान में बैठे आतंकियों से जुड़ी है। पुलिस का दावा है कि माड्यूल भारत के विभिन्न हिस्सों में आतंकी गतिविधियों को संचालित करने का साजिश रच रहा था। डॉक्टर शाहीन का नाम अलीगढ़ स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस व सुरक्षा एजेंसियां अब यह जांच कर रही है कि क्या इस विश्वविद्यालय के माध्यम से किसी तरह का आतंकी फंडिंग से इस नेटवर्क का संचालन किया जा रहा था। पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसी शाहीन के डिजिटल डिवाइस बैंक लेनदेन और विदेश के कनेक्शन की जांच कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

जिला स्तरीय बाल क्रीड़ा स्पर्धा आज से

कानपुर देहात। मंगलवार से दो दिवसीय बेसिक शिक्षा विभाग की जनपदीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता प्रारंभ होगी। क्रीड़ा प्रतियोगिता सहयोगी पूर्व शिक्षक अरुण कुमार गुप्ता ने बताया कि आयोजन माती के स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगा। उद्घाटन सत्र सुबह 10 :30 बजे प्रारंभ होगा।

किसान मेला लगाकर किया जागरूक

कानपुर देहात। कृषि क्षेत्र में नवाचार एवं प्रगति शील कृषि को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बैंक ऑफ बड़ौदा, झांसी क्षेत्र द्वारा अपने वार्षिक किसान संपर्क कार्यक्रम बड़ौदा किसान पखवाड़ा के अंतर्गत यहां किसान मेले का आयोजन किया गया। शुभारंभ क्षेत्रीय प्रबंधक सन्तोष कुमार पांडेय ने किया। किसानों से कहा कि कानपुर देहात जिला कृषि क्षेत्र में अग्रणी है और यहां के किसान आधुनिक तकनीकों के माध्यम से नई उंचाइयां छू रहे हैं। किसानों को बैंक ऑफ बड़ौदा की कृषि योजनाओं, जैसे किसान क्रेडिट कार्ड, एवं एग्री-इन्फ्रास्ट्रक्चर स्कीम का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

जिला, मंडल और प्रदेश स्तरीय ट्रॉयल्स तय

कानपुर देहात। जिला, मंडल व प्रदेश स्तरीय सिविल सर्विसेज चयन ट्रॉयल्स कार्यक्रम जारी किया गया है। इसमें प्रतिभाग करने हेतु अलग-अलग तिथियों पर आयोजन होंगे। जिलों में ट्रॉयल्स के बाद 13 से 15 नवंबर तक मथुरा में ट्रॉयल्स होंगे। जनपद स्तरीय चयन ट्रायल्य में भाग लेने हेतु कानपुर देहात के इच्छुक खिलाड़ी जन्म प्रमाण पत्र या आधार कार्ड की छायाप्रति के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर भाग लेंगे।

तेज रफ्तार डीसीएम की टक्कर से गाय की मौत, लोगों में रोष

रसूलाबाद : डीसीएम की टक्कर से एक गाय की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने सुभाष चौक पर डीसीएम चालक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। सोमवार शाम को झींझक से रसूलाबाद की तरफ आ रही एक अनियंत्रित डीसीएम ने सुभाष नगर महादेवन मंदिर के पास सड़क किनारे टहल रही एक गाय को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गाय की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने डीसीएम का पीछा कर झींझक रोड तिराहे के पास पकड़ लिया और पुलिस को सूचना देकर डीसीएम एवं उसके चालक को पुलिस के हवाले कर दिया।

दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत में एक बुजुर्ग घायल

शिवली। दो बाइकों की आमने सामने टक्कर हो गई। टक्कर में एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के लिए उन्हे कानपुर के हैलट अस्पताल भेजा गया है। हादसा शोभन गांव के पास हुआ। मोटर साइकिलें टकराने से बुजुर्ग बाइक सवार थाना चौबेपुर के निगोहा गांव के प्रभु दयाल 70 वर्ष घायल हो गए। सूचना पर उनको शिवली सीएचसी लाया गया। ई एमटी दिनेश ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर के हैलट अस्पताल डाक्टर ने रेफर कर दिया। इंस्पेक्टर ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

लाभ पाना है तो किसान कराएं फार्मर रजिस्ट्रेशन

कानपुर देहात। फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराया तो सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल सकेगा। जिन किसानों ने अभी तक फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराई है, वह अविलंब नजदीकी जन सुविधा केंद्र पर जा कर अपनी फार्मर रजिस्ट्री करा लें नही तो किसान सम्मान निधि के साथ-साथ उर्वरक बीज कृषि रक्षा रसायन तथा कृषि यंत्र पर अनुदान के साथ-साथ केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही किसी भी योजना का लाभ नही मिल पाएगा। उप कृषि निदेशक हरिशंकर भार्गव ने बताया किऐसे किसान, जिनके नाम आधार और खतौनी में मिस मैच है वह या तो खतौनी के अनुसार आधार में नाम संशोधित करा लें अथवा आधार के अनुसार खतौनी में नाम संशोधन करा सकते हैं। खतौनी में नाम संशोधन के लिए संबन्धित तहसील मे नाम सुधार के लिए प्रार्थना पत्र दे सकते है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

सिकंदरा में शिक्षक के घर से लाखों की चोरी

संवाददाता, सिकंदरा

- घर के मेन गेट का ताला तोड़ कर भीतर दाखिल हुए चोर।
- अलमारी का लॉकर तोड़ निकाले जेवर और नकदी
- पुलिस को दी गई तहरीर सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

अमृत विचार: सिकंदरा के मालवीय नगर मोहल्ले में संदलपुर रोड पर रविवार की देर रात शिक्षक के सुनसान घर के गेट का ताला तोड़कर कर लाखों के सोने-चांदी के आभूषण सहित 25 हजार की नकदी चोर चुरा ले गए। पड़ोसियों की सूचना पर शिक्षक ने थाना पुलिस को चोरी की सूचना दी।

सिकंदरा थाना के फिरोजपुर गांव निवासी शिक्षक त्रिमांशु कटियार पुत्र ललित कुमार कटियार ने बताया कि पत्नी रोली कटियार को बीते 29 अक्टूबर को डिलीवरी के लिए कानपुर के अस्पताल मे भर्ती कराया था। कानपुर से रोज दिन में आना जाना रहा। यहां शिक्षा कार्य के लिए मदनपुर गांव के प्राथमिक विद्यालय जाना पड़ता था। रविवार को घर में आया था। शाम को ससुराल दयानतकपुर में चला गया जहां रात्रि के समय वही रूक गया।

सुबह पड़ोसियों द्वारा चोरी की जानकारी मिलने पर घर आकर देखा कि मेन गेट का ताला टूटा पड़ा था। कमरे में रखी अलमारी का लॉकर तोड़ कर चोर सोने की 20 ग्राम की 5 अंगूठी, 45 ग्राम की 2 जंजीर ,60 ग्राम का हार, 2 ग्राम सुई धागा, 40 ग्राम की 4 चूड़ी, 10 ग्राम का मंगल सूत्र, चांदी के आभूषणो में एक जोड़ी तौडिया, 1 जोडी पायलें सहित 25 हजार रूपए नकद चुरा ले गए। घटना के बारे में सिकंदरा थाने के एसएसआई तबारक अहमद ने बताया कि चोरी की तहरीर मिली है। सीसीटीवी कैमरों में देखा जा रहा है। जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

घटना के बारे में जानकारी देते त्रिमांशु कटियार। अमृत विचार

प्रांसी की मौत पर दहेज हत्या की एफआईआर हुई दर्ज, जांच शुरू

अमृत विचार Follow UP

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार: 8 नवंबर को सेंगरन निवादा मजरा रतनपुर में फांसी के फंदे से लटके मिले प्रांसी के शव के मामले में प्रांसी की मां ने अतिरिक्त दहेज की मांग पर बेटी की हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

बताया कि स्विफ्ट डिजायर कार एवं 5 लाख रुपये न दिए जाने के कारण सास, ससुर, ननद, जेठानियों व जेठों के मारपीट कर जान से मार कर लटकाने की बात कही है। पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इसकी जांच पुलिस क्षेत्राधिकारी रसूलाबाद को दी गई है।

कैलाई थाना बरौर निवासी सुनीता देवी पत्नी राम सिंह ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसकी पुत्री प्रांशी उर्फ नेहा का विवाह गत 11 मई 2025 को सेंगरन निवादा निवासी धीरेन्द्र गौतम के साथ हुआ था। ससुराली जन कम दहेज का ताना मार कर उसे प्रताड़ित करते थे और एक स्विफ्ट डिजायर कार व 5 लाख रुपये की मांग पूरी न करने पर पुत्री को जान से मार देने की धमकी देते थे। गत 8 नवंबर की शाम लगभग 5 बजे अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर ननद शीतल व उसकी पुत्री प्रांशी उर्फ नेहा में कुछ कासुनी हुई। इसको लेकर ससुर राम प्रकाश, सास राजकुमारी, ननद शीतल, जेठानी नेहा व पूजा एवं जेठ सोनू व मनोज ने एक राय होकर उसकी पुत्री को बुरी तरह से मारपीट कर जान से मार दिया और आत्महत्या का रूप देने के लिए उसे फांसी पर लटका दिया। इस संबंध में वह प्रार्थना पत्र देने थाने आई । थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि प्रार्थना पत्र के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है इसकी जांच सीओ सौरभ वर्मा करेंगे।

सड़क हादसे में किसान की चली गई जान

असालतगंज-चौबेपुर के बीच बाइक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, चचेरा भाई गंभीर घायल

संवाददाता, रसूलाबाद

राजेश।

अमृत विचार: असालतगंज चौबेपुर के मध्य अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक किसान की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जब कि उसका चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस दोनों को सीएचसी ले गई, वहां परीक्षण के बाद ईएमओ ने एक को मृत घोषित कर दिया। दूसरे की इलाज के बाद हालत चिंताजनक देखते हुए हैलट रेफर कर दिया।

शहबाजपुर गांव निवासी किसान राजेश कुरील 45 पुत्र श्री कृष्ण अपने चचेरे भाई अनिल 40 पुत्र बंशलाल के साथ असालतगंज बाजार में खरीदारी करने के बाद सोमवार शाम बाइक द्वारा घर वापस जा रहे थे। इसी दौरान असालतगंज चौबेपुर गांव के मध्य किसी अज्ञात वाहन ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों बाइक सवार बाइक समेत खड्ड में जा गिरे, सूचना पर पहुंची एंबुलेंस दोनों को सीएचसी ले गई।

ईएमओ डॉक्टर सौरभ शाक्य ने परीक्षण के बाद राजेश 45 को मृत घोषित कर दिया जब कि उसके चचेरे भाई अनिल 40 की हालत नाजुक देखते हुए इलाज के बाद हैलट रेफर कर दिया। अनहोनी घटना से पत्नी सुमन, बेटा भोला ,अभी ,बेटियां खुशबू, संध्या, अंजली, शालिनी, सोनाली ,अंशिका ,छोटे भाई सुरेश समेत अन्य परिजन बिलखने लगे। प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह ने बताया कि सीएचसी से प्राप्त मेमो के आधार पर शव को पंचायत नामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है, तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी ।

राजेश की मौत के बाद दुखी परिजन। अमृत विचार

घायल अनिल। अमृत विचार

तेज रफ्तार ऑटो की टक्कर से बिहार के दो लोग घायल

सिकंदरा : सिकंदरा थाना क्षेत्र के प्रीतमपुर नेशनल हाईवे के ओवर ब्रिज के समीप स्कूटी सवार दो युवकों को तेज रफ्तार से आ रहे ऑटो ने पीछे से टक्कर मार दी। इससे स्कूटी पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्हें राहगीरों की मदद से सीएचसी सिकंदरा पहुंचाया गया। वहां मौजूद चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद चिंताजनक हालत देखते हुए दोनों को जिला मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। श्याम कुमार उम्र 28 वर्ष पुत्र तिलक महतो निवासी बेलमोहन थाना नागपुर जनपद सीतामढ़ी बिहार, शंभू उम्र 30 वर्ष पुत्र राजेंद्र महतो निवासी बालासा थाना नागपुर जनपद सीतामढ़ी बिहार स्कूटी पर सवार होकर गुड़गांव से अपने गांव बिहार जा रहे थे। जैसे ही वह सिकंदरा थाना क्षेत्र के प्रीतमपुर नेशनल हाईवे के ओवरब्रिज के समीप पहुंचे थे अचानक तेज रफ्तार से आ रहे ऑटो ने पीछे से टक्कर मार दी। भयंकर टक्कर लगने से दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिकंदरा पहुंचा। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद चिंताजनक हालत देखते हुए जिला मेडिकल कॉलेज अकबरपुर के लिए रेफर कर दिया। वहीं पुलिस ने घायलों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। संबंध में थाना प्रभारी हरिओम त्रिपाठी ने बताया कि घायलो का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। परिजनों से तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

सेंगुर नदी के पुल पर पलटी स्कार्पियो, तीन लोग घायल

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार: कानपुर-झांसी हाईवे पर सोमवार की सुबह बड़ा हादसा होते बचा। यहां मांवर गांव के पास सेंगुर नदी की पुल पर तेज रफ्तार स्कार्पियो कार डिवाइडर पर चढ़ने के बाद बेकाबू हो गई। कुछ देर सड़क पर लहराने के बाद कार सड़क पर ही पलट गई। इससे उसमें सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में कई लोग घायल हुए हैं। उन्हें अस्पताल भेजा गया।

हादसा सोमवार सुबह करीब 7 बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक मोहम्मदाबाद से लखनऊ जा रही एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार पुल पर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। कार में एक बच्ची अरीबा, जैनुल आब्दीन, नृपत सिंह, आसिफ, जीशान, आसमा, तौफीक समेत कुल सात लोग सवार थे। कार पर सवार लोग मोहम्मदाबाद से जैनुल का इलाज कराने के लिए लखनऊ जा रहे थे। आसिफ पुत्र जैनुल कार चला रहे थे। पलटने से पहले कार ने दो बार पलटी खाई। इससे भीतर बैठे तीन लोग बुरी तरह जख्मी हुए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा तफरी मच गई। अच्छी बात यह रही कि कार ने नदी की रेलिंग की तरफ नहीं भागी।

स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी देवीपुर अभिषेक कुमार पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को निजी वाहन से उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा। चौकी प्रभारी देवीपुर ने बताया कार में एक बच्ची समेत कुल सात लोग सवार थे।

पुल पर पलटी स्कार्पियो। अमृत विचार

नाला चोक, सड़क पर बह रहा घरों का गंदा पानी, आवागमन में परेशानी

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार: राजपुर कस्बे के पटेल नगर मोहल्ले में वर्षों पहले ग्राम पंचायत द्वारा बनवाया गया नाला चोक हो गया। इससे घरों का गंदा पानी सड़क पर भर रहा है और आवागमन में परेशानी हो रही है। वार्ड के लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन से नाला निर्माण कराने की मांग की है।

कस्बे के पटेल नगर में दमनपुर मार्ग पर करीब दो बर्ष पहले नगर पंचायत ने लगभग 30 लाख से सड़क किनारे एक ओर नाला निर्माण कार्य कराया है। वही सड़क की दूसरी तरफ पहले से ग्राम पंचायत द्धारा 10 बर्ष पहले बनाया गया नाला कई जगह क्षतिग्रस्त होने से चोक हो गया है। रमेश के घर से हामिद के घर तक करीब 20 मीटर नाला पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने से चोक हो गया है। ऐसे में लोगों के घरों का पानी सड़क पर भर रहा है। इससे राहगीरों और वार्ड के लोगों को आवागमन में परेशानी उठानी पड रही है। वार्ड निवासी सुरेश ने बताया कि दो बर्ष पहले नगर पंचायत ने सड़क के एक ओर करीब 60 मीटर नाला निर्माण कराया गया है। दूसरी ओर नाला निर्माण नहीं कराया गया है इससे वार्ड के लोगों को परेशानी उठानी पड रही है। अमन ने बताया कि पानी नाले में न जाकर मुख्य मार्ग पर भर रहा है। दुकानदार हामिद ने बताया दुकान के सामने पानी भरा होने के कारण वाहन निकलने के दौरान सड़क का गंदा पानी दुकान के अंदर आ जाता है। नगर पंचायत की ईओ नीति त्रिपाठी ने बताया कि मौके पर निरीक्षण कर जलभराव की समस्या दूर की जाएगी।

गंदे पानी से होकर गुजरने को मजबूर लोग। अमृत विचार

संतोषजनक कार्य न करने पर डीआरपी का चयन निरस्त

कानपुर देहात। सोमवार को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजनान्तर्गत जिला उद्यान अधिकारी, डॉ. बल्देव प्रसाद की उपस्थिति में समीक्षा बैठक हुई।

इसमें नवागंतुक डीआरपी को योजना से संबन्धित पोर्टल की जानकारी व योजनान्तर्गत लगाए जाने वाले उद्योगों की जानकारी दी गई। अवगत कराया कि किसी स्तर पर कठिनाई आने पर जनपद में पूर्व से तैनात डीआरपी से सहयोग लेते हुए पोर्टल पर प्रति सप्ताह न्यूनतम तीन आवेदन प्रस्तुत किए जाएं ताकि लक्ष्यों की पूर्ति की जा सके। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि सुशील त्रिपाठी व हरिकृष्ण द्वारा डीआरपी के रूप में संतोषजनक कार्य न करने के कारण चयन निरस्त कर दिया गया है तथा उनके आंवटित लक्ष्यों को नए डीआरपी को आंवटित करने हेतु योजना प्रभारी को निर्देश दिए गए।

बिना रास्ता बना दिया एमआरएफ सेंटर, अब संचालन में समस्या

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार: सरकार की ओर से स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत राजपुर नगर पंचायत दमनपुर मार्ग पर करीब 35 लाख की लागत से एमआरएफ सेंटर का वर्ष 2022 में निर्माण कराया गया है। कूड़ा निस्तारण के लिए पिछले वर्ष लाखों कीमत से मशीनरी भी खरीद की गई है लेकिन जल्दबाजी में शुरू हुए इस काम में सेंटर को जाने वाले मार्ग पर ही ध्यान नहीं दिया गया।

आलम यह है कि यहां सेंटर तक जाने के लिए मार्ग पर कस्बे के एक किसान ने अपनी कृषि भूमि बताकर रास्ता निर्माण कार्य में बाधा डाल दी है ऐसे में एमआरएफ सेंटर शोपीस बना खड़ा है। राजपुर नगर पंचायत में वर्ष 2019 में सेंटर बनवाने के लिए 33 लाख की धनराशि भेजी थी। भूमि चिन्हित नहीं होने के चलते दो बर्ष तक सेंटर का निर्माण कार्य ही नहीं हो सका। उसके बाद तत्कालीन जिलाधिकारी की पहल पर 2022 में एमआरएफ सेंटर बनकर तैयार हो गया। रास्ते के विवाद के चलते सेंटर का संचालन नहीं हो सका है। ऐसे में कूड़ा निस्तारण का प्रबंधन अभी तक नहीं हो सका है। इसके चलते सड़कों के किनारे लगे कूड़े के ढेर सफाई व्यवस्था को मुंह चिढ़ा रहे है। नगर पंचायत की ईओ नीति त्रिपाठी ने बताया कि एक व्यक्ति द्धारा रास्ते की जमीन को लेकर विवाद उतपन्न कर रहा है सिकंदरा एसडीएम को पैमाइश के लिए पत्राचार किया गया है।

दमनपुर रोड पर बनाया गया एमआरएफ सेंटर। अमृत विचार

- दमनपुर मार्ग पर निर्मित कराया गया सेंटर, 35 लाख लागत

दिए निर्देश

डीएम ने की नहरों की सिल्ट सफाई कार्ययोजना की बैठक

टेल तक कराई जाए नहरों की साफ-सफाई

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार: सोमवार को नहरों की सिल्ट सफाई की प्रस्तावित कार्ययोजना को लेकर मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार में बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता डीएम कपिल सिंह ने की। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में स्थित सभी नहरों, रजवाहा एवं माइनरों की सिल्ट सफाई की कार्रवाई तत्काल प्रारंभ कर निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराई जाए, ताकि रबी सत्र के दौरान किसानों को सिंचाई हेतु पर्याप्त जल उपलब्ध कराया जा सके।

उन्होंने कहा कि नहरों में अवरोध, सिल्ट जमाव या टूट-फूट की स्थिति में तत्काल सुधार कार्य किया जाए तथा कार्यों की प्रगति की प्रतिदिन समीक्षा एवं निगरानी की जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सफाई कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, स्थल निरीक्षण के दौरान पाए जाने वाले दोषों पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि नहरों की सिल्ट सफाई कार्यों का सत्यापन किया जाए तथा कार्य पूर्ण होने पर फोटोग्राफ एवं वीडियो के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि नहरों की सफाई से जल प्रवाह सुचारु रहेगा, जिससे सिंचाई प्रणाली में सुधार होगा और किसानों को सिंचाई के लिए बेहतर सुविधा प्राप्त होगी।

बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी नहरों को हेड से टेल तक मानक के अनुरूप सफाई कराई जाए तथा शासन द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। जिन नहरों की सफाई कराई जा रही है, उनकी सूचना संबंधित ग्राम प्रधानों एवं किसानों को समय से उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे कार्यों की पारदर्शिता एवं गुणवत्ता से अवगत रह सकें।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सभी सफाई कार्यों की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी अनिवार्य रूप से की जाए तथा जनपद स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए, जिसके संपर्क नंबर का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि किसान या ग्रामीण आवश्यक सूचना अथवा शिकायत दर्ज करा सकें। एक्सियन सिंचाई ने अवगत कराया की जनपद कानपुर देहात में लगभग 874 किलोमीटर लंबाई की नहरों की सफाई की जानी है, जिसके लिए कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन, अधिशासी अभियंता सिंचाई, उप जिलाधिकारी, तहसीलवार सिंचाई अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम।

किसानों को प्रदान किया जाएगा अनुदान वाला बीज

कानपुर देहात। विकास भवन सभागार में संचालित एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत किसानों को निःशुल्क बीज वितरण किया जाएगा। अधिकृत बीज कंपनियों मेसर्स इंडो अमेरिकन हाइब्रिड सीड्स प्रालि, बैंगलौर, मेसर्स ट्रोपिका सीड्स प्रालि, कर्नाटक, मेसर्स कलश सीड्स प्रालि, महाराष्ट्र एवं मेसर्स मंगलम सीड्स लि, अहमदाबाद, गुजरात द्वारा प्रतिभाग किया गया। बताया गया कि शाकभाजी फसलों मे शिमला मिर्च, टमाटर, पत्तागोभी, फूलगोभी, कद्दूवर्गीय (लौकी, तरोई, कद्दू) कुल 100 हेक्टेयर क्षेत्रफल, पुष्प कार्यकम में ग्लेडियोलस एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में खेती हेतु भौतिक लक्ष्य प्राप्त हुए हैं। अनुमन्य अनुदान डीबीटी माध्यम से निवेश के रूप में प्रथम आवक प्रथम पावक के आधार पर दिया जाएगा। कृषक उद्यान विभाग की वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं।

नारदाश्रम में मां अन्नपूर्णा के मंदिर में होती कथा। अमृत विचार

नारदाश्रम में 16 वर्ष से लगातार हो रही कथा, इस वर्ष समापन

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार: नारखास स्थित नारदाश्रम के मां अन्नपूर्णा मंदिर में गुरुदेव की प्रेरणा से शिष्यों ने कथा का अनुष्ठान किया है। पिछले 16 वर्षों से 16 दिवसीय कथा का क्रम चल रहा है। इसका 17वें वर्ष में उद्यापन होता है। यह वर्ष समापन वर्ष है। 16 दिवसीय इस कथा कार्यक्रम का समापन 25 नवंबर को होगा। समापन के उपरांत 26 नवंबर को भंडारे का आयोजन किया गया है। जिसमें श्रद्धालु भक्तों की उपस्थिति हेतु कथा आयोजक ने निवेदन किया है। कथा के आयोजन कमलेश तिवारी ने श्रद्धालु भक्तों से कहा है कि वह कथा में सम्मिलित होकर उनका उत्साह वर्धन करें। कथा राममिलन मिश्रा कह रहे हैं जो 17 दिन तक चलेगी। कथा के समापन के उपरांत 26 नवंबर को भंडारे का आयोजन किया गया है इसमें महाप्रसाद ग्रहण करने के लिए आयोजक ने श्रद्धालु भक्तगणों से निवेदन किया है।

अमृत विचार
कानपुर, मंगलवार 11 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

गायत्री महायज्ञ का आयोजन 14 से

घाटमपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा 14 नवम्बर से बारेश्वर महादेव मन्दिर में 24 कुंडलीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ एवं संगीत प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। गायत्री परिवार की सदस्य उमा देवी सिंह ने बताया कि गायत्री महायज्ञ 14 से 17 नवम्बर तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस महायज्ञ का 14 नवम्बर को कलश यात्रा के साथ शुभारम्भ किया जाएगा। इस यज्ञ में पुंसवन, यज्ञोपवीत, विवाह, गुरु दीक्षा आदि संस्कार नि :शुल्क किये जाएंगे।

तीन युवकों पर जिला बदर की कार्रवाई

हमीरपुर। पुलिस अधीक्षक डॉ .दीक्षा शर्मा की सिफारिश पर जिला मजिस्ट्रेट ने तीन गुंडा किस्म के अपराधियों को 6 माह के लिए जिला बदर किया है। इनमें परछा निवासी आफताब पुत्र कमरुद्दीन, नरायच निवासी सीताराम पुत्र सूरजबली और छानी बुजुर्ग निवासी शेखर सिंह पुत्र छोटा शामिल हैं। आदेश में कहा गया है कि तीनों अपराधी 6 माह तक जनपद की सीमा में प्रवेश नहीं करेंगे और जिस दूसरे जनपद में रहेंगे, उसकी सूचना न्यायालय एवं स्थानीय पुलिस को भी देंगे।

ग्राम समाज की भूमि को लेकर मारपीट

हमीरपुर। बिवांर थानाक्षेत्र के ग्राम पाटनपुर निवासी शिववीर उर्फ लल्ला ने थाने में दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह तालाब के किनारे ग्राम समाज की जमीन पर कंडे पाथता है। लेकिन गांव के गोविंद प्रजापति ने उसी जगह पर भैंस बांधने के लिए खूंटा गाड़ दिया और उसके कंडे उठाकर फेंक दिए। पीड़ित ने बताया कि जब उसने उस जगह भैंस बांधने से मना किया तो उक्त गोविन्द और उसकी पत्नी ने गाली गलौज करते हुए लाठियों से पीट कर उसे लहूलुहान कर दिया। तहरीर पर पुलिस ने दंपति पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्कूटी से गिरकर महिला गंभीर, रेफर

हमीरपुर। कोतवाली क्षेत्र के पढोरी निवासी सुशील की पत्नी हीराकली (25) टिकरी के पास स्कूटी से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे इलाज के लिए सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां गंभीर चोटों के कारण प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है।

बालिका को बाइक ने मारी टक्कर, गंभीर

हमीरपुर। कस्बे के वीरपाल की पुत्री शानवी (5) सरस्वती शिशु मंदिर में कक्षा 5 में पढ़ती है। सोमवार को ममना रोड पर कालिका देवी मंदिर के पास स्कूल गाड़ी ने उतारकर घर जाने लगी, तभी तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी, जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गई। मुख्यालय जा रहे एसडीएम बलराम गुप्ता ने बच्ची को अपनी गाड़ी में बैठाकर सीएचसी में भर्ती कराया। डॉ .प्रियंक मिश्रा ने सिर में चोट और पैर में फैक्चर होने से उरई रेफर कर दिया।

ओवरब्रिज की मांग

हमीरपुर। आश्रम बजरंग धाम सिजनौड़ा के संतों ने तहसील मौदहा के रेलवे गेट नं0-17 में अंडर ब्रिज का निर्माण रोकर उसमें ओवरब्रिज बनाने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी घनश्याम मीना को ज्ञापन सौंपा है।

दिल्ली की घटना के बाद अलर्ट मोड पर पुलिस

रात में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी सड़क पर मार्च करते नजर आए, आने-जाने वालों से की पूछताछ

संवाददाता, शिवली (कानपुर देहात)

अमृत विचार। दिल्ली में बम विस्फोट के बाद प्रदेश व जिले में प्रशासन व पुलिस हाई अलर्ट पर है। रात में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने सड़क पर मार्च करते नजर आए।

हालांकि की दिल्ली की घटना से अनजान राहगीर व दुकानदार भारी पुलिस बल देख कानाफूसी करते नजर आए। कस्बा शिवली में एसडीएम राजकुमार पांडेय, थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव, इंस्पेक्टर क्राइम शीलेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ सड़कों पर गश्त करते दिखे।

दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने की सलाह: रसूलाबाद। दिल्ली में बम विस्फोट की घटना के बाद दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठानों पर अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरे लगवाने की सलाह दी गई। ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर त्वरित कार्रवाई की जा सकेगी। पुलिस जनता की सुरक्षा के लिए 24 घंटे तत्पर है। किसी भी आपराधिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कस्बा शिवली में गश्त करते एसडीएम व पुलिस बल। अमृत विचार

- अचानक भारी पुलिस बल देख कर सकते में आये लोग
- पुलिस के साथ प्रशासनिक अधिकारी भी रहे मौजूद

यह बात सोमवार रात्रि गश्त पर पुलिस बल के साथ निकले सीओ सौरभ वर्मा ने कस्बे के दुकानदारों से संवाद स्थापित करते हुए कही। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम जनता में सुरक्षा का भाव जगाने के उद्देश्य से उन्होंने मुख्य बाजार, बस स्टैंड, सब्जी मंडी और प्रमुख चौराहों का निरीक्षण किया। थाना प्रभारी सतीश सिंह ने पुलिस बल के साथ पैदल भ्रमण किया। उन्होंने स्थिति का ज्यादा लिया और दुकानदारों एवं व्यापारियों से मिलकर उनकी सुरक्षा संबंधी समस्याओं को सुना।

पैदल गश्त के दौरान मौजूद सीओ सौरभ वर्मा व अन्य पुलिसकर्मी।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

अधिकारी को ज्ञापन सौंपते महंत सियाराम कठेरिया। अमृत विचार

बिल्हौर को जिला बनाने की मांग, सीएम को भेजा ज्ञापन

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। बिल्हौर को जिला बनाने के लिए सालों से संघर्ष कर रहे सर्वसमाज उत्थान सेवा समिति के महंत सियाराम कठेरिया ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन भेजा है। उन्होंने कानपुर देहात, कानपुर नगर और कन्नौज जिलों के कुछ हिस्सों को मिलाकर नया जिला गठित करने का प्रस्ताव दिया है।

उन्होंने उप जिलाधिकारी डॉक्टर संजीव दीक्षित को ज्ञापन सौंपा और अपनी मांग को जोरदारी से रखा। इस मौके पर एसीपी मंजय सिंह भी मौजूद रहे। महंत सियाराम कठेरिया 325 ज्ञापन भेज चुके हैं। बिल्हौर को अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर जिला घोषित करने की मांग इस पत्र के माध्यम से की गई है। इसमें कानपुर नगर, कानपुर देहात और कन्नौज के लगभग 120 किलोमीटर क्षेत्र को शामिल करने का विचार किया जा रहा है।

मांग का मुख्य उद्देश्य: समिति ने नए जिले के गठन के पीछे मुख्य कारण औद्योगिक, शैक्षणिक और प्रशासनिक विकास को बताया है। उनका तर्क है कि यह क्षेत्र लम्बे समय से उपेक्षित है।

त्रुटिरहित मतदाता सूची बनवाने में सहयोग करें कार्यकर्ता : संदीप

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर में सोमवार को भाजपा कानपुर ग्रामीण ने मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान को तेज गति के साथ आगे बढ़ाया। भाजपा पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को आईएसआर के बारे में विस्तार से समझाया। साथ ही कहा कि जिस भी कार्यकर्ता को जिम्मेदारी दी जाये वह बीएलओ के साथ घर-घर जाये और गणना फार्म को सही से भरवाये। साथ ही यह भी देखे कि किसी गलत आदमी का वोट न बनने पाये।

भाजपा कानपुर ग्रामीण किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष संदीप बाजपेयी ने घाटमपुर विधानसभा में एसआईआर अभियान को गति प्रदान करते हुए बरिपाल मंडल के कोटरा शक्तिकेन्द्र एवं रेउना मंडल के चंवर शक्तिकेन्द्र में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक में जिला प्रवासी प्रदेश उपाध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा जयप्रकाश कुशवाहा उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर बीएलए टू की संरचना बनाई और बैठक में कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया । एसआईआर अभियान के विधानसभा संयोजक संदीप बाजपेयी ने कहा कि इस बैठक का प्रमुख उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाना है, ताकि हर योग्य नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग सुनिश्चित कर सके। बैठक में भाजपा मंडल अध्यक्ष व मंडल पदाधिकारीगण और समान्नित कार्यकर्ताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने के लिए एकजुटता और समर्पण का संकल्प लिया। संदीप बाजपेयी ने बताया कि यह अभियान न केवल नए मतदाताओं को जोड़ने का कार्य करेगा, बल्कि मतदाता सूची से विसंगतियों को दूर कर स्वच्छ और पारदर्शी लोकतंत्र की नींव को भी मजबूत करेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बरिपाल मंडल महामंत्री पुष्पेंद्र सिंह, रेउना मंडल अध्यक्ष सौरभ कुशवाहा, पूर्व मंडल अध्यक्ष राकेश चौधरी, मंडल महामंत्री सोनू तोमर, बूथ अध्यक्षगण सहित देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते अतिथि। अमृत विचार

युवक का रुपये भरा पर्स, मोबाइल छीना

हमीरपुर। रात में फिंगर-मोमोज खा रहे युवक को गांव के दो युवकों ने अंधेरे में ले जाकर पर्स में पड़े हजारों रुपये व मोबाइल फोन छीनकर मारपीट कर भाग गए। युवक ने गांव के दो युवकों के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामलेल की जांच कर रही है।

थाना क्षेत्र के पाटनपुर गांव निवासी अरुण पुत्र किशोरी लाल अनुरागी ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि सूरत में रहकर मजदूरी करता है। बीते 30 अक्टूबर को अपने घर आया था। रविवार की रात 8:00 बजे गांव के चाट ठेला में फिंगर मोमोज खा रहा था।

तभी गांव के हरगोविंद सिंह व पुष्पेंद्र पाल दोनों युवक आए और उसे पकड़कर ठेला से दूर अंधेरे में ले गए है। जहां उसकी जेब से जबरन पर्स में पड़े 20 हजार रुपये व मोबाइल छीन कर भाग गए। एसआई विजय बहादुर ने बताया कि युवक की तहरीर मिली है, रुपये छीनने का मामला संदिग्ध लग रहा है। पूरे मामले की जांच-पड़ताल कर दोनों युवकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षक के स्थानांतरण पर दी गई भावभीनी विदाई

तबादला होने पर शिक्षक को विदाई देते साथी शिक्षक व अन्य लोग। अमृत विचार

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। ककवन कस्बे के डीपीएसएन इंटर कॉलेज में शिक्षक के पद पर तैनात सौरभ सिंह का बांदा जनपद में तबादला हो गया। इसके चलते उनके साथियों और विद्यालय परिवार ने उन्हें भावभीनी विदाई दी।

सौरभ सिंह के बांदा जनपद में तबादला होने पर विद्यालय परिवार की ओर से विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में तमाम लोग पहुंचे। सौरभ के साथी शिक्षकों और आये हुए अतिथियों ने उन्हें माला पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर उन्हें विदाई दी । विद्यालय प्रबंधक ललित कुमार शुक्ला की अगुवाई में आयोजित हुए कार्यक्रम में स्थानीय ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि विनय यादव, ग्राम प्रधान राजू सोनकर, प्रधानाचार्य दिनेश चंद्र द्विवेदी और हेमंत यादव मौजूद रहे।इस दौरान शिक्षा जगत से जुड़े विद्वानों ने अपने-अपने वक्तव्य प्रस्तुत कर सौरभ सिंह द्वारा भी विद्यालय में अपने 5 साल लंबे कार्यकाल पर प्रकाश डाला।

इस दौरान बच्चे ढोल नगाड़ों के साथ अपने प्रिय शिक्षक को मुख्य राजमार्ग तक छोड़ने गये। कार्यक्रम में प्रदीप कुमार मिश्रा, शंभू शरण शुक्ला, धर्मेंद्र सिंह, धर्मेंद्र गुप्ता के अलावा शिक्षक बृजेश कुमार पाल आदि लोग मौजूद रहे।

खेत सिंह खंगार जयंती पर पुरस्कृत किये जायेंगे मेधावी

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। खंगार क्षत्रिय महासभा द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

इस बैठक में आगामी 7 दिसम्बर को सजेती के बिहारेश्वर महादेव मन्दिर परिसर में महाराज खेत सिंह खंगार के जयंती समारोह में पहुंचने की अपील की। साथ ही बैठक में जयंती समारोह की भव्यता के लिए रूपरेखा तैयार की गई। इस बैठक में आयोजकों ने बताया कि महाराज खेत सिंह खंगार की जयंती के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश के निवाड़ी जिले में 27 से 29 दिसम्बर तक गढ़कुंडार महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 7 दिसम्बर को जयंती समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसमें समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया जायेगा।

- 7 दिसंबर को सजेती के बिहारेश्वर महादेव मंदिर में पहुंचने का किया आह्वान

इस बैठक में शिव कुमार सिंह, यशवीर सिंह, श्यामू सिंह, लालता सिंह, दीनदयाल, बलवंत, शनी, हुकुम सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। इस दौरान भारी संख्या में पहुंचने की अपील की।

ढोल नगाड़े के साथ चौकी इंचार्ज की विदाई

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर सजेती थाना क्षेत्र के कुआखेड़ा चौकी इंचार्ज कुशलवीर राठी और कांस्टेबल दिलीप कुमार का तबादला हो गया।

इस दौरान उनको विदाई देने के लिये तमाम लोग मौजूद रहे। लोगों ने दोनों लोगों को ढोल नगाड़ों के साथ माला पहना कर विदाई दी। इस दौरान वहां पर मौजूद लोग उनके कार्यकाल की चर्चा करते रहे। वहीं चौकी में आये नये चौकी इंचार्ज आनंद कुमार का सभी ने माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान अंकुश सोनी , राजू मास्टर और पप्पू सैनी , इटर्रा प्रधान राधेश्याम तिवारी ,समाचार पत्र विक्रेता संघ कार्यवाहक अध्यक्ष टिंकू बाजपेई, अभिनव अवस्थी, बरी महतैन के प्रधान राजेश काका, राधाचरण त्रिपाठी,रंजन द्विवेदी ग्राम कैथा से पंकज गुप्ता और शरीफ ,निबियाखेड़ा से नुरुल हसन, शामी, मेराज भदवारा से वसीम, बेरीपुर से धर्मेन्द्र सचान ओर आदि लोग मौजूद रहे।

चौकी इंचार्ज का माला पहनाकर स्वागत करते ग्रामीण। अमृत विचार

- कुआखेड़ा चौकी इंचार्ज कुशलवीर राठी का हुआ तबादला
- नये चौकी इंचार्ज आनंद कुमार का किया स्वागत

चेकिंग में 15 ओवरलोड व 2 बिना नंबर प्लेट वाहन सीज

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। डीएम घनश्याम मीना के निर्देशन के बाद रविवार की देर रात चले अभियान में टीम ने 15 ओवरलोड व दो बिना नंबर प्लेट के वाहन सीज करने एवं 4 ओवरलोड 7 बिना नंबर प्लेट के वाहनों का चालान करने की कार्यवाही की है।

जॉइंट टास्क फोर्स की टीम में एआरटीओ प्रवर्तन अमिताभ राय, एसडीएम केडी शर्मा, सीओ सदर राजेश कमल, माइंस ऑफिसर, पीटीओ चंदन पांडेय, माइंस इंस्पेक्टर ने ओवरलोड एवं बिना नंबर प्लेट के विरुद्ध रविवार और सोमवार की रात लालपुरा, बिवांर, मौदहा, कुरारा, चंडौत, जिटकरी क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। टीम ने बिवांर क्षेत्र में चेकिंग के डर से घुस गए दो ट्रकों को पकड़कर बिवांर थाने में सीज किया है।

इसके साथ मौदहा क्षेत्र में 11 ओवरलोड बिना रॉयल्टी के वाहन पकड़े, जिन्हें मंडी मौदहा में सीज किया। कुरारा क्षेत्र में एक ओवरलोड बिना रॉयल्टी के ट्रक पकड़ा गया। जिसे कुरारा मंडी में थाना कुरारा के अंतर्गत सीज किया। इसी प्रकार चंडौत जिटकरी क्षेत्र में चेकिंग करते हुए एक ओवरलोड वाहन से जुर्माना जमा कराया तथा दूसरे को थाना जरिया में सीज किया गया।

लंगर में जुटे लोग | मौदहा के सूफी संत हजरत शेख चांद बाबा के चार दिवसीय उर्स का हुआ समापन

फातिहा के साथ सजी कव्वाली की महफिल

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे के प्रसिद्ध सूफी संत हजरत शेख चांद बाबा रहमानी का चार दिवसीय सालाना उर्स मुबारक सोमवार को कुल की फातिहा व कव्वालियों की महफ़िल के साथ संपन्न हुआ।

सोमवार को उर्स के अंतिम दिन सुबह बाबा के आस्ताने में कुरान ख्वानी हुई। इसके बाद सुबह 10 बजे से कुल की महफ़िल सजी और दोपहर में फातिहा हुआ। इसके बाद देर शाम तक लंगर खिलाया गया।

उर्स के तीसरे दिन रात में शानदार महफ़िल-ए-सिमां का आयोजन हुआ। जिसमें कर्नाटक से आए मेहमान कव्वाल हाजी मुराद आतिश ने 'मोहम्मद के जैसा कोई नहीं' अपना सुपरहिट कलाम पढ़कर महफ़िल में चार-चांद लगा दिए। जिस पर श्रोताओं ने जमकर दाद दी। इस दौरान हजारों की संख्या में अकीदतमंदों का जनसमूह कुल की फातिहा में उपस्थित हुआ। उर्स के समापन के बाद कमेटी अध्यक्ष लतीफ अहमद उर्फ बच्चा नेता ने सभी कमेटी सदस्यों सहित मोहाल वासियों का शुक्रिया अदा किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग आए और कव्वालों की खूब हौसला अफजाई की।

कुल की फातिहा में मौजूद मौलाना और अकीदतमंद। अमृत विचार

- कर्नाटक से आए कव्वाल हाजी मुराद ने बांधा समां
- कव्वाली का आनंद लेने के लिये रात भर बैठे रहे लोग

आज शुरू होगा इटरा का 3 दिवसीय मेला सफाई के हुए इंतजाम

- सुमेरपुर। इटरा के बजरंगबली मंदिर का मेला मंगलवार से शुरू होगा। मेले में साफ-सफाई, पानी, बिजली के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा के लिए 150 पुलिसकर्मी लगाए गए हैं। आश्रम के महंत स्वामी वेदानंद सरस्वती उर्फ बलराम दास महाराज ने बताया कि मंगलवार को दिन भर दर्शन-पूजन का दौर चलेगा। बुधवार को दंगल होगा। गुरुवार को साधु-संतों की विदाई के साथ भंडारा होगा। एसओ अनूप सिंह ने बताया कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मेले में बड़ी संख्या में लोग आते हैं।

आग से लोडर में लदा सामान जला

कुरारा। क्षेत्र के सिमरा गांव के पास लोडर में लदे लिपिक के सामान में आग लग गई। दमकल दस्ते ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

रायबरेली निवासी सौरभ बाजपेई मथुरा न्यायालय से लिपिक पद पर ट्रांसफर होकर हमीरपुर न्यायालय अपना गृहस्थी का सामान लोडर में लेकर आ रहे थे। मिश्रीपुर के मजरा सिमरा में अचानक पीछे लदे सामान में आग लग गई। खरौंज निवासी लोडर चालक अखिलेश प्रजापति ने बताया कि सामान में आग लगने की जानकारी ग्रामीणों से मिली। उसने ग्रामीणों के साथ आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने आग पर काबू पाया। सौरभ बाजपेई ने बताया सामान में बाइक, इनवर्टर, एसी, सोफा, बेड, अलमारी आदि गृहस्थी का सामान था। सामान की कीमत करीब ढाई लाख रुपये थी। वह अपनी कार से पत्नी के साथ पीछे से आ रहे थे।

शताब्दी वर्ष पर 'गृह संपर्क अभियान' के तहत घर-घर जायेंगे स्वयं सेवक

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में संघ के कार्यों को घर-घर तक पहुंचाने के लिए एक वृहद 'गृह संपर्क अभियान' चलाया जाएगा। यह जानकारी स्वयं सेवक संघ की बैठक में दी गई।

बिल्हौर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यालय में इस अभियान की रूपरेखा तय करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पूर्वी क्षेत्र के प्रचारक अनिल ने बिल्हौर जिले के कई प्रमुख व्यापारियों के साथ चर्चा की। साथ ही शताब्दी वर्ष पर आयोजित होने वाले तमाम संघ के कार्य योजना पर भी विस्तार पूर्वक स्वयं सेवकों से चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने

कहाकि गृह संपर्क अभियान के दौरान हमें स्थानीय लोगों के साथ जैसे शिक्षक, अधिवक्ता, ब्यूरोक्रेट्स व अन्य दलों के नेताओं के साथ भेंट करनी है और उन्हें आरएसएस के बारे में विस्तार से बताना है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विभाग प्रचारक राहुल, जिला प्रचारक धीरेंद्र, विभाग कार्यवाह नरेश ,जिला कार्यवाह अवधेश त्रिवेदी ,विजय सिंह तोमर, जयप्रकाश कटिहार देवेंद्र सिंह कटियार ऋषि नारायण गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे। क्षेत्र प्रचारक अनिल ने ककवन खंड के करुआमऊ गांव में रात्रि प्रवास भी किया और लोगों से बातचीत की। इस दौरान खंड के तमाम स्वयं सेवक मौजूद रहे।

मुख्य चर्चा के विषय: गृह संपर्क अभियान: संघ के शताब्दी वर्ष पर चलने वाले इस अभियान के क्रियान्वयन पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

पंचशील सिद्धांत: अनिल ने शताब्दी वर्ष के परिप्रेक्ष्य में संघ के पंचशील सिद्धांत पर संबोधित किया और स्वयंसेवकों को यह अभियान किस तरह संचालित करना है, इसके बारे में मार्गदर्शन दिया।

आगामी कार्यक्रम: संघ के आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर भी चर्चा की गई।कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक व्यवसायी और संघ से जुड़े पदाधिकारी एवं स्वयंसेवक मौजूद रहे, जिन्हें अभियान की सफलता के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए।

सुविचार

व्यक्ति को हानि, पीड़ा और चिंताएं, उसकी किसी आंतरिक दुर्बलता के कारण होती हैं, उस दुर्बलता को दूर करके कामयाबी मिल सकती है।

- स्वामी रामतीर्थ

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, मंगलवार 11 नवंबर 2025

कानपुर के प्रमुख समाचार

- बढ़ रहे साइबर अपराध, करें जागरुकता से वार- II
- वंदे मातरम का विरोध देश की संस्कृति पर प्रहार- III
- विवि परिसर में 25 से विषम सेमेस्टर परीक्षाएं - IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702,
शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

शहर में आज

- जयंती : आवास विकास हंसपुरम, एमएचएम पब्लिक स्कूल में मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती सुबह 11 बजे।
- उर्स : आस्ताना खालिदिया, कलंदरिया तकिया विसातिया कर्नलगंज में उर्स खालिदी कलंदरी दोपहर एक बजे।
- कंसर्ट : लाजपत भवन मोतीझील में इनायत वरशिप कंसर्ट का आयोजन शाम को छह बजे।

सिटी ब्रीफ

अरुण पाठक के बड़े भाई का निधन

कानपुर। एमएलसी अरुण पाठक के बड़े भाई अरविंद पाठक का लम्बी बीमारी के बाद सोमवार सुबह 11 बजे गुरुग्राम में देहांत हो गया है। अरुण पाठक ने बताया कि पार्थिव शरीर वहां से शाम 6 बजे तक उनके आवास 127/239 साकेत नगर पहुंचेगा। इसके बाद यहीं से शवयात्रा मंगलवार को सुबह 9 बजे से निकलकर 10 बजे भैरोघाट पहुंचेगी।

एसआईआर में दिक्कत आए तो 1950 डायल करें

कानपुर। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) में किसी भी तरह की समस्या आए तो समाधान के लिए टोल फ्री नंबर 1950 पर संपर्क करें। जिला निर्वाचन कार्यालय, सरसैया घाट में डिस्ट्रिक्ट कॉन्टैक्ट सेंटर (डीसीसी) सक्रिय कर दिया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने कहा है कि जिन पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन कर अपना नाम सम्मिलित कराएं ताकि आगामी निर्वाचन में अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। यह विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम दिनांक 4 नवम्बर से 7 फरवरी 2026 तक विभिन्न चरणों में सम्पन्न किया जाएगा।

आज यहां गुल रहेगी बिजली

कानपुर। लाजपत नगर, काकादेव, रंजीत नगर, मोती नगर, रेवमोती व आरटीओ में सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक बिजली गुल रहेगी। लवकुशपुरम, पनकी रोड, न्यू शिवली रोड, कमला टावर, जवाहर नगर, पी-रोड, बर्रा-दो, तौदकपुर, शास्त्री नगर व विजय नगर में बिजली सुबह 10 बजे से शाम को चार बजे तक गुल रहेगी। वहीं, दयानंद विहार व मोती विहार में बिजली सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक नहीं रहेगी।

जूही का अधिकारी करेंगे निरीक्षण

कानपुर। जूही में सीवर भराव की समस्या को लेकर अधिकारी निरीक्षण करेंगे। पार्षद शालू सुनील कनौजिया ने बताया कि मंगलवार को सुबह 11 बजे मेट्रो, जलकल और जल निगम अधिकारियों का संयुक्त निरीक्षण होगा। जूही हमीरपुर रोड व जूही की अन्य समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया जायेगा।

5 डिग्री गिरा तापमान

कानपुर। शहर में ठंड ने दस्तक दे दी है। सोमवार को न्यूनतम पारे में 5.7 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। सीएसए विवि के मौसम विभाग के विशेषज्ञ डॉ.एसएन सुनील पाण्डेय ने बताया कि सोमवार को न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्सिसय दर्ज किया गया। यह सामान्य से 5.7 डिग्री सेल्सियस कम रहा। अधिकतम तापमान में भी गिरावट रही। अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से .2 डिग्री सेल्सियस कम रहा।

फर्स्ट एंड लास्ट माइल कनेक्टीविटी की सुविधा देने के लिए शहर में रूट चयनित किए गए, जल्द शुरुआत

मेट्रो 20 रूट पर चलाएगा सीएनजी वाहन, घर और स्टेशन पहुंचेंगे यात्री

अमृत विचार EXCLUSIVE

अभिषेक वर्मा, कानपुर

अमृत विचार। शहर में आईआईटी कानपुर से घंटाघर तक मेट्रो का संचालन जारी है लेकिन मेट्रो की सवारी कर रहे अधिकांश यात्रियों को मेट्रो स्टेशन तक आने-जाने व वहां से अपने गंतव्य तक पहुंचने में असुविधा हो रही है। यात्रियों की इस समस्या को देखते हुए अब मेट्रो कानपुर नगर के 20 मार्गों पर सीएनजी वाहनों को चलाएगा। फर्स्ट एड लास्ट माइल कनेक्टिविटी की सुविधा के तहत यह सीएनजी वाहन, यात्रियों को मेट्रो स्टेशन तक या वहां से बाहर निकलने के बाद उनके गंतव्य तक पहुंचाने में सहायक बनेंगे। यूपीएमआरसी के परिचालन निदेशक ने उपपरिवहन आयुक्त से रूट पर वाहनों को चलाने के लिए स्वीकृति मांगी है।

24 किमी लंबे कॉरिडोर-1 में वर्तमान में 16 किमी लंबे रूट पर आईआईटी-कानपुर सेंट्रल तक यात्री सेवाएं संचालित हो रही हैं। अगले वर्ष की शुरुआत में बचे 8 किमी. में नौबस्ता तक मेट्रो को ले जाने की तैयारी है। इसके साथ 8.6 किमी लंबे कॉरिडोर-2 में सीएसए-बर्रा-8 का निर्माण कार्य जारी है। वर्तमान में 14 स्टेशनों पर मेट्रो ट्रेन चल रही है। जिसमें 7 मेट्रो ट्रेन दिनभर 123 राउंड दौड़ रही है। मेट्रो के अधिकारियों के अनुसार मेट्रो में यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। लेकिन, इसके साथ ही उनकी समस्याओं का आंकलन भी यूपीएमआरसी ने शुरू किया है। इसमें से यात्रियों की बड़ी समस्या सामने आई है कि मेट्रो स्टेशन तक व स्टेशन से गंतव्य तक पहुंचने के लिए यात्रियों को साधन नहीं मिल रहे। यात्रियों की मांग एवं सुविधा को देखते हुए मेट्रो द्वारा सर्वेक्षण कर कानपुर नगर में 20 फीडर मार्गों की पहचान की गई है। मेट्रो द्वारा इन मार्गों पर सीएनजी वाहनों को चलाने की योजना बनाई गई है।

मेट्रो में सफर करतीं स्कूल की छात्राएं। अमृत विचार

यह होता है फर्स्ट एंड लास्ट माइल

फर्स्ट माइल और लास्ट माइल मेट्रो के संदर्भ में, वे यात्राएं हैं जो यात्रियों को उनके घर या ऑफिस से मेट्रो स्टेशन तक ले जाती हैं उन्हें फर्स्ट माइल कहते हैं और मेट्रो स्टेशन से उनके गंतव्य तक ले जाने की सुविध को लास्ट माइल कहते हैं।

मेट्रो सर्वे के बाद नए सीएनजी प्रस्तावित रूट

- आईआईटी-मंधना चौबेपुर - 15.2 किमी.
- कल्याणपुर मेट्रो स्टेशन-ब्लू वर्ल्ड-बिठूर - 15.3 किमी.
- गीता नगर-नमक फैक्ट्री कल्याणपुर चौकी पनकी पड़ाव-सचेंडी - 17.3 किमी.
- गंगा बैराज-गीता नगर-नमक फैक्ट्री, विजय नगर, जरौली फेस-2. - 15 किमी.
- एलएलआर -गोविंद नगर करहीं रोड - 8.5 किमी.
- एलएलआर-स्वरूप नगर आर्य नगर-मोतीझील - 4.5 किमी.
- नवीन मार्केट-ग्रीन पार्क-कंपनी बाग-गंगा बैराज - 7.6 किमी.
- झकरकट्टी-रामादेवी-चकेरी हवाई अड्डा - 14.5 किमी.
- नयागज लाल बगला जाजमऊ - 10 किमी
- शुक्लागंज बाईपास रोड-स्टेटस क्लब- नयागंज 6.3 किमी.
- बसंत विहार-रामादेवी चकेरी हवाई अड्डा - 15.1 किमी.
- वसंत विहार-कोयला नगर कांशीराम कोलोनी-10 किमी.
- नौबस्ता रमईपुर-बिधनू- 11 किमी.

24 किमी लंबे कॉरिडोर-1 में चल रही सेवा

14 स्टेशनों पर मेट्रो ट्रेन चल रही है अभी

20 फीडर मार्गों की पहचान की गई है

8.6 किमी लंबे कॉरिडोर-2 में निर्माण जारी

यूपीएमआरसी के परिचालन निदेशक ने उपपरिवहन आयुक्त से मांगी स्वीकृति

7 पहले, अब 13 नए मार्ग किए गए चयनित

यूपीएमआरसी के परिचालन निदेशक प्रशांत मिश्र की ओर से उप परिवहन आयुक्त कानपुर को पत्र भेजा गया है। इसमें उन्होंने बताया कि 7 रूट पहले चयनित किए गए थे, जिसपर सीएनजी वाहनों को चलाने के लिए पहले से स्वीकृत है क्योंकि यह रूट पहले से ही सीएनजी रूट के अंतर्गत आते हैं। यह रूट कानपुर मेट्रो के स्टेशनों से जुड़े हुए हैं। इसके अतिरिक्त मेट्रो ने 13 अन्य मार्गों की पहचान की है जो मेट्रो स्टेशनों के निकटवर्ती क्षेत्रों में यात्रियों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करेंगे। जिससे नगर के विभिन्न भार्गों के नागरिक मेट्रो सेवा का अधिकतम लाभ उठा सके। उन्होंने प्रस्तावित 20 रूट पर सीएनजी वाहनों की सेवाओं के संचालन की स्वीकृति मांगी है।

गर्भवती पत्नी की हत्या में पति को उम्रकैद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नवाबगंज में लव मैरिज के एक साल बाद गर्भवती पत्नी की पीट-पीटकर हत्या करने वाले पति को एडीजे-1 सुदामा प्रसाद की कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। शराब के लती युवक ने जनवरी 2020 में घटना को अंजाम दिया था। दोषी को सजा दिलाने में पड़ोसी गवाह की भूमिका अहम साबित हुई।

वादी निखिल ने नवाबगंज थाने में 11 जनवरी 2020 को रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था कि उसकी बहन मनीषा निषाद ने एक साल पहले लक्ष्मण बाग कालोनी आशीष कश्यप से लव मैरिज की थी। बहनोई आशीष शराब का लती था, जिस कारण आए दिन वह बहन के साथ मारपीट करता था। गर्भावस्था के दौरान भी आशीष की मारपीट कम नहीं हुई। जिससे तंग आकर बहन मायके रहने चली आई थी। बताया कि कुछ समय बाद आशीष ने घर आकर मां से माफी मांगकर ले गया था। इसके बाद 11 जनवरी को पीट-पीट कर उसकी हत्या कर दी। जानकारी पर वह मां ऊषा और ममेरे भाई रमन व शुभम के साथ मौके पर पहुंचे, तो देखा मनीषा का शव जमीन पर पड़ा हुआ था। मामला एडीजे-1 सुदामा प्रसाद की कोर्ट में ट्रायल पर था। एडीजीसी प्रदीप कुमार साहू ने बताया कि अभियोजन की ओर से 10 गवाह कोर्ट में पेश किए गए थे, जिसमें पड़ोसी अनुराधा गौर की गवाही अहम साबित हुई, उन्होंने बताया था कि घटना के दिन दोनों के बीच झगड़ा होते हुए सुना था। वहीं हत्यारोपी आशीष की ओर तर्क दिया गया कि पत्नी ने सुसाइड किया है और उसने दीवार तोड़ कर शव बाहर निकाला था। कोर्ट ने आरोपी पति को दोषी करार देते हुए आजीवन कैद व 25 हजार जुर्माने की सजा सुनाई है।

हत्या के प्रयास में सात साल कैद

- कानपुर। नजीराबाद में फायर झोंक कर पड़ोसी की हत्या का प्रयास करने वाले युवक को एडीजे-9 की कोर्ट ने दोषी करार देते हुए सात साल कैद व 9 हजार अर्थदंड की सजा सुनाई। मई 2009 में युवक ने घटना को अंजाम दिया था। सरोजनी नगर निवासी रामसेवक उर्फ मुन्ना सिंह 16 मई 2009 की शाम मकान की छत पर टहल रहे थे। तभी पड़ोसी प्रदीप सैनी ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। रामसेवक ने नजीराबाद थाने में प्रदीप के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने प्रदीप को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। मामला एडीजे-9 शेष बहादुर निषाद की कोर्ट में ट्रायल पर था। एडीजीसी प्रद्युम्न अवस्थी ने बताया कि प्रदीप 4 साल जेल में रह चुका था। सबूतों और गवाहों के आधार पर कोर्ट ने प्रदीप को हत्या के प्रयास का दोषी मानकर 7 साल कैद की सजा सुनाई।

नगर आयुक्त अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी नियुक्त

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य में तेजी लाने के लिए लिया फैसला
- अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने लखनऊ से जारी किया निर्देश

अमृत विचार। शहर में चल रहे एसआईआर कार्य के लिए नगर निगम के नगर आयुक्त को अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा नगर निगम एवं औद्योगिक विकास प्राधिकरण के लिए अतिरिक्त निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी चंद्रशेखर के निर्देशानुसार नगर आयुक्त की नियुक्ति के साथ ही विषयकांति पदाधिकारी लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 13सीसी के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग में प्रतिनियुक्त समझे जाएंगे। ऐसे अधिकारी इस अवधि के दौरान निर्वाचन आयोग के नियंत्रण, अधीक्षण एवं अनुशासन के अधीन होंगे। ये नियुक्ति विशेष गहन पुनरीक्षण 2025-26 की समाप्ति के पश्चात प्रभावी नहीं रहेगी।

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अपने आदेश में कानपुर नगर समेत उत्तर प्रदेश के 8 महानगरों के नगर निगम के नगर आयुक्त को अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी के दौर पर नियुक्त किया है। इनका कार्य 7 नवंबर 2025 से आरंभ हो चुका है। जारी दिशा निर्देश के अनुसार भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उक्त पत्र के माध्यम से अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के क्रम में निर्वाचकों को फार्म उपलब्ध कराना, फार्मों का सत्यापन करना, सत्यापन के पश्चात अपलोड करना, दस्तावेजों का सत्यापन एवं अपलोडिंग किये जाने संबंधी कार्यों के पर्यवेक्षण एवं संपादन में नगर आयुक्त एवं अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी की सहभागिता एवं उनकी प्रभावी भूमिका की अपरिहार्यता से अवगत कराया गया है।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

गाजियाबाद में मेगा ब्लाक से कई ट्रेनें निरस्त रहेंगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दिल्ली मंडल के गाजियाबाद यार्ड में कार्य के लिए ट्रैफिक ब्लॉक के कारण कई ट्रेनें निरस्त रहेंगी जबकि कई ट्रेनों का समय में परिवर्तन किया गया है।

गाड़ी संख्या 64102 दिल्ली -अलीगढ़ 20 दिसंबर 2025 को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या64101 अलीगढ़ -दिल्ली 21 दिसंबर 2025 को निरस्त रहेगी । गाड़ी संख्या 12451 कानपुर सेंट्रल-नई दिल्ली 20 दिसंबर को 50 मिनट लेट रहेगी। गाड़ी संख्या 12303 हावड़ा-नई दिल्ली 20 दिसंबर को 25 को 40 मिनट लेट चलेगी। गाड़ी संख्या 22437 प्रयागराज-आनंद विहार टर्मिनल 20 दिसंबर 25 को 30 मिनट देरी से चलेगी। गाड़ी संख्या 12553 सहरसा-नई दिल्ली, 20 दिसंबर 25 को 25 मिनट देरी से चलाई जाएगी।

कई ट्रेनों का समय बदलेगा

कानपुर। आसनसोल मंडल में दुर्गापुर स्टेशन पर यार्ड रिमोडलिंग कार्य के कारण गाड़ी संख्या 12304 नई दिल्ली हावड़ा एक्सप्रेस 22 नवंबर को 225 मिनट लेट चलेगी जबकि गाड़ी संख्या 12988 अजमेर सियालदह एक्सप्रेस 22 नवंबर को 290 मिनट लेट चलाई जाएगी। ये गाड़ियां जहां से चलती हैं, वहीं से लेट चलेंगी।

दिल्ली में विस्फोट के बाद कानपुर में हाईअलर्ट, जगह-जगह चेकिंग

सतर्कता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सेंट्रल स्टेशन, बस अड्डा एवं ट्रेनों व बसों में चेकिंग की गई
- शहर में विभिन्न स्थानों पर बेरीकेडिंग कर वाहनों की चेकिंग

अमृत विचार। दिल्ली में लाल किला के पास भीषण विस्फोट के बाद कानपुर को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है। ट्रेनों, बसों के अतिरिक्त रेलवे स्टेशनों, बस अड्डे व शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बेरीकेडिंग करके वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी गई है।

सोमवार रात को कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह की अगुवाई में ट्रेनों की चेकिंग की गई और स्टेशन पर लावारिस पड़े पार्सलों की चेकिंग करके उन्हें व्यवस्थित कराया गया। ट्रेनों में सामान की मेटल डिटेक्टर से चेकिंग की गई और संदिग्ध यात्रियों से भी पूछताछ हुई। इसी के साथ सभी प्लेटफार्मों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इसी प्रकार शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डे पर भी चेकिंग की गई और बसों में कई संदिग्ध यात्रियों से पूछताछ की गई। वहीं दूसरी ओर कानपुर में पुलिस प्रशासन ने सभी थाना प्रभारियों को अलर्ट किया है। भीड़ भाड़ वाले इलाकों, बाजारों, सार्वजनिक स्थानों पर संदिग्धों की चेकिंग की जा रही है। पुलिस का प्रयास है कि एक ही स्थान पर ज्यादा लोग एकत्र नहीं हों।

सेंट्रल स्टेशन पर भारी फोर्स पहुंची। अमृत विचार

लापरवाही

दीपावली से पहले ठीक करने का दावा किया गया था, अभियंताओं की अनदेखी से ठेकेदार घटिया पैचवर्क कर रहे

तमाम सड़कें अब भी टूटीं, जो बनीं वो भी उखड़ रहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में अब भी कई जगह सड़कें टूटी हुई हैं जबकि इन्हें दीपावली से पहले ठीक करने का दावा किया गया था। पैचवर्क तो हो रहा है लेकिन इस कार्य की गति ऐसी है कि कछुए को भी शर्म आ जाए। जिन सड़कों पर पैचवर्क किया जा रहा है उन पर भी गड्ढे हो जा रहे हैं क्योंकि लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं की अनदेखी की वजह से ठेकेदार घटिया पैचवर्क कर रहे हैं। ये गड्ढे लोगों को स्पाइन में दर्द की समस्या आ रही है। साथ ही गड्ढों की वजह से उड़ने वाली धूल की वजह से लोगों को श्वास संबंधी बीमारी हो रही है। सर्वोदय नगर से देवकी चौराहा और नीरछीर से डबल पुलिया तक सड़क तो खोदाई के कारण चलने लायक नहीं है। पनकी मंदिर से पनकी पड़ाव क्रासिंग की सड़क हो या नमक फैक्ट्री चौराहा से मसवानपुर होते हुए पनकी- कल्याणपुर रोड में मिलने वाली सड़क ये तो जगह- जगह गड्ढे में बदल गई है। कई जगह ऐसे गड्ढे हैं कि दो पहिया वाहन सवार उसमें पहिया आने के बाद उछलकर गिर जाते हैं।

नीरक्षीर चौराहे से डबल पुलिया रोड सालभर से खुदी पड़ी है। अमृत विचार

बदहाल मैनावती मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं। अमृत विचार

पांडु नगर गुरुद्वारा रोड पर गड्ढे ही गड्ढे हैं। अमृत विचार

विजय नगर- डबलपुलिया मार्ग

- नीरछीर चौराहा से डबलपुलिया होते हुए विजय नगर जाने वाली सड़क की स्थिति पाइप लाइन डालने के लिए की गई खोदाई की वजह से खराब है। महीनों पहले खोदाई बंद हो गई थी। सड़क को मोटरेबल किया जाना था लेकिन ठेकेदार ने गिट्टी डालकर छोड़ दिया। अब दिन भर इस सड़क पर धूल उड़ती रहती है और राहगीर लड़खड़ाते रहते हैं।

मैनावती मार्ग महीनों से बदहाल

- मैनावती मार्ग का चौड़ीकरण होना है यहां सीवर लाइन डाली जा रही है। यह सड़क महीनों से खुदी पड़ी है। हालत यह है कि कई जगहों पर तो 10 से 15 मीटर तक सड़क का नामोनिशान ही मिट गया है। बड़े- बड़े गड्ढों की वजह से हादसे आए दिन होते हैं, लेकिन पीडब्ल्यूडी इस सड़क का निर्माण इस लिए नहीं कर पा रही है क्योंकि जल निगम ने अभी तक अपने हिस्से का काम ही पूरा नहीं किया है। यहां के लोग धूल की वजह से भी परेशान हैं। इस मार्ग पर हर दिन 50 हजार से अधिक लोग गुजरते हैं लेकिन हर कोई इन गड्ढों की वजह से परेशान नजर आते हैं।

पांडु नगर गुरुद्वारा मार्ग गड्ढों में तब्दील

- नीरछीर चौराहा से पांडु नगर गुरुद्वारा होते हुए शास्त्री नगर जाने वाली सड़क की स्थिति भी बहुत ही खराब है। कई जगहों पर तो सड़क बची ही नहीं है। इतनी ही नहीं इस मार्ग से होकर पंडित श्याम बिहारी मार्ग पर जब लोग चढ़ते हैं तो यह मार्ग भी उन्हें कई जगहों पर गड्ढों में बदला हुआ मिलता है। राहगीर जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों को कोसते हुए नजर आते हैं। आसपास रहने वाले लोग अपने घरों का पानी भी श्याम बिहारी मिश्र मार्ग पर बहाते हैं परिणाम स्वरूप सड़क टूट रही है, जबकि इस मार्ग पर कोई ओवरलोडिंग भी नहीं है।

सिटी ब्रीफ

बुधवार तक पानी की नहीं होगी सप्लाई

कानपुर। बगिया क्रासिंग से केसा चौराहा के मध्य महाराणा प्रताप स्कूल के पास सीएम ग्रिड योजना के अन्तर्गत निर्मित की जा रही सड़क के लिए पाइप लाइन का डायवर्जन शुरू होगा। जिसमें चलते आज शाम से कई मोहल्लों में पानी की सप्लाई नहीं होगी। जलकल ने बताया कि कार्य के चलते 11 नवंबर की शाम और 12 की सुबह तक पानी की सप्लाई प्रभावित रहेगी। इससे सत्यम विहार जोनल पम्पिंग स्टेशन, महाबलीपुरम जोनल पम्पिंग स्टेशन एवं नन्दरानी नलकूप के माध्यम से की जाने वाली जलापूर्ति बन्द रहेगी। जिससे सत्यमविहार, सेक्टर-जे, आवास विकास योजना संख्या-3, अम्बेडकरपुर, सेक्टर-एन, आई, जे, के, एल, एम, एन एवं महाबलीपुर आदि क्षेत्र जलापूर्ति प्रभावित रहेगी।

दबंगों ने प्लाट पर कब्जा कर मांगी रंगदारी

कल्याणपुर। नोएडा निवासी विकास सचदेवा के मुताबिक विसायकपुर कछार में उनके दो आवासीय प्लाट है। जिस पर इलाके के दबंग भाई सुमित व अमित गुप्ता ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया था। उनकी शिकायत पर केडीए व जिला प्रशासन ने जांच के बाद दबंगों द्वारा प्लांट पर कराए गए अवैध निर्माण को गिरा दिया गया था। जिसके बाद दबंग सुमित व अमित अपने सहयोगी राघवेंद्र प्रताप यादव, भानु प्रताप सिंह, श्रीनाथ अग्रवाल, गिरजाशंकर व विमला अग्रवाल की मदद से प्लाट उन्हें बेचने का दबाव बनाने लगे। आरोप है कि विरोध करने पर दबंगों ने प्लॉट में निर्माण कार्य कराने के एवज में पीड़ित प्लाट मालिक से ही 50 लाख रंगदारी की मांग कर डाली। कल्याणपुर इंस्पेक्टर ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

पनकी में मिला अज्ञात युवक का शव

कानपुर। पनकी नहर में अज्ञात शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। राहगीरों ने 112 नंबर डायल कर घटना की जानकारी पुलिस को दी, पुलिस ने शव को बाहर निकाल कर शिनाख्त के प्रयास किये मगर सफलता हाथ नहीं लगी। जिसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की उम्र लगभग 20 से 25 वर्ष है। शरीर पर नीली चेकदार शर्ट व काली जींस है। सीधे हाथ पर कलावा व हाथ में मोर पंख का टैटू बना है। थाना प्रभारी पनकी मनोज भदौरिया ने बताया की शव की शिनाख्त के लिए आस पास के थानों से जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

आरपीएफ ने घर से भागे तीन बच्चों को पकड़ा

कानपुर। सेंट्रल स्टेशन पर आरपीएफ के ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के अंतर्गत तीन नाबालिग बच्चों को सुरक्षित चाइल्ड लाइन कानपुर को सुपुर्द किया गया। आरपीएफ पोस्ट प्रभारी एसएन पाटीदार ने बताया कि देर रात उपनिरीक्षक मोहम्मद असलम खान, महिला कांस्टेबल रिंकी देवी एवं रेखा देवी को प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर गश्त के दौरान एक नाबालिग लड़की मिली। पूछताछ में उसने अपना पता फारबिसगंज, जिला अररिया (बिहार) बताया। परिजनों से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि वह घर से नाराज होकर निकली थी। इसके बाद उसे महिला कांस्टेबल की देखरेख में पोस्ट पर सुरक्षित रखा गया। इसी प्रकार दो अन्य नाबालिग बालक निवासी दिल्ली गाजीपुर डेयरी फार्म हाउस को प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर पकड़ा गया।

बढ़ रहे साइबर अपराध, करें जागरुकता से वार

एचबीटीयू में नेशनल साइबर सिक्योरिटी अवेयरनेस मंथ के तहत आयोजन, डीजीपी ने भी संबोधित किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। साइबर अपराधी अब डीपफेक और एआई का इस्तेमाल करने लगे हैं। जैसे-जैसे तकनीक का विकास हो रहा है यह अपराधी भी नए-नए तरीकों का इस्तेमाल अपराध के लिए करने लगे हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि इन अपराधियों से बचाव के लिए जागरुकता को सबसे बड़ा हथियार बनाना चाहिए।

यह विचार सोमवार को एचबीटीयू सभागार में नेशनल साइबर सिक्योरिटी अवेयरनेस मंथ के तहत विशेषज्ञों व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों की ओर से व्यक्त किए गए। कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण भी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। डीजीपी ने छात्रों और व्यापारियों को साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में जागरूक रहना ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। साइबर ठग अलग-अलग तरीकों से लोगों को जाल में फंसाते हैं, इसलिए सतर्क रहना जरूरी है। डीजीपी ने कहा कि ठगी की घटनाएं होते ही तत्काल 1930 पर कॉल करें। जिससे खातों को फ्रीज कर ठगी की रकम को रिकवर कराया जा सके। उन्होंने कहा कि देश भर में अलग-अलग प्रकार के साइबर फ्रॉड हो रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि साइबर अपराधी समय-समय पर नए-नए तरीके अपनाते रहते हैं। इसलिए ट्रेनिंग बहुत जरूरी है।

कार्यक्रम में कानपुर के पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल ने बताया कि साइबर अपराध से बचने के लिए जनता को निरंतर जागरूक किया जा रहा है। मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को भी साइबर फ्रॉड से बचाव के तरीके बताए गए। यह भी बताया गया कि समय रहते 1930 पर शिकायत करने से धन वापस मिलने की संभावना बढ़ जाती है। कानपुर पुलिस ने आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर ट्रेनिंग और स्किल अपग्रेडेशन कार्यक्रम शुरू किए हैं, ताकि पुलिस और जनता दोनों साइबर अपराध से सजग रहें।

कार्यशाला में मौजूद पुलिस अफसर और नागरिक। अमृत विचार

संबोधित करते डीजीपी। अमृत विचार

यूपी, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना में ज्यादा वारदात

कानपुर। आईआईटी कानपुर के सीथ्रीआई हब के विशेषज्ञ अमन राज ने बताया कि साइबर अपराध की सबसे अधिक घटनाएं उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना में हो रही हैं। रिकार्ड के मुताबिक दुनिया भर में हर 11 सेकेंड में साइबर ठगी की एक वारदात हो रही है। भारत में हर साल 25 फीसदी मामले बढ़ते जा रहे हैं। सोशल मीडिया के मामलों में अपराध 90 प्रतिशत है। कार्यक्रम में जॉइंट पुलिस कमिश्नर (लॉ एंड आर्डर) आशुतोष कुमार और जॉइंट पुलिस कमिश्नर (हेडक्वार्टर) विनोद कुमार ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम में एचबीटीयू के इंजीनियरिंग छात्र, फैकल्टी सदस्य और शहर के कई व्यापारी शामिल हुए। पुलिस अधिकारियों ने बैंकिंग फ्रॉड, फेक लिंक, और सोशल मीडिया हैकिंग जैसी घटनाओं से बचने के उपाय भी बताए।

बैराज पर चेकिंग, 10 पॉवर बाइक कीं सीज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- स्टंटबाजी में छात्रा की मौत के बाद पुलिस ने की सख्ती

अमृत विचार। दो दिन पहले गंगा बैराज पर हादसे में छात्रा भाविका की मौत के बाद पुलिस ने स्टंटबाजों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस सोशल मीडिया (इंस्टाग्राम, फेसबुक) से तेज रफ्तार पॉवर बाइक्स से रील बनाने वालों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल के आदेश के बाद लगातार चेकिंग की जा रही है। सोमवार को एसीपी कर्नलगंज अमित चौरसिया के नेतृत्व में गंगा बैराज पर चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें 10 पॉवर बाइक्स सीज कर दी गई हैं। दरअसल गंगा बैराज पर आए दिन स्टंटबाजों की वजह से लोगों को जान गंवानी पड़ती है। एसीपी कर्नलगंज अमित चौरसिया ने बताया कि गंगा बैराज पर दोपहिया वाहन चालकों को स्टंट करते पाया गया। कोहना पुलिस ने तत्काल दस वाहनों को मौके पर सीज कर दिया और कुछ युवकों के एमवी एक्ट में चालान किये गए। कुछ लोगों को कड़ी चेतावनी देते हुए छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा, गंगा बैराज पर स्टंटबाजी रोकने के लिए इस तरह के अभियान निरंतर चलाए जाएंगे। युवाओं को जागरूक करने के साथ सख्त सन्देश दिया गया है कि स्टंटबाजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पुलिस की टीमें नहीं तलाश पाईं विजय निषाद को

भाविका की स्कूटी में विजय निषाद ने अपनी तेज रफ्तार बाइक से टक्कर मारी थी, जिसकी वजह से भाविका की मौत हो गई थी। हादसे में विजय निषाद का जबड़ा टूट गया और वह गंभीर रूप से घायल भी हो गया। पुलिस को उसका पता भी मिल गया। उसकी तमाम तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी मिलीं। तीन दिन से पुलिस की टीमें विजय निषाद की तलाश में जुटी हैं लेकिन विजय निषाद का पता नहीं लगा सकीं। डीसीपी सेंट्रल एसके सिंह का कहना है कि जल्द ही विजय निषाद की गिरफ्तारी की जाएगी।

पुलिस ने बच्ची को माता-पिता से मिलवाया। अमृत विचार

ट्रैक्टर की टक्कर से छात्र की मौत

कानपुर। महाराजपुर में तेज रफ्तार ट्रैक्टर की बाइक सवार इंटर के छात्र से आमने-सामने भिड़ंत हो गई। जोरदार भिड़ंत में छात्र की मौके पर ही मौत हो गई।

कमालपुर निवासी किसान सुरजन सिंह ने बताया कि उनके तीन बेटे भोला, शंकर (20) व शिवा हैं। शंकर सरसौल स्थित मौर्या इंटर कॉलेज में इंटर का छात्र था। बताया कि स्कूल में परीक्षाएं चल रही थी, सोमवार सुबह वह पेपर देने के लिए बाइक से स्कूल जा रहा था। वह सरसौल रोड स्थित शराब ठेके के पास पहुंचा ही था, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार टैक्ट्रर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी।

वकीलों का पैदल मार्च, पुलिस उत्पीड़न बंद हो

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए
- अधिवक्ताओं के प्रकरणों पर समन्वय समिति से जांच कराएं

अमृत विचार। अधिवक्ताओं के किसी भी प्रकरण में पहले समन्वय समिति जांच करे, उसके बाद कोई कार्रवाई की जाए। अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम को तत्काल प्रभाव से लागू करें। ये मांग करते हुए कचहरी स्थित दि लॉयर्स एसोसिएशन प्रांगण से अधिवक्ताओं ने पैदल मार्च निकाला।

अधिवक्ताओं ने पुलिस द्वारा लगातार की जा रही उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों के विरोध में पैदल मार्च किया। अधिवक्ताओं की भीड़ न्यायालय परिसर में घूमते हुए शताब्दी गेट से बड़ा चौराहा होते हुए गांधी प्रतिमा फूलबाग पहुंची जिसके बाद गांधी प्रतिमा पर प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से दिया गया।

पैदल मार्च करते अधिवक्ता। अमृत विचार

अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री से मांग की कि प्रदेश में पुलिस कमिश्नरेट को प्रदत्त दण्डाधिकारी (मजिस्ट्रेट) शक्तियों को तुरंत वापस लिया जाए। प्रदेश में जनपदस्तर पर अधिवक्ता संघ प्रशासन एवं पुलिस के आलाधिकारियों की समन्वय समितियों को सक्रिय करते हुए अधिवक्ताओं के प्रकरणों पर समन्वय समिति में विचारण के उपरान्त ही कार्यवाही की जाए।

पैदल मार्च की अगुवाई दि लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश चन्द्र वर्मा एवं महामंत्री राजीव यादव ने की। सुरेन्द्र बाजपेयी, हरि प्रसाद यादव, रामेन्द्र कटियार, नरेश चन्द्र त्रिपाठी, कपिल दीप सचान, आदित्य सिंह, सर्वेश कुशाहा, भानू भदौरिया, जितेंद्र तोमर, रवि वाजपेयी, दीपक शुक्ला आदि थे।

बच्ची के अपहरण की सूचना से मचा हड़कंप

कार्रवाई

- 100 से अधिक फुटेज खंगालने के बाद जीआरपी को मिली सफलता
- पत्नी से झगड़े के बाद पति बच्ची को लेकर चला गया था घर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सोमवार को कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर उस समय हड़कंप मच गया जब एक महिला ने अपनी 3 वर्षीय बच्ची के अपहरण होने की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम 112 नंबर पर दी। बाद में जीआरपी ने बच्ची को सकुशल उसके पिता के पास ही बरामद कर लिया।

प्रयागराज पुलिस कंट्रोल रूम 112 से जीआरपी कानपुर सेंट्रल स्टेशन को सूचना दी गई कि एक 3 वर्षीय बच्ची का अपहरण कानपुर सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 8/9 से हो गया है। उक्त सूचना मिलते ही जीआरपी टीम के साथ हाथ पांव फूल गये और आरपीएफ के सीसीटीवी कंट्रोल रूम से 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया। जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह ने बताया कि सूचना देने वाली महिला यात्री से मोबाइल पर संपर्क किया गया तो महिला ने बताया कि उसकी ससुराल कन्नौज के परतीतपुरवा में है, उसके पति राजेश राजपूत से घर पर विवाद हो गया था।

वह अपने पिता चंदर ऋषि के साथ मायके जलालगढ़ जिला पूर्णिया बिहार जाने के लिए कन्नौज ससुराल से निकलकर कानपुर सेंट्रल स्टेशन ट्रेन पकड़ने आई थी। जहां महिला ने कंट्रोल रूम 112 पर अपनी बेटी के अपहरण होने की सूचना दी। जीआरपी प्रभारी ने बताया कि बच्ची की बरामदगी के लिए पांच टीमें गठित की गईं जिसमें एक टीम को महिला की ससुराल कन्नौज भी भेजा गया। कन्नौज में महिला के पति राजेश राजपूत के पास बच्ची बरामद हो गई। बरामदगी टीम में जीआरपी टीम में उप निरीक्षक संदीप कुमार तिवारी, अखिलेश यादव, नीरज कुशवाहा, मनोज कुमार शामिल रहे।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

दीनू गैंग के हिस्ट्रीशीटर दीपक जादौन पर एक और मुकदमा

सख्ती

- प्लाट पर कब्जा कर 25 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप
- किदवई नगर थाने में पांच नामजद समेत 17 के खिलाफ रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। फर्जी दस्तावेजों के जरिये जमीन कब्जाने के आरोप में जेल में बंद दीनू उपाध्याय गैंग के सदस्य हिस्ट्रीशीटर दीपक जादौन पर किदवई नगर थाने में एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि दीपक ने साथियों के साथ मिलकर गेट का ताला तोड़ प्लाट पर कब्जा कर लिया। कब्जा छोड़ने के लिए 25 लाख रुपये मांगे। पीड़ित ने संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था एवं अपराध आशुतोष कुमार से शिकायत की थी, जिनके आदेश पर दीपक जादौन समेत 17 के खिलाफ प्लाट पर कब्जा कर रंगदारी मांगने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

जूही बंबुरहिया निवासी राजेंद्र बहादुर के मुताबिक वर्ष 2021 में किदवई नगर एच-2 ब्लाक में करीब दो सौ वर्ग गज का एक प्लाट उन्होंने सचिन कुमार से खरीदा था, जिसकी रजिस्ट्री के बाद प्लाट पर चहारदीवारी व एक कमरे का निर्माण और बाउंड्री कराई थी। आरोप है कि 17 फरवरी 2024 की रात 11 बजे किदवई नगर एम-ब्लाक निवासी राकेश गुप्ता, उसकी पत्नी सारिका, पशुपति नगर निवासी हिस्ट्रीशीटर दीपक जादौन, बाबूपुरवा के अल्तमश, शशांक तिवारी व 10-12 अज्ञात लोग उनके प्लाट पर पहुंचे और कब्जा करने की नीयत से गेट का ताला तोड़ दिया। अंदर रखी निर्माण सामग्री लोडर में भरकर गायब कर दी।

सूचना पर वह और उनका बेटा पहुंचे तो आरोपितों ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। अगले दिन वह शिकायत करके थाने लौट रहे थे, तभी राकेश गुप्ता, उसकी पत्नी सारिका, शशांक और अल्तमश ने रास्ते में रोककर पिस्टल दिखाते हुए 25 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। आरोप है कि आरोपितों ने प्लाट से जुड़े फर्जी कूटरचित दस्तावेज भी तैयार करवा रखे हैं, जिसे दिखाकर अधिकारियों को गुमराह करते हैं। पीड़ित ने संयुक्त पुलिस आयुक्त को शिकायती पत्र देकर बताया कि आरोपित एक संगठित गिरोह चलाकर लोगों की संपत्तियों पर कब्जा कर धन उगाही करता है। किदवई नगर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि प्लाट कब्जा कर रंगदारी मांगने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

अर्मापुर में इंटक नेता के बंद घर से लाखों की चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अर्मापुर के ओएफसी में जनरल फिटर और इंटक नेता के बंद घर से चोरों ने ज्वैलरी और नकदी समेत लाखों का माल पर कर दिया। इंटक नेता परिवार के साथ विधान सभा चुनाव में वोट डालने बिहार गए थे। वापस आने पर घर का सामान बिखरा पड़ा देख उन्हें घटना की जानकारी हुई। पीड़ित ने थाने में शिकायत की है।

मूलरूप से बिहार के लखी सराय गांव निवासी अनुज कुमार अर्मापुर की ओएफसी में जनरल फिटर हैं और विभाग की तरफ से दिए गए क्वार्टर में पत्नी अन्नू कुमारी और दो बच्चों के साथ रहते है। इंटक नेता अनुज कुमार कई बार यूनियन का चुनाव भी लड़ चुके हैं। अनुज कुमार ने बताया कि वह 4 नवंबर को बिहार में हो रहे विधानसभा चुनाव में वोट डालने के लिए लखी सराय गए थे, जबकि उनका परिवार 15 दिन पहले गया हुआ था। सोमवार को वह वापस लौटे तो घर के अंदर

घर में बिखरा पड़ा सामान। अमृत विचार

- किचन की खिड़की तोड़कर घर में दाखिल हुए चोर

का सामान बिखरा हुआ पड़ा था और किचन की खिड़कियां भी टूटी पड़ी थीं। अलमारी में रखे 8 हजार कैश, 30 ग्राम सोने और 250 ग्राम चांदी की ज्वैलरी गायब मिली। जिसके बाद पीड़ित ने डॉयल-112 पर पुलिस को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। अर्मापुर इंस्पेक्टर मनोज पांडेय ने बताया कि पीड़ित की ओर से तहरीर मिली है, जांच की जा रही है।

सतर्कता | संभागीय परिवहन प्रवर्तन टीम ने चलाया अभियान

बिना नंबर प्लेट के मौरंग-गिट्टी के 64 वाहनों का चालान

- पकड़े जाने और चालान से बचने के लिए नंबर प्लेट हटाकर दौड़ते हैं डंपर
- प्रत्येक वाहन पर 5000-5000 का जुर्माना लगाया गया, पांच वाहन सीज भी किए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मौरंग गिट्टी के ज्यादातर डंपरों में नंबर प्लेट नहीं होती है ताकि वह प्रवर्तन दल को आसानी से धोखा दे सकें। ऐसे वाहनों के खिलाफ संभागीय परिवहन प्रवर्तन टीम द्वारा चलाए गए चेकिंग अभियान में बिना नंबर प्लेट वाले 64 वाहनों का चालान किया गया।

मौरंग गिट्टी के ज्यादातर डंपर बिना नंबर प्लेट के चलते हैं या फिर नंबर प्लेट पर गोबर या कालिख लगाकर चलते हैं ताकि ओवरलोडिंग पर या किसी हादसे में उनका नंबर न ट्रेस हो सके। यह गोरखधंधा सालों से चल रहा है। ऐसा नहीं कि अधिकारियों को इसका पता नहीं लेकिन सब कुछ चलता है। संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव के दिशा निर्देशन में चलाये गये चेकिंग अभियान में बिना नंबर प्लेट के डंपर, ट्रकों व अन्य वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। संभागीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक वाहन पर 5000-5000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन कहकशां खातून ने बताया कि कुल 64 बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के चालान किये गये और 5 वाहनों की सीज किया गया।

यातायात नियमों की जानकारी दी

कानपुर। कान्वेंट पब्लिक स्कूल संजय गांधी नगर नौबस्ता में ट्रैफिक इंस्पेक्टर संजीव पाल ने स्कूली छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी। छात्र-छात्राओं को बताया कि यातायाता नियमों का पालन सभी को करना चाहिए। इससे हादसों में कमी लाई जा सकती है। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक अनिल पाल, प्रधानाचार्या राधा पांडे, समाज सेवक राकेश कुमार सोनी आदि मौजूद रहे।

बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों की चेकिंग करता दस्ता। अमृत विचार

उर्सला से एंबुलेस लेकर हैलट पहुंचे ईएमटी से दबंगों ने की अभद्रता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। हैलट अस्पताल में निजी एंबुलेंस वाहन चालकों की अराजकता चरम पर है, इनको यहां से हटाने में पुलिस प्रशासन सफल नहीं हो पा रहा है। रविवार को 108 एंबुलेंस चालक उर्सला अस्पताल से हैलट पहुंचा तो यहां पर पहले से मौजूद निजी एंबुलेंस चालकों ने 108 के ईएमटी लालजी से अभद्रता कर दी। आरोप है कि कॉल आने पर वह मरीज को लेकर दूसरे सरकारी अस्पताल ले जा रहा था, जो वहां पर मौजूद निजी एंबुलेंस वालों को नागवार गुजरा। निजी एंबुलेंस वालों ने ईएमटी से अभद्रता की और कॉलर पकड़कर घसीटा और मारपीट पर उतारू हो गए। पास में खड़े सुरक्षा गार्ड यह पूरा वाक्या सिर्फ देखते रहे। ईएमटी ने मामले की शिकायत अस्पताल के एक अधिकारी से की। हैलट अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ.आरके सिंह के मुताबिक मामले के संबंध में सीसीटीवी चेक किया जाएगा। मौके पर मौजूद सुरक्षा गार्ड से स्पष्टीकरण लेने के लिए उनके प्रभारी को पत्र लिखा जाएगा।

पीड़ित ईएमटी। अमृत विचार

- हैलट अस्पताल में निजी एंबुलेंस चालकों ने की गुंडई

निजी अस्पतालों में ले जाते मरीज

हैलट अस्पताल में दिनभर निजी एंबुलेंस चालकों व उनके सहयोगियों का जमावड़ा लगा रहता है, खासकर इमरजेंसी में आने व जाने वाले मरीजों पर इनकी नजर गिद्ध की तरह रहती है। कुछ निजी एंबुलेंस संचालक व चालक अपने मुनाफे के लिए हैलट इमरजेंसी और हैलट के वार्डों से मरीजों व उनके तीमारदारों को बरगलाकर अन्य निजी अस्पतालों में ले जाते हैं। जितने दिन मरीज निजी अस्तपाल में भर्ती रहते हैं, उतने ही दिन तक इनका कमीशन बनता है।

सिटी ब्रीफ

कार्ड बनाने में अव्वल सीएमओ का सम्मान

कानपुर। उत्तर प्रदेश में यूडीआईडी कार्ड बनाने में जिले को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, जिसका हर्ष मनाते हुए राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ .हरिदत्त नेमी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया। डॉ .हरिदत्त नेमी के मुताबिक यूडीआईडी कार्ड प्रदेश में सबसे अधिक कानपुर में बनाए गए है, जिसके जरिए दिव्यांगों को लाभ मिल रहा है।

पांच परिसरों में बिजली चोरी पकड़ी

कानपुर। केस्को की विजिलेंस टीम ने सोमवार को पांच परिसरों में बिजली चोरी पकड़ी। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक कर्नलगंज में शहीना, राबिया बेगम, गुलाम नबी, सगीर अहमद व राबिया बेगम को टीम ने बिजली चोरी पकड़ी। पांचों लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। बिजली चोरी न करने के लिए लोगों को जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि बिजली चोरी के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

बॉक्स खराब होने से बिजली गई

कानपुर। इस्पात नगर व नमामि गंगे फीडर की बिजली आउटडोर केबिल बॉक्स क्षतिग्रस्त होने की वजह से सोमवार सुबह 10 बजे गुल हो गई, जो दोपहर दो बजे आईं। सिविल लांइस में सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक और नगर निगम मार्केट फीडर की बिजली सुबह 11 बजे से दोपहर साढ़े तीन बजे तक गुल रही। बिजली न आने की वजह से संबंधित क्षेत्र के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

900 मीटर सड़क 27 लाख से बनेगी

कानपुर। भाजपा विधायक नीलिमा कटियार ने भैरोघाट को जाने वाली वर्षों से टूटी सड़क को आधुनिक तकनीक से बनाने कार्य का भूमि पूजन के साथ शिलान्यास किया। नीलिमा ने दावा किया कि इस तकनीक से सड़क बनने से 15 साल नहीं टूटेगी। 900 मीटर लंबी सड़क की लागत 27 लाख रुपये है। पार्षद लक्ष्मी कोरी ने बताया कि वर्षों से हजारों लोग रोज इस खटारा सड़क से निकलने को मजबूर थे। साल के अंत तक वाहन सवार फर्राटा भरेंगे।

झंडा गीत से भी हटाई गईं थीं पंक्तियां

विशेष संवाददाता,कानपुर

- अमृत विचार में छपे लेख के हवाले से बोले उपमुख्यमंत्री

अमृत विचार। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने फेथफुलगंज चौराहे पर हुई सभा में कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि राष्ट्रगीत वंदे मातरम की तरह झंडा गीत से भी कुछ बेहद महत्वपूर्ण पंक्तियां हटाई गईं थीं। पाठक सोमवार को अमृत विचार में संपादकीय पेज पर छपे लेख का उल्लेख कर रहे थे। यह जानकारी उन्हें भाजपा नेताओं की ओर से दी गई थी।

लेख लिखने वाले पत्रकार का भी जिक्र कर उन्होंने सभा में झंडागीत से भी महत्वपूर्ण अंश हटाए जाने की बात कही। गौरतलब है भाजपा ने राष्ट्रगीत से देवी स्तुति के छंद हटाए जाने पर कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए उसका विभाजनकारी एजेंडा बताया था। उल्लेखनीय है कि श्यामलाल गुप्त पार्षद जी द्वारा रचित झंडा गीत से 1924 में ही वह पंक्तियां हटा दी गई थीं, जिसमें बजरंगबली और अली का जिक्र था। आजादी के बाद कुछ पंक्तियों को अप्रासंगिक बताकर हटा दिया गया था और यह तब के कांग्रेस शीर्ष नेताओं के कहने पर पार्षद जी की सहमति से किया गया था। सभा में पाठक ने यह भी कहा कि सरदार पटेल ने भारत को एक करने का काम किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में तेजी से हर क्षेत्र में विकास हो रहा है। अब भारत आत्मनिर्भर हो रहा है। देश और प्रदेश के उत्पाद पूरी दुनिया में मशहूर हो रहे हैं।

2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य

- उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि अब 2047 तक विकसित भारत बनाना हमारा लक्ष्य है। इसके लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पूरा देश जुटा हुआ है। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक पूर्व विधायक रघुनन्दन भदौरिया और उनकी टीम ने पाठक का स्वागत किया। इस क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह, अनूप अवस्थी, विनोद सिंह आदि मौजूद रहे।

मंच से गिरे भाजपा के कार्यकर्ता

मंच पर उपमुख्यमंत्री के सामने धक्का-मुक्की करते ये भाजपा कार्यकर्ता हैं जो मंच से नीचे गिरे तो कुछ कार्यकर्ताओं को सुरक्षा गार्डो ने मंच से धकेला जिसके कारण भाजपा के आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान प्रोफेशनल सम्मेलन में अफरा तफरी मची रही। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ फोटो खिंचवाने में भाजपा कार्यकर्ता हुड़दंग करते रहे। मंच से कोई कार्यकर्ता इधर गिरा तो कोई उधर गिरा। हुड़दंगी कार्यकर्ता न तो कार्यक्रम आयोजक पूर्व विधायक रघुनन्दन भदौरिया की सुन रहे थे और न ही क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, जिला अध्यक्ष दक्षिण शिवराम सिंह और संचालक अनुराग शुक्ला की। फोटो - मनोज तिवारी

वंदे मातरम का विरोध देश की संस्कृति पर प्रहार

प्रोफेशनल मीट में शामिल होने रेलबाजार पहुंचे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, छावनी विधानसभा की एकता यात्रा में भी भाग लिया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भाजपा की ओर से आयोजित प्रोफेशनल मीट और एकता यात्रा में शामिल होने छावनी विधानसभा में पहुंचे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि वंदे मातरम गीत भारत की संस्कृति, सभ्यता और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। यह गीत भारत माता का अभिनंदन करने वाला गीत है। कुछ राजनीतिक दल केवल सस्ती लोकप्रियता और वोट बैंक की राजनीति के लिए इस पर विवाद पैदा कर रहे हैं। सपा नेता सिर्फ मुस्लिम वोट बैंक की तुष्टिकरण राजनीति के चक्कर में इसका विरोध कर रही है।

भाजपा दक्षिण जिला इकाई द्वारा होटल एमआर ग्रैंड में आयोजित प्रोफेशनल मीट में ब्रजेश पाठक ने कहा कि जो लोग वंदे मातरम का विरोध कर रहे हैं, वह देश की संस्कृति पर प्रहार कर रहे हैं। बिहार चुनाव पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि वहां एनडीए की सरकार बहुमत से बनने जा रही है। इस बार महिलाएं बड़ी संख्या में एनडीए प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान कर रही हैं। कहा कि बिहार में अब एक-एक घुसपैठिए को मतदाता सूची से बाहर किया जा रहा है और यही व्यवस्था उत्तर प्रदेश में भी लागू होने जा रही है। उत्तर प्रदेश में जो लोग बाहरी तत्वों के समर्थन में खड़े हैं और उनकी वकालत कर रहे हैं, उनकी भूमिका संदिग्ध है। समाजवादी पार्टी आज ऐसे ही लोगों का समर्थन कर रही है। अखिलेश यादव को पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए, क्योंकि जो लोग प्रदेश के नागरिकों का हक छीनने का काम कर रहे हैं, उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी। प्रदेश में ऐसे लोगों को रहने का कोई अधिकार नहीं है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने की।

प्रोफेशनल मीट को संबोधित करते ब्रजेश पाठक। अमृत विचार

रेलबाजार से निकली एकता यात्रा में शामिल हुए डिप्टी सीएम। अमृत विचार

एकता यात्रा में भी हुए शामिल, जगह-जगह स्वागत

- **कानपुर।** सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती पर छावनी विधानसभा में रेलबाजार के होटल एमआर ग्रैंड से पदयात्रा भी निकाली गई। मुख्य अतिथि ब्रजेश पाठक ने तिरंगा दिखाकर पदयात्रा का शुभारंभ किया। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल एवं दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने प्रतीक चिन्ह भेंट कर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का स्वागत किया। यात्रा की अगुवाई भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह और पूर्व विधायक रघुनंदन भदौरिया ने की। पदयात्रा में बच्चे, बूढ़े और महिलाएं सभी शामिल हुए। यात्रा फूलमती मंदिर पर समाप्त हुई। इस दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम के नाने लगे। इसके बाद समापन सभा को भी डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने संबोधित किया। पूनम द्विवेदी, सुमित तिवारी, एलबी पटेल, अनूप अवस्थी, जसविंदर सिंह, अनुराग शुक्ला, मीडिया प्रभारी मनीष त्रिपाठी, सनी जायसवाल ,ओपी आर्या, आलोक वर्मा, विनोद शुक्ला, बीएल पांडेय, बिट्टू परिहार, दीपांकर मिश्रा, विनीत दुबे, दीपू पासवान,आदि मौजूद रहे।

गरीबों को समाज में सम्मान दिलाया

ब्रजेश पाठक ने कहा कि पीएम मोदी ने गरीबों को समाज में सम्मान दिलाया है। देश और प्रदेश पीएम मोदी और सीएम योगी के हाथों में ही सुरक्षित है। भाजपा के रहते हुए ही आजादी के 100 वर्ष पूरे पर भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प पूरा होगा। भाजपा ही इकलौती ऐसी पार्टी है जहां कार्यकर्ता राजनीति के साथ ही समाज सेवा के कार्य करते हैं। ताईवान कोरिया, जापान, चीन, अमेरिका के बाद आज भारत में इलेक्ट्रॉनिक चिप बनने की शुरुआत होना पीएम मोदी के आत्म निर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में पहला कदम। उन्होंने कहा कि देश को विकसित बनाने के लिए स्वदेशी को अपनाना होगा। कार्यक्रम में पं बालचंद्र मिश्र, रघुनंदन भदौरिया, लखन ओमर, दिवाकर मिश्रा, रामदेव शुक्ला, राधेश्याम पाण्डेय, केपी चौहान, मोहित दुबे, गणेश शुक्ला, राम बहादुर यादव, गोलू शुक्ला, रीता शास्त्री , विनोद गुप्ता, राकेश तिवारी, पार्षद गोलू शुक्ला,विद्या वर्मा, अशोक पाल,लालजी समेत बड़ी संख्या में चिकित्सक, प्रोफेसर, इंजीनियर, उद्योगपति, अधिवक्ता, शिक्षक, व्यापारी, खिलाड़ी आदि शामिल रहे।

दत्तोपंत ठेंगड़ी की जयंती मनाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। राष्ट्रऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी की 105वी जयंती पर कानपुर उद्योग व्यापार मण्डल और स्वदेशी जागरण मंच ने फूल बाग चौराहे पर स्वदेशी संकल्प दिवस मनाया। स्वदेशी जागरण मंच के क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख प्रवीण मिश्र और भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय महामंत्री मुकुंद मिश्र ने कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता और ठेंगड़ी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत सह संयोजक केशव बाजपेई ने स्वदेशी संकल्प दिवस के महत्व को व्यापारी बंधुओं से जोड़ते हुए बताया कि 1991 से निरंतर देश के व्यापारी हित, अर्थतंत्र की मजबूती और अर्थव्यवस्था को मज़बूत बनाने की नींव स्वदेशी ही है। स्वदेशी शब्द नहीं विकसित भारत का मूल मंत्र है। कानपुर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुनील बजाज ने कहा कि स्वदेशी संकल्प आवश्यक है। मुख्य वक्ता

स्वदेशी संकल्प दिवस पर फूल बाग चौराहे पर कार्यक्रम किया गया।

- राष्ट्रऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी की 105वी जयंती पर मनाया स्वदेशी संकल्प दिवस

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल के अध्यक्ष मुकुंद मिश्र ने दत्तोपंत जी को याद करते हुए 1991 का वो दौर याद किया जब एक व्यक्ति ने अपने विचार को एक संगठन का रूप दिया। उन्होंने तत्कालीन सांसद बने श्याम बिहारी और दत्तोपंत जी के 34 वर्ष पुराने विमर्श को याद कराया कि कैसे दोनों ने तब ही से स्वदेशी के विचार को उद्यमिता के लिए आवश्यक मानते हुए कार्य को आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी और व्यापारियों को स्वदेशी के महत्व से ही जोड़े रखने का पूर्ण प्रयास किया। इस दौरान प्रवीण मिश्र, दिव्य मिश्रा, व्यापारी नेता सुशील गुप्ता, मनोज गुप्ता, पंकज अग्रवाल, रोहित बाजपेई, निखिल साहनी, शिव मिश्रा, सिद्धार्थ अग्रवाल आदि रहे।

एसआईआर की निगरानी को कोऑर्डिनेटर बनाए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य पर नजर रखने के लिए कांग्रेस ने प्रत्येक विधानसभा में निगरानी कमेटी गठित करने के साथ ही विधानसभा कोऑर्डिनेटरों की भी तैनाती की है। महानगर में इस अभियान के लिए आलोक मिश्रा को संयोजक/कोऑर्डिनेटर बनाया गया है।

सोमवार को महानगर कांग्रेस कमेटी की तिलक हाल में एसआईआर पर जागरूकता और सतर्कता अभियान के लिए विधानसभा कोऑर्डिनेटरों और निगरानी समिति के सदस्यों संग बैठक की जिसकी अध्यक्षता करते हुए महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि सभी को कोऑर्डिनेशन के लिए बूथ आवंटित कर दिए गए हैं। कोऑर्डिनेटर प्रतिदिन रिपोर्टिंग करेंगे जिसकी सूचना रोज लखनऊ पीसीसी भेजी जाएगी। कोऑर्डिनेटर निगरानी भी रखेंगे ताकि किसी का वोट नहीं कटे। पूर्व लोकसभा प्रत्याशी आलोक मिश्रा ने कहा कि एसआईआर के तहत सभी को फॉर्म वितरित हों और सभी की सूचना सभी बीएलओ को दे दी जाए। इस बात को कांग्रेस के विधानसभा कोऑर्डिनेटर और निगरानी समिति के कांग्रेस के बीएलए के साथ जुटकर सुनिश्चित करेंगे। किदवई नगर विधानसभा में विकास अवस्थी, आनंद शुक्ला, अमित भदौरिया। गोविंद नगर विधानसभा में प्रतिभा अटल पाल, अवनीश सलूजा, जेपी पाल, कृष्णमणि सिंह टिल्लू, प्रभात मिश्रा। छावनी विस से तौसीफ, रितेश यादव, इखलाक अहमद डेविड। आर्य नगर विस से निजामुद्दीन खां, कृपेश त्रिपाठी, अमोद त्रिपाठी और सीसामऊ विस से हर प्रकाश अग्निहोत्री, नौशाद आलम मंसूरी आदि हैं।

अभियानों और एसआईआर की समीक्षा करेंगे भाजपा नेता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग एवं भाजपा पिछड़ा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. के लक्ष्मण आज शहर में रहेंगे। दोनों वरिष्ठ नेता पार्टी के चल रहे विभिन्न अभियानों एवं मतदाता सघन पुनरीक्षण विशेष अभियान (एसआईआर) के संबंध में बैठक कर बिंदुवार समीक्षा करेंगे। समीक्षा बैठक में प्रदेश महामंत्री एवं कानपुर क्षेत्र के प्रभारी अनूप गुप्ता भी भाग लेंगे। बैठक में कानपुर महानगर उत्तर दक्षिण एवं ग्रामीण जिलों के अध्यक्ष, जिला प्रभारी, जिला प्रवासी, सांसद, विधायक, महापौर, विधान परिषद सदस्य एवं मंडल अध्यक्ष गण उपस्थित रहेंगे। सोमवार को भाजपा क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी ने बताया कि दोनों ही नेता 11 बजे क्षेत्रीय

क्षेत्रीय कार्यायल में बैठक करते प्रकाश पाल। अमृत विचार

- भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग एवं पिछड़ा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. लक्ष्मण शहर आएंगे

कार्यालय नौबस्ता में आयोजित बैठक में शामलि होंगे जिसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने सोमवार को कार्यकर्ताओं को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ल सोमवार को ही कानपुर पहुंच गए हैं और बैठक की तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा सर्किट हाउस में की है। राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग मंगलवार सुबह 10 बजे वंदे भारत एक्सप्रेस से दिल्ली से कानपुर पहुंचेंगे, वहीं, राज्यसभा सदस्य डॉ. के लक्ष्मण लखनऊ से बाय रोड कानपुर आएंगे। दोनों वरिष्ठ नेता प्रातः 11 बजे प्रस्तावित बैठक को संबोधित करेंगे।

कारोबार

जीएसटी के परिवर्तन से भी पड़ा असर, 30 फीसदी हुई ग्रोथ, टैरिफ के बाद के हालात से 40 फीसदी की गिरावट हुई थी दर्ज

एक्सपोर्ट ऑर्डर बढ़ने से पटरी पर आया मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। टैरिफ के बाद आधी क्षमता से चल रही शहर की मैन्युफैक्चरिंग युनिट्स में तेजी आ गई है। होल्ड हुए ऑर्डर रिलीज होने और नए एक्सपोर्ट ऑर्डर से प्रोडक्शन लगभग 30 फीसदी बढ़ गया है। विशेषज्ञ नए विदेशी ऑर्डर के साथ ही जीएसटी के रेट में परिवर्तन भी इसकी वजह मान रहे हैं।

शहर में लगभग 10 हजार से अधिक मैन्युफैक्चरिंग इकाइयां हैं। इनमें 20 फीसदी इकाइयां सीधेतौर पर निर्यात से जुड़ी हुई हैं। 60 फीसदी इकाइयां ऐसी हैं जो उत्पाद के विभिन्न हिस्सों से जुड़ी हुई हैं। टैरिफ लागू होने के बाद सबसे अधिक प्रभावित ऐसी इकाइयां हुई थी जो सीधेतौर पर निर्यात कारोबार से जुड़ी थीं। उधर टैरिफ के बाद उसका असर डोमेस्टिक मार्केट में भी पड़ने की वजह से शहर की भी मैन्युफैक्चरिंग युनिट्स धीमी गति से चल रही थी। यहां तक कि कई युनिट्स ऐसी भी जहां पर कुछ समय के लिए प्रोडक्शन पूरी तरह से बंद हो गया था। हालात यह हो गए थे कि स्टॉक में जमा माल भी विदेशी बाजार में उताना मुश्किल हो रहा था। नया वैश्विक बाजार मिलने से मैन्युफैक्चरिंग युनिट्स गुलजार होने की शुरुआत कर चुकी है। फीटा के महासचिव उमंग अग्रवाल ने कहा कि टैरिफ से प्रभावित बाजार सुधर रहा है।

10 हजार से अधिक मैन्युफैक्चरिंग इकाइयां

20 फीसदी इकाइयां सीधे निर्यात से जुड़ी हैं

कामगारों की संख्या बढ़ी

शहर में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में तेजी आने से युवाओं के रोजगार पर आने वाले संकट भी कम हो गया है। टैरिफ लागू होने के बाद सबसे बड़ा संकट रोजगार पर ही बताया जा रहा था। फिलहाल युनिट्स के पास ऑर्डर होने से संकट कम होने का विशेषज्ञ दावा कर रहे हैं। इसके अलावा शहर में कई नई युनिट्स भी शुरू हुई हैं। इन युनिट्स में भी नए रोजगार बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

मैन्युफैक्चरिंग युनिट्स के ग्रोथ करने की वजह जीएसटी की बदली हुई दरें हैं। ऐसी युनिट्स जो एक्सपोर्ट से सीधी जुड़ी हैं उन्हें भी नई वैश्विक बाजार के सकारात्मक रवैये से लाभ हुआ है। ओवरऑल शहर के औद्योगिक स्वरूप को इससे लाभ हुआ है। यह निरंतर जारी रखना एक चुनौती है।

-उमंग अग्रवाल, महासचिव फीटा

इस वक्त विदेश में क्रिसमस का इंतजार किया जा रहा है। विदेशी खरीदार शहर के कारोबारियों को ऑर्डर दे रहे हैं। चुनौती है कि विदेश में जल्द से जल्द ऑर्डर पूरा कर दिया जाए। ऐसे में युनिट्स में भी काम तेजी से हो रहा है। उम्मीद है कि फरवरी तक और अधिक ऑर्डर हासिल हो सकेंगे। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का फलना फूलना बेहद जरूरी है।

-मोहम्मद साकिब, उद्यमी

त्योहारी सीजन से पहले जीएसटी के बदले रेट की वजह से इस बार खरीदारी अधिक हुई। टैरिफ के चलते वैश्विक बाजार भी बदल रहा है। उस असर से शहर को भी ऑर्डर आ रहे हैं। ऐसे में मैन्युफैक्चरिंग युनिट्स में काम तेज होना सकारात्मक संकेत है। आने वाले दो से तीन महीनों में स्थिति और अधिक साफ हो सकेगी। - सुशील शर्मा, चेयरमैन इंडस्ट्री कमेटी

टैरिफ के बाद औद्योगिक क्षेत्र में स्थितियां काफी बिगड़ गई थीं। किसी को यह समझ नहीं आ रहा था कि इस स्थिति से किस तरह से उबरा जा सकेगा। फिलहाल पूरी तरह से तो स्थिति ठीक नहीं हुई है लेकिन कुछ सेक्टर में ग्रोथ देखी जा रही है इनमें मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर भी शामिल है। शहर के लिए यह बेहतर संकेत हैं।

-वैभव सारस्वत, उद्यमी

सीनियर डीईई से भेंट करते रेल यूनियन कर्मचारी। अमृत विचार

सीनियर डीईई को समस्याएं बताईं

कानपुर। शेड की समस्या जैसे रेलवे क्वार्टर, हाईटेक टूल्स, शेड की साफ सफाई, कैंटिन में मिलने वाले खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता एवं आउट पिट पर आर ओ वाटर एवं शौचालय की व्यवस्था से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। जिस पर सिनियर मंडल विद्युत अभियंता ने समस्याओं पर हर संभव प्रयास का भरोसा दिया। शाखा मंत्री योगेश मीणा, शाखा अध्यक्ष मनोज कुमार एवं उपाध्यक्ष कृपाल सिंह, कार्यसमिति सदस्य राजेश मीणा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जोनल संयुक्त मंत्री कुन्दन सिंह एवं बंशी बदन झा ने अंगवस्त्र पहना एवं पुष्प गुच्छ देकर सीनियर डीईई का अभिवादन किया।

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार 11 नवंबर 2025

सिटी ब्रीफ

सांसद–विधायक खेल स्पर्धा कल से

कानपुर। कैंट विधानसभा क्षेत्र में युवा कल्याण विभाग द्वारा 12, 13 एवं 14 नवंबर को सांसद–विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन किया जाएगा। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास अधिकारी आरती जायसवाल ने बताया कि उक्त आयोजन में कबड्डी, कुश्ती, वॉलीबॉल, फुटबॉल, जूडो, बैडमिंटन, भारोत्तोलन एवं एथलेटिक्स की प्रतियोगिताएं होंगी। ये प्रतियोगिताएं पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में होंगी तथा प्रत्येक खेल विधा में सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्गों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 12 नवम्बर है।

शहीदी दिवस पर अवकाश घोषित करें

कानपुर। उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादमी के उपाध्यक्ष एवं सिख वेलफेयर सोसायटी के प्रदेश अध्यक्ष सरदार गुरविंदर सिंह छाबड़ा विक्की ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस पर 24 नवंबर के स्थान पर 25 नवंबर को अवकाश घोषित करें।

युवा उत्सव स्थगित

कानपुर। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी आरती जायसवाल ने बताया कि युवा कल्याण विभाग द्वारा विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग के अंतर्गत जनपद स्तरीय युवा उत्सव दिनांक 12 नवम्बर तथा मण्डल स्तरीय युवा उत्सव दिनांक 13 नवम्बरको बी.एन.एस.डी. शिक्षा निकेतन, बेनाझाबर रोड में होना था। दोनों कार्यक्रम स्थगित कर दिये गये हैं।

स्वदेशी अपनाने की सीख

कानपुर। सीएसजेएमयू में सोमवार को स्टार्टअप, सस्टेनेबिलिटी और विकसित उत्तर प्रदेश की परिकल्पना विषय पर एक सेमिनार आयोजित हुआ। सेनट हॉल में हुए आयोजन में मुख्य अतिथि व वक्ता के रूप में संयुक्त निदेशक एमएसएमई विष्णु कुमार वर्मा व संयुक्त आयुक्त उद्योग सुनील कुमार ने विचार व्यक्त किए। इस दौरान कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने भारत को विकसित राष्ट्र बनने के लिए आवश्यक है कि हर आवश्यक वस्तु का उत्पादन देश में ही किया जाए।

विश्वविद्यालय परिसर में 25 से विषम सेमेस्टर परीक्षाएं

15 हजार से अधिक छात्र-छात्राएं कैंपस की परीक्षाओं में करेंगे प्रतिभाग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- विवि परिसर में संचालित 148 प्रोग्राम के 1325 पेपर कराए जाएंगे

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय परिसर के विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं 25 नवंबर से शुरू हो रही हैं। परिसर की परीक्षाएं 18 दिसम्बर तक चलेंगी। इस परीक्षा में विश्वविद्यालय परिसर के संचालित 148 प्रोग्राम के 1325 पेपर में लगभग 15 हजार से ज्यादा छात्र शामिल होंगे।

सीएसजेएमयू की ओर से बताया गया कि इस परीक्षा में प्रथम सेमेस्टर के 6 हजार, तीसरे सेमेस्टर के 4718, पांचवें सेमेस्टर के 2658, सातवें सेमेस्टर के 679, और नौवें सेमेस्टर के 58 छात्र-छात्राएं हिस्सा लेंगी। विश्वविद्यालय परिसर के परीक्षा नियंत्रक डॉ. बीपी सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर की परीक्षा को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए दूसरे विभाग के शिक्षकों को कक्ष निरीक्षक

बनाया जाएगा। इसके साथ ही परीक्षा के दौरान डीन एकेडमिक्स, परीक्षा प्रभारी और वरिष्ठ प्रोफेसर समय-समय पर औचक निरीक्षण भी करेंगे। उन्होंने कहा कि इस परीक्षा से छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री न ले कर आएं। पकड़े जाने पर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि परिसर में 19 विभागों को परीक्षा केंद्र भी बनाया गया है। पूर्व की भांति इस बार भी परीक्षाएं छात्रों के स्वविभाग में कराई जा रही हैं।

सम्बद्ध महाविद्यालयों की परीक्षाएं आज से

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर से सम्बद्ध महाविद्यालयों की विषम सेमेस्टर सत्र 2025-26 की परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो रहीं है। जिसमें 7 जिलों के परीक्षार्थी शामिल होंगे। इनमें कानपुर नगर, कानपुर देहात, उन्नाव, इटावा, औरैया, फर्रूखाबाद, कन्नौज के कुल 416840 विद्यार्थी शामिल होंगे। इस परीक्षा में 58 नोडल केन्द्र व 414 परीक्षा केन्द्र बनाए गये हैं। परीक्षाएं तीन पालियों में सम्पन्न होगी। प्रथम पाली 8:30 से 10:30, द्वितीय पाली 11:30 से 1:00 व तृतीय पाली 2:30 से 4:30 तक हैं।

बारात में जाम लगा तो बैंड और डीजे वाले जिम्मेदार

कानपुर। सहालग शुरू हो गई है। डीजे हो या बैंड हर किसी की बुकिंग हो चुकी है। बारात के दौरान जाम न लगे, इसके लिए डीसीपी ट्रैफिक रविंद्र कुमार ने बैंड और डीजे संचालकों के साथ बैठक कर उन्हें निर्देश जारी कर दिए। अस्पताल के सामने से निकलने पर कितना साउंड रखना और एंबुलेंस के निकलने पर आवाज बंद करनी है। कितनी सडक पर बैंड और बारात चलेगी और कितनी सड़क खाली रहेगी, इस संबंध में बैंड व डीजे संचालकों को बताया।

डीसीपी ने दिए ये निर्देश

- डीजे/बैंड की लाइटिंग और साउंड वाहन सड़क पर 2/3 लेन खाली छोड़कर केवल एक ही लेन (1/3) में चलेंगे, जिससे ट्रैफिक न रुके।
- बैंड संचालक/प्रबंधक अपने सभी कर्मियों को ट्रैफिक रूल्स और शासन की गाइडलाइन के संबंध में पहले से ब्रीफ कर देंगे।
- बैंड/डीजे वाहन चलते समय इमरजेंसी वाहनों (एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड, पुलिस आदि) को तुरंत रास्ता देंगे।

अपनी लकीर बड़ी करने पर ही विश्वास करना चाहिए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

विचार मंथन में मौजूद अतिथि। अमृत विचार

- मुस्कुराए कानपुर द्वारा आयोजित किया गया विचार मंथन

अमृत विचार। मुस्कुराए कानपुर द्वारा काकादेव स्थित हैप्पीनेस सेंटर पर सामाजिक जीवन जीने की कला विषय पर विचार मंथन का आयोजन किया गया। डॉ. उमेश पालीवाल ने कहा कि समाज में सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों ही व्यक्तित्व होते हैं हमें नकारात्मक व्यक्तित्व और उनकी सोच को नजर अंदाज करते हुए, दूसरों की लकीर छोटी करने की बजाय अपनी लकीर बड़ी करने पर विश्वास करना चाहिए। रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी रतन श्रीवास्तव ने कहा समाज सेवा में त्याग सबसे महत्वपूर्ण है, उन्होंने सामाजिक खुशहाली को अंतिम लक्ष्य बताया। रिटायर्ड कर्नल जाहिद सिद्दीकी ने कहा व्यवहार वही करो जो तुम्हें अपने लिए अच्छा लगे। कार्यक्रम अध्यक्षता करते हुए समाजसेवी राजेश ग्रोवर ने कहा समाज सेवा करने के लिए आपको अपने व्यवहार और विचार में बदलाव लाना होगा। संस्थापक डॉ. सिधांशु राय ने कहा कि सामाजिक कार्य में भी अपना एक विजन होना चाहिए। वरिष्ठ पत्रकार अंजनी निगम ने कहा आपके संस्कार ही आपकी पहचान हैं सामाजिक जीवन में धैर्य एवं पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक है।

वरिष्ठ होम्योपैथी चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. बीएन आचार्य ने कहा व्यवहार में संतुलन बनाए रखना चाहिए। मुस्कुराए यूपी महासचिव डॉ. कामायनी शर्मा ने परिस्थितियों को दोष न देते हुए अपना कर्म करने की सलाह दी। वरिष्ठ समाजसेवी गोपाल तुलस्यान ने प्रशंसा का लालच छोड़कर निस्वार्थ सेवा करने की भावना विकसित करने को कहा। कानपुर हेल्थ समिति सचिव डॉ. अमरनाथ कश्यप ने कहा कि अपने विचारों को दूसरों पर जबरदस्ती नहीं थोपना चाहिए। समाजसेवी अखिल त्यागी, डॉ. अनुराधा सिंह, अनिल गुप्ता, प्राचार्य. डॉ. एमके राजपूत, मनजीत ठुकराल, अमित गुप्ता, शीलू शुक्ला, डॉ. सोनम गुप्ता, शालिनी ग्रोवर आदि रहे।

सिंधीजन आक्रोशित, बघेल पर कार्रवाई हो

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते सिंधी समाज के लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। सिंधी समाज एवं भगवान श्री झूलेलाल पर अभद्र टिप्पणी करने वाले अमित बघेल पर सख्त कार्रवाई की जाए क्योंकि देश के 2 करोड़ सिंधी संप्रदाय के लोग आक्रोशित हैं।

सोमवार को भाजपा सिंधी सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अंशवानी की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह से मुलाकात की और केंद्रीय गृहमंत्री को संबोधित ज्ञापन उन्हें सौंपा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि विगत दिनों रायपुर छत्तीसगढ़ के निवासी अमित बघेल ने देश में रह रहे सिंधी समाज को पाकिस्तानी एवं भगवान श्री झूलेलाल पर अभद्र और अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल करके समाज को खंडित करने का काम किया है। आरोप लगाया गया कि पूर्व में भी बघेल अन्य वर्ग एवं महापुरुषों पर अभद्र टिप्पणी कर चुका है। अतुल अंशवानी, किशन चंद मुलानी, खूबचंद खट्टर, रामकुमार, लक्ष्मण दास आडवाणी, इंदर पमनानी, धर्मेंद्र फतवानी, आकाश अंशवानी, दौलत, राम सचदेव, अमित अंशवानी, हरीश कुमार लालवानी, कमल सहजवानी, मनीष रामानी एवं राकेश कुमार भाटिया आदि थे।

नए साल में शुरू होगा फ्लाईओवर का निर्माण

कानपुर। जरीब चौकी क्रासिंग पर नए साल से फ्लाईओवर का निर्माण शुरू होगा। फ्लाईओवर निर्माण की जद में आ रही जमीन अधिग्रहित करने के लिए लोक निर्माण विभाग भवन खंड ने संबंधित क्षेत्र का निरीक्षण कर लिया है। जमीन अधिग्रहण से पहले दर अनुमोदन के लिए फाइल शासन को भेजी गई है, स्वीकृति मिलने के बाद अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

जरीबचौकी क्रासिंग पर लगने वाले जाम से लोगों को बचाने के लिए यहां पर प्लस के आकार का फ्लाईओवर का निर्माण होना है, जिसकी स्वीकृति शासन से मिल गई है। इसकी लागत 320 करोड़ रुपये है।

आपात स्थिति से निपटने को तैयार रहें स्वयंसेवक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण देकर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने किया।

सोमवार को भारत सरकार की योजना के अंतर्गत चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में नागरिक सुरक्षा के अवैतनिक वार्डन सेवा सदस्यों/स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है जो 16 नवंबर तक चलेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि आपदा के समय नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। आप सभी समाज के ऐसे सशक्त स्तंभ हैं जो संकट की घड़ी में प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करते हैं। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं बल्कि प्रत्येक स्वयंसेवक को आत्मविश्वास और क्षमता से परिपूर्ण बनाना है ताकि वे किसी भी आपात स्थिति में सेवा कर सकें। उपनियंत्रक, नागरिक सुरक्षा, शिवराज सिंह ने प्रशिक्षण की उपयोगिता और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर नगर के विभिन्न नागरिक सुरक्षा प्रखंडों से आए लगभग 200 स्वयंसेवकों ने पंजीकरण कराया जिनमें 150 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण के लिए चयनित किया गया।

छात्रों ने किया भ्रमण

कानपुर। रक्षा एवं स्ट्रैटेजिक अध्ययन विभाग वीएसएसडी कॉलेज की ओर से सोमवार को शैक्षिक भ्रमण का आयोजन हुआ। लघु आयुध निर्माणी में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में स्नातक पंचम सेमेस्टर के सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों भ्रमण से पहले महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर बिपिन चंद्र कौशिक ने छात्रों को भ्रमण का अर्थ समझाया। भ्रमण के दौरान निर्माणी में मेक इन इंडिया के तहत नई तकनीकी लघु आयुध निर्माणी कानपुर द्वारा प्रयोग की जा रही है उनके विषय में महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। इसके बाद इस दौरान उपप्राचार्य प्रोफेसर नीरू टंडन ने छात्र-छात्राओं से शैक्षिक भ्रमण के संदर्भ में अनुभव साझा किया।

एनआरआई का पर्स चोरी, मॉल कर्मियों पर आरोप

कानपुर। कोतवाली के बड़ा चौराहा स्थित एक मॉल में परिवार संग खाना खाने आये एनआरआई का पर्स चोरी हो गया। पीड़ित ने मॉल के कर्मचारियों पर चोरी का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है।

नौबस्ता के गुलमोहर निवासी विशाल दीक्षित अपनी पत्नी पद्मनी के साथ कई सालों से जर्मनी में रह रहे है। कुछ दिन पूर्व वह पत्नी के साथ कानपुर परिजनों से मिलने आये हुए थे। बीते 7 नवम्बर की शाम को वह परिवार के साथ बड़ा चौराहा स्थित एक मॉल में खाना खाने गए हुए थे। बिल भुगतान के बाद वह अपना पर्स मेज पर भूल गए। जब वह अगले दिन मॉल गए तो इसकी जानकारी उन्होंने फ्लोर मैनेजर कमर, सहयोगी सुफियान, तारिक व सीसीटीवी कमांड के इंचार्ज इरशाद को दी। आरोप है सभी पांच घण्टे तक भ्रमित करते रहे और घटना के समय का फुटेज डिलीट कर दिया।

कला प्रदर्शनी में मौजूद अतिथि। अमृत विचार

कला कथा प्रदर्शनी हुई शुरू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। यूनाइटेड पब्लिक स्कूल सिविल लाइंस में सोमवार को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत कलाकार तरुण कोठारी और जगदीश जोशी की कलाकृतियों की प्रदर्शनी की शुरुआत हुई।

दो दिन तक चलने वाली प्रदर्शनी की शुरुआत चेयरमैन यूनाइटेड पब्लिक स्कूल डॉ इंद्रमोहन रोहतगी ने की। इस दौरान प्रदर्शनी के साथ एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं ने कलाकारी विधा से सम्बंधित अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। बताया गया कि मंगलवार को तरुण कोठारी और जगदीश जोशी का लाइव डिमांस्ट्रेशन का आयोजन सभी दर्शकों के लिए विद्यालय के प्रेक्षागार में किया जाएगा। यह प्रदर्शनी आम लोगों के लिए भी हैं।

प्रदर्शनी के पहले दिन यूनाइटेड पब्लिक स्कूल के महासचिव रोचक रोहतगी, प्रधानाचार्या ज्योति दास, कलाप्रेमी डॉ पूर्णिमा तिवारी, राधेश्याम दीक्षित, सुबोध शाह, अमित भट्ट एवं विद्यालय की शिक्षिका वरीशा अंसारी, वर्षा भार्गव और अमिता जोशी सहित अन्य मौजूद रहे।

मौसम में हो रहा बदलाव, ब्लड प्रेशर के मरीज रहें सावधान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- गर्मी में खाईं बीपी की दवाएं सर्दी में न खाएं, डॉक्टर से समायोजित करवाएं

अमृत विचार। शहर में मौसम में बदलाव हो गया है। अब सुबह और रात के वक्त सर्दी बढ़ गई है। ऐसे में सबसे सचेत रहने की जरूरत उन लोगों को हैं, जो ब्लड प्रेशर की समस्या से ग्रस्त हैं और अभी भी पुरानी निर्धारित की गई दवा की खुराक का ही सेवन कर रहे हैं। गर्मी वाली बीपी की दवा सर्दी में खाने से नुकसान हो सकता है। ऐसे में जिन मरीजों ने अभी तक दवा की डोज में बदलाव नहीं किया है, उनको तत्काल डॉक्टर से संपर्क कर दवा में बदलाव कर लेना चाहिए।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के हैलट अस्पताल व उर्सला अस्पताल में इन दिनों बीपी की समस्या ग्रस्त मरीजों की संख्या बढ़ी है। डॉक्टरों के मुताबिक मौसम में बढ़ रही सर्दी की वजह से ब्लड प्रेशर ग्रस्त मरीजों को यह तकलीफ हो रही है। खासकर उन्हें, जिन्होंने अभी तक दवा में बदलाव नहीं किया है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में मेडिसिन विभाग के प्रो.एसके गौतम ने बताया कि सर्दी में बीपी ग्रस्त मरीजों को गर्मी वाली उच्च रक्तचाप की दवा नहीं खानी चाहिए, क्योंकि सर्दियों में रक्तचाप स्वाभाविक रूप से बढ़ जाता है और गर्मी में दी जाने वाली दवाएं रक्तचाप को और भी कम कर सकती हैं। ऐसे मरीजों को डॉक्टर से सलाह लेकर सर्दियों में दवाओं की खुराक को समायोजित करवाना चाहिए। उर्सला अस्पताल के निदेशक डॉ.एचडी अग्रवाल ने बताया कि सर्दी में बीपी अनियंत्रित होना एक सामान्य समस्या है। इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए एहतियात बरतना जरूरी है। समय-समय पर बीपी मापते रहे। सर्दी में बीपी के अचानक घटने व बढ़ने का एक अहम कारण रक्त धमनियों के सिकुड़ना शामिल है।

बीपी से हार्ट फेल्योर और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा

- एलपीएस कार्डियोलॉजी में प्रोफेसर डॉ.अवधेश कुमार ने बताया कि रक्त धमनियों व हृदय पर अधिक दबाव पड़ने से बीपी बढ़ जाता है। इसके अलावा हार्ट रेट बढ़ने, हार्मोनल बदलाव, मौसम में निरंतर बदलाव, तला-भुना व अधिक नमक वाला खानपान की मात्रा अधिक होने व अधिक संवेदनशील होने से भी रक्तचाप बढ़ता है। वहीं, अधिक गुस्सा करने पर ब्रेन में एंड्रिनल हॉर्मोन का स्राव अधिक होता है। इससे ब्लड प्रेशर हाई हो जाता है। इस हॉर्मान का स्राव कम होने से बीपी लो हो जाता है। बीपी अधिक होने से हार्ट फेल्योर, हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक की समस्या हो सकती है।

खेल जगत

इंटर कॉलेजिएट बॉक्सिंग प्रतियोगिता में चमके खिलाड़ी

अभय सारोहा व गौरव विष्ट बने मुक्केबाजी में विजेता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

विजयी खिलाड़ियों को मेडल दिए गए।

विभिन्न वर्गों के विजयी खिलाड़ी। अमृत विचार

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में इंटर कॉलेजिएट बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में अभय सारोहा व गौरव विष्ट ने विजेता का खिताब जीता। प्रतियोगिता के दौरान कई खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन के दम पर वाहवाही लूटी।

कार्यक्रम की शुरुआत छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. अंशु यादव ने की। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया तथा विश्वविद्यालय में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रवण कुमार सिंह यादव, खेल सचिव निमिषा सिंह कुशवाहा, सह-प्राध्यापक डॉ. प्रभाकर पांडे, सहायक प्राध्यापक डॉ. अभिषेक मिश्रा, सहायक प्राध्यापक धर्मेन्द्र सिंह चौहान, सहायक प्राध्यापक सौरभ तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। खिलाड़ियों ने रिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपने कौशल, दमखम और खेल भावना का शानदार परिचय दिया। निर्णायक मंडल में एसपी महेश्वरी, अरुण कुमार शर्मा, वीरेन्द्र कुमार शर्मा, संजीव दीक्षित, भूजबल सिंह, हसन राजा ज़ैदी सहित अन्य ने खिलाड़ियों के खेल कौशल को परखा।

प्रतियोगिता में विजेता

- 65 किग्रा से 70 किग्रा वर्ग में अभय सारोहा, दिव्य मोदी विजेता रहे। इसी तरह 70 किग्रा से 75 किग्रा वर्ग में गौरव विष्ट व 75 किग्रा से 80 किग्रा वर्ग में प्रथम स्थान कार्तिक, द्वितीय स्थान नितिन जायसवाल व तृतीय स्थान इकेंद्र को मिला। उधर

विश्वविद्यालय बना विजेता

- सीएसजेएमय ने अंतर महाविद्यालय एथलेटिक प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय ने पुरुष वर्ग, महिला वर्ग तथा समग्र चैंपियनशिप तीनों ही श्रेणियों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय से संबद्ध लगभग तीस महाविद्यालयों के तीन सौ से अधिक छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागी खिलाड़ियों ने विभिन्न दौड़, कूद एवं फेंक संबंधी प्रतियोगिताओं में खेल कौशल दिखाया।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैने अपना नाम KRISHNA KUMAR से बदलकर KRISHNA KUMAR SINGH रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O-NRENDRAKUMAR ADD-VILL AND POST-SISAI, BELSAR DIST-GONDA-271401(U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम मनोज पंजवानी से बदलकर मनोज ग पंजवानी रख लिया है आज से मुझे मनोज ग पंजवानी ही माना जाए पुत्र गोपी चन्द पंजवानी निवासी 120/359 लाजपतनगर कानपुर

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि गोविंद कुमार पुत्र अर्जुन के पिता का नाम आधार में अर्जुन अंकित है। गोविंद के ड्राइविंग लाइसेंस में पिता का नाम अर्जुन गौतम त्रुटिवश दर्ज हो गया है। ड्राइविंग लाइसेंस यूपी 4020240006243 में अर्जुन गौतम के स्थान पर अर्जुन दर्ज किया जाए और जाना जाए। **गोविंद कुमार पुत्र अर्जुन पड़रिया नौकापुरवा सांगवा मोतीपुर बहराइच।**

न्यूज ब्रीफ

अज्ञात वाहन की टक्कर से दंपति व बच्ची घायल

नवाबगंज, अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के शुक्लागंज निवासी राकेश पुत्र जागेश्वर की बेटी अंजली कस्बा स्थित एक स्कूल में पढ़ती है। सोमवार दोपहर राकेश पत्नी रामादेवी व बेटी को लेकर बाइक से नवाबगंज आया था। जहां बाईपास पर अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे पति, पत्नी व बेटी सड़क पर गिरकर घायल हो गये। एंबुलेंस ने घायलों को नवाबगंज सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने रामादेवी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

युवक की हुई पिटाई, मां ने दर्ज कराई रिपोर्ट

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के कंचन नगर मोड़ के पास एक युवक की लाठी-डंडों से पिटाई कर दी गई। मन्शाखेड़ा निवासी रुपरानी पत्नी स्व. मैकू ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती 8 नवंबर की शाम 7:45 बजे उसका बेटा सूरज पासी कंचन नगर मोड़, गौरव गेस्ट हाउस के पास गया था। तभी सूरज मल्लाह, कौशल गौतम, कमला शंकर व बीनू ने उसे गालियां देते हुए लाठी-डंडों से पीट दिया। मारपीट के दौरान सूरज बेहोश होकर गिर पड़ा। आरोप है कि हमला करने के बाद सभी आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को इलाज के लिए ले गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एक्सप्रेस-वे पर खराब हुई निजी बस

गंजमुरादाबाद। बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर बिहार से दिल्ली जा रही एक निजी बस अचानक खराब हो गई। जिससे यात्रियों को 14 घंटे तक बिना भोजन-पानी के रहना पड़ा। बता दें कि बीती रविवार रात एक निजी बस सवारियां लेकर बिहार से दिल्ली जा रही थी। तभी देररात अचानक एक्सप्रेस-वे पर गौरिया कला के पास बस में तकनीकी खराबी आ गई। जिससे चालक ने लेन किनारे बस रोक दी और मरम्मत करने का प्रयास शुरू किया। लेकिन बस ठीक नहीं हो सकी। जिससे यात्रियों को एक्सप्रेस-वे पर पूरी रात बिना भोजन पानी के बितानी पड़ी। सोमवार सुबह मिस्त्री के आने पर दोपहर 2 बजे बस हो सकी। इस दौरान 14 घंटे तक यात्री भूख- प्यास से परेशान रहे।

पंजीकृत श्रमिकों का कराया जाए नवीनीकरण

उन्नाव। कार्यालय खंड विकास अधिकारी सिकन्दपुर कर्ण में श्रम विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इसमें जीरो पावर्टी अभियान के तहत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के नवीनीकरण व योजनाओं से लाभान्वित कराने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। खंड विकास अधिकारी सिकन्दपुर कर्ण ने इस कार्य में प्रगति लाने हेतु पंचायत सहायकों रोजगार सेवकों को निर्देशित किया। कैंप में फहद खान खंड विकास अधिकारी सिकन्दरपुर कर्ण, एसएन नागेश सहायक श्रमायुक्त, श्रम प्रवर्तन अधिकारी राधेश्याम सिंह, एडीओ पंचायत, ग्राम पंचायत व ग्राम विकास अधिकारी उपस्थित थे।

वकीलों ने खोला मोर्चा

उन्नाव। सोमवार को बार अध्यक्ष गिरीश मिश्रा के नेतृत्व में सैंकड़ों अधिवक्ता सड़क पर उतरे और तहसीलदार के विरुद्ध कार्यवाई की मांग की। इस दौरान सभी ने तहसीलदार पर भ्रष्टाचार में संलिप्त होने व लचर कार्यशैली के आरोप लगा प्रदर्शन किया। महामंत्री अनुज बाजपेयी ने कहा कि जिला प्रशासन को पहले भी इस संबंध में अभिलेखीय साक्ष्य सौंपे गए थे लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। यदि दो दिन में मांग पूरी नहीं हुई तो 13 नवंबर से अधिवक्ता जिले के सभी न्यायालयों का बहिष्कार करेंगे। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष चंद्रमूल सिंह यादव, नरेंद्र अवस्थी, मोहनलाल आदि मौजूद रहे।

कचहरी पुल के नीचे बनेगी वाहन पार्किंग

जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। शहर के कचहरी रोड पर अवैध रूप से वाहन पार्किंग होने से जाम लगने की समस्या से निपटने के लिए और सुंदरीकरण के लिए जिला प्रशासन ने रूपरेखा तैयार कर ली है। कचहरी पुल के नीचे वाहन पार्किंग का निर्माण किया जाएगा।

डीएम गौरांग राठी ने सोमवार शाम एडीएम सुशील कुमार गोंड, ईओ एसके गौतम, यातायात प्रभारी सुनील कुमार व अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। प्रशासन की योजना के अनुसार, इस नई पार्किंग व्यवस्था को तीन अलग-अलग ज़ोन में किया जाएगा। ताकि यातायात सुचारु रहे और किसी को असुविधा न हो। इसके लिए कचहरी पुल के नीचे वाहन पार्किंग बनाने की योजना है। यहां अलग-अलग तीन ज़ोन में पार्किंग बनाने की योजना है। एक ज़ोन में दोपहिया, दूसरे में चार पहिया वाहन व तीसरे में यहां मोहल्ले में रहने वाले लोगों के लिए वाहन पार्किंग बनेगी।

आंबेडकर तिराहा के पास अधिकारियों को निर्देश देते डीएम गौरांग राठी। अमृत विचार

राजमार्ग के नालों का एक्सईएन ने किया निरीक्षण

शुक्लागंज, अमृत विचार। नगर में राजधानी मार्ग पर बने ऊंचाई वाले नालों के पुनर्निर्माण को लेकर सोमवार शाम पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन व विभाग के अधिकारियों ने स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान अधिशासी अभियंता एचडी अहिरवार, सहायक अभियंता वीके श्रीवास्तव, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप पांडे और अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने नालों की संरचना, जल निकासी व्यवस्था और निर्माण की गुणवत्ता का बारीकी से जायजा लिया। ज्ञात हो कि विगत माह नगर पालिका अध्यक्षा कौमुदी पांडे ने प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी को पत्र लिखकर राजधानी मार्ग पर स्थित ऊंचाई वाले नालों के पुनर्निर्माण की मांग की थी। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नाले ऊंचाई पर बने होने से वर्षा के दौरान जल निकासी बाधित होती है और सड़क पर पानी भर जाता है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सुनिश्चित किया कि भविष्य में जल निकासी में किसी प्रकार की समस्या न हो और नागरिकों को सुगम यातायात की सुविधा मिल सके। इस संबंध में तकनीकी स्तर पर सुधार की संभावनाओं पर चर्चा की गई। वहीं, शैलश्री पैलेस के पास लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए दोनों ओर टेबल टॉप स्पीड ब्रेकर बनाए जाने का प्रस्ताव भी रखा गया। अधिशासी अभियंता एच.डी. अहिरवार ने मौके पर स्थिति की गंभीरता को समझते हुए शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण होते ही कुछ दिनों में दोनों ओर स्पीड ब्रेकर का निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

पुराने विवाद में युवक पर चाकू से किया हमला

शुक्लागंज, अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के डॉकतार कॉलोनी में रविवार देररात पुराने विवाद को लेकर एक युवक पर दबंग ने चाकू से हमला कर दिया। जिससे युवक गंभीर घायल हो गया। परिजनों ने उसे बेहोशी हालत में कानपुर के हैलट अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, डॉकतार कॉलोनी निवासी अतुल शर्मा पुत्र स्व. श्रीकृष्ण शर्मा रविवार देर रात मोहल्ले में मौजूद था। इसी दौरान पुराने विवाद को लेकर देवेन्द्र सिंह उर्फ शिवा ठाकुर वहां पहुंचा और अतुल से गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने अतुल पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में अतुल गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। शोर सुनकर परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में घायल को अस्पताल पहुंचाया। घायल के जीजा विभू शर्मा की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया है।

बिंदा नगर चौकी इंचार्ज रविशंकर पांडे ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले की गहराई से जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

स्मार्ट मीटर से मिलेगी उपभोक्ताओं को राहत

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। स्मार्ट मीटर लगने से गलत बिजली बिल, हर माह रीडिंग की झंझट, ब्याज या लेट फीस जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। साथ ही किरायेदार और मकान मालिक के बीच बिल को लेकर विवाद की स्थिति समाप्त हो जाएगी।

यह जानकारी सोमवार को सरैयां विद्युत सब स्टेशन पर आयोजित प्रेस वार्ता में बिजली विभाग के एक्सईएन भरत गौतम, एसडीओ राजेन्द्र प्रसाद, निरंजन चौधरी व जेई विजय पाल ने दी। उन्होंने बताया कि स्मार्ट प्री-पेड मीटर के फायदे बताते हुए कहा कि यह व्यवस्था उपभोक्ता सेवा में बड़ा सुधार लाएगी। एक्सईएन भरत गौतम ने बताया कि स्मार्ट मीटर के माध्यम से उपभोक्ता अपने बिजली खर्च पर स्वयं नियंत्रण कर सकेगा और घर बैठे मीटर को रिचार्ज कर पाएगा। साथ ही उपभोक्ताओं को बिजली दर पर दो प्रतिशत की छूट भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर का एक और बड़ा लाभ यह है कि भविष्य में सोलर पैनल या ईवी चार्जिंग लगाने पर मीटर बदलने की आवश्यकता नहीं होगी।

प्रेस वार्ता में जानकारी देते एक्सईएन, एसडीओ और जेई। अमृत विचार

- **गलत बिल और ब्याज से मिलेगा छुटकारा**

उन्होंने बताया कि शुक्लागंज नगर में कुल 34 हजार स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। इनमें फीडर नंबर दो, तीन, चार, पांच और शक्ति नगर में 22 हजार 700 मीटर लगाए जाने हैं, जिनमें से अब तक 35 मीटर लग चुके हैं। वहीं फीडर नंबर एक में 10 हजार 600 मीटर लगने हैं, जिनमें से 3 हजार लगाए जा चुके हैं। अंबिकापुरम क्षेत्र के 500 उपभोक्ताओं में अब तक 184 मीटर लगाए जा चुके हैं। इस क्षेत्र में शत प्रतिशत मीटर लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

अधिकारियों ने बताया कि उपभोक्ताओं में यह भ्रांति है कि स्मार्ट मीटर तेज चल रहे हैं, जबकि ऐसा नहीं है। इसको लेकर पुराने मीटर के साथ स्मार्ट मीटर लगाकर रीडिंग मिलाने का प्रदर्शन किया गया, जिससे लोगों को भरोसा दिलाया गया कि दोनों में कोई अंतर नहीं है। स्मार्ट मीटर से विभाग को फाल्ट और सप्लाई बाधित होने की तुरंत जानकारी मिल सकेगी, जिससे आपूर्ति व्यवस्था और सुचारु होगी।

सिद्धार्थनगर का विजेता ट्रॉफी पर कब्जा

उन्नाव महोत्सव

उन्नाव, अमृत विचार। शहर के जीआईसी मैदान में चल रहे उन्नाव महोत्सव के 10वें दिन एफएन फाउंडेशन के फाउंडर शादाब व चीफ पैट्रन शाकिब के संयोजन में मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स फाइट व पंजा कुश्ती का आयोजन हुआ। पांडाल के बीच बड़े से पिजड़े में देश के अलग-अलग स्थानों से आये फाइटर्स ने दम-खम दिखाकर प्रतिद्वंदी को पटकनी देकर गोल्ड मेडल जीता। इसमें करीब 200 खिलाड़ियों के बीच फाइट हुई। 30 गोल्ड मेडल प्राप्त कर सिद्दार्थ नगर की टीम ने विजेता ट्रॉफी पर कब्ज़ा किया।

वहीं 26 गोल्ड मेडल के साथ दिल्ली की टीम ने उप विजेता की ट्रॉफी हासिल की। देररात तक चली प्रतियोगिता में दर्शकों का दर्शकों ने खूब आनंद लिया। इस दौरान अपर जिला जज मनीष निगम, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, मिस्टर इंडिया अशरफ व अध्यक्ष निम्मी अरोड़ा, प्रबंधक अशोक पटेल शिवा, रामसुमेर सिंह, डॉ. मनीष सिंह सेंगर, डॉ. राजेश सिंह, प्रभारी सुख सागर पटेल, अनिल सिंह फौजी, अखिलेश अवस्थी आदि मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में फाइट करते खिलाड़ी। अमृत विचार

जी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, जीजीआईटी व डीवाई पाटिल स्कूल के बीच हुआ समझौता

उन्नाव, अमृत विचार। उत्कृष्ट शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में ज़ी कॉलेज ऑफ फार्मेसी व ग्रेट गैंगेज एजुकेशन सोसाइटी (जीजीआईटी) ने डीवाई पाटिल ग्लोबल बिजनेस स्कूल एंड रिसर्च सेंटर पुणे (मानद विश्वविद्यालय) से एक ऐतिहासिक समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह एमओयू छात्रों के लिए अकादमिक सहयोग, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, फैकल्टी एक्सचेंज कार्यक्रमों व उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण की राह खोलेगा। इससे उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार किया जा सकेगा।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने में डीवाई पाटिल ग्लोबल बिजनेस स्कूल एंड रिसर्च सेंटर पुणे से डॉ. संतोष महाजन व ममता सिंह रहीं। जी कॉलेज ऑफ फार्मेसी का प्रतिनिधित्व डॉ. पुष्पेंद्र कुमार जैन व डॉ. प्रज्ञेष पांडे व जीजीआईटी का प्रतिनिधित्व डॉ. सौरभ गुप्ता व अक्सा खालिद ने किया। ज़ी कॉलेज ऑफ फार्मेसी के चेयरमैन अनिल वर्मा ने उम्मीद जताई कि इस एमओयू के तहत अगले 3 वर्षों में कई संयुक्त परियोजनाएं शुरू होंगी। जिससे क्षेत्र में शैक्षणिक मानकों को नई ऊंचाई मिलेगी।

हस्ताक्षर युक्त प्रमाण पत्र के साथ मौजूद दोनों संस्थाओं के प्रतिनिधि। अमृत विचार

वॉलीबॉल प्रतियोगिता : रौतापुर, आसीवन, फतेहपुर चौरासी व वीरपुर ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

उन्नाव, अमृत विचार। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में सवाइन में हुई प्राइज मनी वॉलीबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच सफ़ियापुर व रौतापुर के बीच हुआ। उद्घाटन जिला क्रीड़ाधिकारी मुकेश सब्बरवाल व पूर्व विधायक कृपा शंकर सिंह के पुत्र नितिन सिंह पटेल ने किया।

आयोजन समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जहीर खान ने बताया कि क्वार्टर फाइनल मैच तक 8 मैच हुए। सेमीफाइनल में रौतापुर, आसीवन, फतेहपुर चौरासी व वीरपुर की टीम सेमी फाइनल में पहुंच चुकी हैं। सफ़ियापुर बनाम रौतापुर में विजेता रौतापुर, बहुराजमऊ बनाम स्टार क्लब में विजेता बहुराजमऊ, आसीवन बनाम बिहार में विजेता बिहार, गौरैया बनाम कूल्हा में विजेता गौरैया रहा। पहले क्वार्टर फाइनल भगवंतनगर बनाम रौतापुर में विजेता रौतापुर, दूसरे क्वार्टर फाइनल फतेहपुर चौरासी बनाम बहुराजमऊ में विजेता फतेहपुर चौरासी, तीसरे क्वार्टर फाइनल मैच आसीवन बनाम आजाद क्लब में विजेता आसीवन, चौथे क्वार्टर फाइनल मैच वीरपुर बनाम गौरैया में वीरपुर जीता रहा। निर्णायकों में आशीष पांडे, अनिल, तुषार गौरव दुबे, अभिषेक व देवेंद्र रहे। इस दौरान डॉ. अश्वनी शुक्ल, लईक खान, नितिन पटेल, ओम प्रकाश पासवान, इलियास कुवैती, अनीस मास्टर, शिव प्रसाद चौधरी, लालू खान, खालिक भाई, अंकित परिहार आदि रहे।

वॉलीबॉल खेलते खिलाड़ी। अमृत विचार

बीएलओ ड्यूटी से मना करने पर शिक्षिका का वेतन रुका

उन्नाव, अमृत विचार। विकासखंड सफीपुर के एक प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका ने बीएलओ की ड्यूटी लेने से मना कर दिया। इस पर बीएसए ने उसका वेतन रोक दिया है। निर्वाचक नामावली के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मैपिंग कराने सम्बन्धी कार्य पूर्ण करने हेतु श्वेता दीक्षित सहायक शिक्षिका प्राथमिक विद्यालय सकहन मुसलमानान विकासखण्ड सफीपुर की ड्यूटी बीएलओ के रूप में लगाई गई थी। किन्तु शिक्षिका ने मना कर दिया। इस पर बीएसए अमिता सिंह ने उसका वेतन अवरुद्ध कर दिया है। बीएसए ने कहा कि निर्वाचन जैसे कार्य में लापरवाही बरतते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना करने पर शिक्षिका के विरुद्ध कार्रवाई की गई है।

रेस्टोरेंट संचालक ने पूर्व विधायक के पुत्र से की मारपीट

उन्नाव, अमृत विचार। खाना खाते समय रेस्टोरेंट संचालक से कुछ लोगों की कहासुनी हो गई। इससे संचालक ने अपने बेटे व अन्य साथियों के साथ मारपीट की। पीड़ित की तहरीर पर पिता-पुत्र सहित अन्य पर रिपोर्ट दर्ज हुई है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के दरोगाबाग निवासी आशुतोष भारती ने बताया कि रविवार रात वह शहर के मोतीनगर स्थित एक रेस्टोरेंट में साथी शिवम वर्मा व अवनीश राजपूत के साथ खाना खाने गया था। जो खाना आया वह खराब था और उसमें दुर्गंध आ रही थी। जब इसकी शिकायत की तो संचालक पिंकी लाला भड़क गए और गाली-गलौज करने लगे। पीड़ित ने बताया कि वह भाजपा नेत्री विमला कुरील का बेटा है। पिता बाबूलाल कुरील पूर्व विधायक थे। इसके बाद संचालक ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। विरोध करने पर पिंकी ने बेटे गोपाल व अन्य साथियों के साथ मारपीट की और धारदार औजार से वार करने का भी प्रयास किया। इसमें उसके सिर में गंभीर चोट आ गई। जिला अस्पताल में उसका इलाज हुआ। कोतवाल संजीव कुशवाहा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर संचालक पिता-पुत्र व अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

- **खराब खाने की शिकायत पर हुई मारपीट, रिपोर्ट दर्ज**

गैंगस्टर एक्ट के दोषी को दो साल की सजा, 5 हजार जुर्माना

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली प्रभारी रहे सतीश गौतम की तहरीर पर पुलिस ने गैंग बनाकर अपराध करने के आरोपी मदनी नगर मोहल्ला निवासी मो. रियाज पर गैंगस्टर एक्ट में कार्यवाई की थी। मुकदमे के विवेचक तत्कालीन कोतवाली प्रभारी दिनेश चंद्र मिश्रा ने आरोपी के विरुद्ध साक्ष्य एकत्र कर 13 जनवरी 2021 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। सोमवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई में विशेष लोक अभियोजक हरीश अवस्थी, विश्वास त्रिपाठी व अलंकार द्विवेदी की दलील व साक्ष्य के आधार पर न्यायाधीश निवेदिता अस्थाना ने आरोपी को 2 साल की सजा के साथ 5 हजार जुर्माना भी लगाया है।

हर्षोल्लास | कार्तिक पूर्णिमा मेले में बच्चों ने लिया झूलों का आनंद

मेले में महिलाओं की खरीदारी से बढ़ी रौनक

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। रेलवे पुल के नीचे लगने वाले कार्तिक पूर्णिमा मेले में सोमवार को भारी भीड़ उमड़ी। मेले में सुबह से ही महिलाओं का रेला घरेलू सामान की दुकानों पर दिखाई दिया। गृहस्थी की जरूरत का सामानकृजैसे चकला, बेलन, बर्तन और अन्य घरेलू उपयोग की चीजें खरीदने के लिए महिलाएं उत्साह के साथ पहुंचीं।

बुधवार से शुरू हुए इस पारंपरिक मेले के छठवें दिन रेलवे पुल के नीचे और गंगा रेती क्षेत्र में लोगों की भीड़ देखते ही बन रही थी। दिनभर मेला परिसर में रौनक बनी रही। बच्चे छोटे और बड़े झूलों, घोड़े-हाथी के झूलों पर खूब मस्ती करते नजर आए, जबकि महिलाएं चाट, टिक्की और गोलगप्पे के स्वाद का लुत्फ उठाती दिखीं। दुकानदारों ने भी मौके का भरपूर लाभ उठाया और मनमाने दामों पर सामान बेचा, जिससे कई बार ग्राहकों और दुकानदारों के बीच कहासुनी की नौबत भी आ गई। इसके बावजूद खरीदारी का जोश कम नहीं हुआ।

मेले में चूड़ियां खरीदतीं महिलाएं। अमृत विचार

रश्मिलोक बंधा के पास मिला शव

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के रश्मिलोक बंधा के पास सोमवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सुबह टहलने निकले लोगों ने बंधा किनारे युवक का शव पड़ा देखा तो उन्होंने इसकी सूचना तत्काल गंगाघाट कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की जांच-पड़ताल की। पुलिस ने आस-पास के लोगों को बुलाकर शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो सकी। बताया गया कि मृतक की उम्र करीब 42 वर्ष के आसपास है। उसके शरीर पर महरून रंग की शर्ट, काली पैंट और काली सैंडो बनियान थी।

पालिका ने पकड़े 13 अन्ना गोवंश

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। नगर में खुलेआम घूम रहे अन्ना पशुओं से लोगों को हो रही परेशानियों को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन ने अभियान तेज कर दिया है। सोमवार सुबह पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे और अधिशासी अधिकारी मुकेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर कैटल कैचिंग दस्ते ने विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाया।

अभियान के दौरान टीम ने राजधानी मार्ग और सीताराम कॉलोनी में घूम रहे अन्ना गोवंशों को पकड़ा। इस दौरान कुल 13 गोवंश पकड़े गए, जिन्हें पालिका वाहन से गगनीखेड़ा स्थित कान्हा गौशाला में सुरक्षित रूप से भेजा गया। पालिका के अधिशासी अधिकारी ने बताया कि नगर की सड़कों और गलियों में अन्ना पशुओं की बढ़ती संख्या से यातायात बाधित हो रहा था और कई बार हादसे भी हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रतिदिन जारी रहेगा, ताकि सड़कों को अन्ना पशुओं से मुक्त किया जा सके और नगर को स्वच्छ व सुरक्षित बनाया जा सके।

अन्ना गोवंशों को पकड़ता पालिका का कैटिल कैचिंग दस्ता। अमृत विचार

अमृत विचार

मंगलवार, 11 नवंबर 2025

मूर्ख शिष्य को पढ़ाने पर, दुष्ट स्त्री के साथ जीवन बिताने पर तथा दु:खियों–रोगियों के बीच में रहने पर विद्वान व्यक्ति भी दु:खी हो ही जाता है।

– स्वामी विवेकानंद

आतंक का नया चेहरा

गुजरात एटीएस द्वारा हाल ही में उजागर की गई आतंकी साजिश देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक गंभीर चेतावनी है। प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि इस साजिश का निशाना लखनऊ स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्यालय था। यदि यह सत्य सिद्ध होता है, तो यह घटना केवल किसी संगठन पर हमला नहीं, बल्कि देश की वैचारिक और सामाजिक संरचना को अस्थिर करने की कोशिश कही जाएगी। एटीएस के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों में एक डॉक्टर शामिल है, जिसने चीन से पढ़ाई की और प्रयोगशाला में रिसिन नामक घातक जैविक जहर का परीक्षण भी किया। यह वही जहर है, जिसे लेकर अमेरिका में बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ साजिश रची गई थी। रिसिन का कोई ज्ञात एंटीडोट नहीं है और इसका प्रयोग आतंकवाद के जैविक हथियार के रूप में किया जाता है। देश में इसका निर्माण या प्रयोग हुआ होता, तो यह सबसे भीषण आतंकी घटना का रूप ले सकती थी। एटीएस के शक के मुताबिक यदि इस जहर हो प्रसाद में मिला दिया जाता, तो हजारों मौतें होतीं तथा धार्मिक सौहार्द छिन्न-भिन्न होने के अलावा वर्ग विशेष के प्रति भयानक दहशत फैल जाती। इस खुलासे के बाद लगता है कुछ कट्टरपंथी समूह पारंपरिक विस्फोटक या बंदूक की बजाय रासायनिक और जैविक हथियारों की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। आतंकवाद की शैली बदल रही है। आतंक का चेहरा साइबर, रासायनिक और वैचारिक रूप लेता जा रहा है। उत्तर प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक जैसे राज्य बीते कुछ समय से आतंकी संगठनों के निशाने पर रहे हैं। कारण है इन राज्यों की आबादी, धार्मिक-सांस्कृतिक विविधता और रणनीतिक महत्व।

पिछले कुछ वर्षों में आतंकियों की साजिशों का ग्राफ बढ़ा है, जो गृह मंत्रालय और खुफिया तंत्र की सजगता की परीक्षा है। इस घटना को विभाग की "सतर्कता में कमी" कहना उचित नहीं होगा, सरकार और सुरक्षा एजेंसियों को इस खुलासे को "एक आकस्मिक साजिश" नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की समीक्षा का अवसर मानना चाहिए। असल चुनौती तो आतंक की बदलती प्रकृति को समझने और उससे पहले कदम उठाने की है। जरूरत है कि हम विदेशी शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त संदिग्धों की व्यापक प्रोफाइलिंग करने के अलावा जैविक और रासायनिक हथियारों से जुड़ी निगरानी प्रणाली को मजबूत करें। इसके साथ धार्मिक आयोजनों और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा जांच को आधुनिक बनाने और साइबर इंटेलिजेंस नेटवर्क को पुनर्गठित करने की भी आवश्यकता है। पारंपरिक आतंक से लड़ाई में हमने अब तक उल्लेखनीय सफलता पाई है, लेकिन यह नया खतरा तकनीकी और वैचारिक दोनों स्तरों पर जटिल है। इसलिए इसे केवल पुलिस या एटीएस का विषय नहीं माना जा सकता। यह राष्ट्र की सामूहिक सतर्कता और नीतिगत तत्परता की परीक्षा है। इस बार, लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं। आरएसएस या अन्य हिंदू संगठनों की वैचारिक एवं कार्य सक्रियता इस्लामिक आतंकियों को भड़काती हैं, यह तर्क अधूरा और खतरनाक है। किसी राजनीतिक या धार्मिक मतभेद के कारण कोई समूह आतंक की राह पकड़ता है, तो वह लोकतंत्र की आत्मा को नष्ट करने का प्रयास करता है। इसका कड़ा प्रतिकार होना ही चाहिए।

प्रसंगवश

सदैव प्रासंगिक रहेंगी मौलाना आजाद की शिक्षा नीतियां

शिक्षा का मानव जीवन में विशेष महत्व है, जिसके बल पर इंसान अपने पूरे जीवन को बदल सकता है। वर्ष 2008 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 11 नवंबर को 'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस' के रूप में घोषित किया गया था, तभी से यह दिन राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में जाना जाता है, जिसका उद्देश्य सभी को शिक्षा के प्रति जागरूक करना है। यह दिन विशेषतौर पर लोगों को शिक्षा का उनके जीवन में महत्व बताने के लिए समर्पित है और भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद्, धर्मनिरपेक्षता के प्रबल समर्थक तथा स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। 11 नवंबर 1888 को मक्का में जन्मे मौलाना आजाद न केवल एक बड़े विद्वान थे, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम में भी उन्होंने विशेष योगदान दिया। मौलाना आजाद को भारत में शिक्षा के पुरोधा के रूप में स्मरण किया जाता है, जिन्होंने हमेशा शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का प्रमुख आधार माना। उनका असली नाम 'अबुल कलाम गुलाम मुहियुद्दीन' था, जिन्हें बाद में मौलाना आजाद के नाम से जाने जाना लगा। उन्होंने 'आजाद' को अपने उपनाम के तौर पर अपनाया।

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

मौलाना आजाद ने बहुत कम उम्र से ही लेखन और पत्रकारिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मक्का से भारत आने के बाद आजाद राष्ट्रीयता के विचार से प्रभावित हुए और उन्होंने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आवाज उठानी शुरू कर दी। बंगाल विभाजन के समय उन्होंने उस फैसले का कड़ा विरोध किया और राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने लगे। स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भागीदारी ने उन्हें एक स्वतंत्रता सेनानी बना दिया था, वहीं उनका पत्रकारिता के प्रति भी विशेष रूझान था। उन्होंने कई पत्रिकाओं का संपादन किया और अपने क्रांतिकारी विचारों को जन-जन तक पहुंचाया। 1912 में मौलाना आजाद ने 'अल-हिलाल' नामक एक साप्ताहिक पत्रिका शुरू की, जिसके माध्यम से उन्होंने भारतीय मुसलमानों को राष्ट्रीय आंदोलन से जोड़ने का प्रयास किया। मौलाना आजाद ने न केवल स्वयं अंग्रेजी शासन के खिलाफ पुरजोर आवाज उठाई, बल्कि हजारों लोगों को भी स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने शिक्षा नीति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौलाना आजाद एक ऐसे दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने शिक्षा को ही राष्ट्र निर्माण का आधार माना। उनकी शिक्षा नीतियां न केवल भारत के शिक्षा क्षेत्र को नया आयाम देने वाली थीं, बल्कि उन्होंने एक ऐसे समाज का सपना देखा था, जहां शिक्षा सभी के लिए सुलभ हो। इसीलिए उन्होंने प्राथमिक शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया और देश में अनेक शिक्षण संस्थानों की स्थापना की। मौलाना आजाद धर्मनिरपेक्षता के प्रबल समर्थक थे, जिनका मानना था कि सभी धर्मों का सम्मान किया जाना चाहिए और सभी को समान अधिकार मिलने चाहिए। वह एक दूरगामी सोच वाले व्यक्ति थे, जिनका उद्देश्य भारतीय कला, साहित्य और संगीत को वैश्विक पटल पर ले जाना था, जिसके लिए उनके द्वारा साहित्य अकादमी, ललित कला अकादमी और संगीत नाटक अकादमी की स्थापना की गई। मौलाना अबुल कलाम आजाद को वर्ष 1992 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया। मौलाना आजाद ने भारतीय संस्कृति और विरासत को शिक्षा का एक अभिन्न अंग माना। वह चाहते थे कि शिक्षा का लोकतंत्रीकरण हो और सभी वर्गों के लोगों तक शिक्षा पहुंच सके। उन्होंने व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष रूप से जोर दिया ताकि छात्र रोजगार के लिए तैयार हो सकें। उनके नेतृत्व में देश में कई शिक्षण संस्थान स्थापित किए गए, शिक्षा का दायरा बढ़ा और अधिक से अधिक लोगों तक शिक्षा पहुंची।

जातिवाद के जहर में डूबता हमारा समाज

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

"ना जी ना... मैं तो जाति-धर्म में विश्वास ही नहीं करता। जाति से ऊपर उठकर समाज का समुचित उत्थान ही मेरे जीवन का उद्देश्य। इंसानों की सेवा करते रहना ही मेरा मजहब। राष्ट्रप्रेम व समाज का चहुंमुखी विकास करना ही मेरा मूल चरित्र है। जात-पात की बात करना व उस पर अमल करना सिर्फ रूढ़िवादिता।" भारत में बहुतेरे ऐसे वाक्य बोलते मिल जाएंगे, लेकिन वास्तविकता यह है कि जातिवाद ने देश को पूरी तरह जकड़ लिया है।

कहने को हम 21 वीं सदी, डिजिटल व अर्वाचीन युग में हैं, लेकिन जातिवाद मुद्दे पर हम आज भी कदाचित प्राचीन युग में ही जी रहे हैं। समय के साथ हमारे देश ने तरक्की तो खूब कर ली है, लेकिन हमारा समाज आज भी जातिवाद के जहर में डूब रहा है, उतरा रहा है। गुणवत्तापरक शिक्षा जातिवाद को दूर करने में सहायक होगी। ऐसा बहुधा कहा व माना जाता है, किंतु सच्चाई यह है कि जो जितना शिक्षित वह अपने धर्म/जाति, समुदाय व समूह को लेकर उतना ही कट्टर दिख रहा है। चिंता यह है कि जातिवादी सोच हमें किस दिशा में ले जा रही है? समाज की दशा कैसी होती रही है? ऐसा नहीं कि जातिवादी जहर केवल सामान्य भारतीय में ही नफरत घोल रहा, बल्कि इसने अपने आगोश में विधायिका और सरकारी तंत्र को भी ले लिया है। गांव व कस्बे तो जातिवाद की जकड़ से छूटते नहीं दिख रहे। देश की राजनीति में तो जातिवाद विषबेल की तरह फैलती जा रही है।

देश में जाति प्रारूप सामाजिक संरचना का एक भाग था। विभिन्न जातियों के लोग अलग-अलग कार्य करते थे। अपने अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति सचेत थे, सामाजिक नियमों का पालन करते थे।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद- 15 में राज्य के द्वारा धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्म स्थान के आधार पर नागरिकों के प्रति जीवन के किसी क्षेत्र में भेदभाव नहीं किए जाने की बात करता है। नागरिकों के अधिकार, कर्तव्य व शक्तियों को भी समभाव निरुपित और परिभाषित करता है, लेकिन क्या यह वास्तविकता से परे नहीं लगने लगा है? मानवता, भाईचारा, राष्ट्रीयता, सामाजिक समरसता, आपसी सौहार्द और सहिष्णुता की व्याख्या और प्रवचन केवल कहने व कागजों पर ही सिमटी नहीं दिख रही? "तंत्र" इसे बखूबी जानते हुए भी उदासीन बना हुआ है। राजनीतिक दल जातिवाद को अपने लाभ का "मुख्य निवेश" मान बैठे हैं। दलों को चिंता ही नहीं कि जातिवाद के कुरूप होते चेहरे को कैसे सुघर बनाया जाए?

समाज को व्यवस्थति रखने में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की भूमिका अहम होती है। यही तीनों स्तंभ समाज के स्वरूप का निर्धारण करते हैं। इन्हीं तीनों में सामाजिक-आर्थिक और प्रशासनिक शक्तियां होती हैं, तो क्या कारण है कि लोकतंत्र के तीनों स्तंभ देश फल-फूल रहे जातिवाद को समाप्त करने की दिशा में ठोस प्रयास नहीं कर पा रहे हैं? ऐसे में यही समझा जाए कि "कहीं मेड़ ही तो खेत" नहीं खा रही? जातिवाद का दीमक ग्राम पंचायत चुनाव से लेकर लोकसभा चुनावों तक को खोखला कर रहा है।

अब प्रत्याशियों को टिकट मिलने का "मापक यंत्र" उसकी योग्यता नहीं वरन उसकी जाति हो गई है। जातिवाद के "हवन कुंड" में राजनीतिक दल घी, जौ, तिल, चावल, जड़ी-बूटियां, गुड़ जैसी सामग्री समर्पित कर अपना उल्लू सीधा करने में भी लगे हैं। कुछ क्षेत्रीय दल तो जातिवाद की "संजीवनी" से ही अपने को जीवित रखे हैं।

यूं तो जातिवाद पूरे भारत में नासूर बन चुका है, लेकिन यूपी और बिहार की राजनीति में यह "कैंसर" सरीखा स्वरूप ले चुका है। जातिवाद को बढ़ावा देने में बेलगाम इंटरनेट मीडिया भी प्रमुख भूमिका निभा रहा है। लाख टके का सवाल यह कि अपने को सर्वश्रेष्ठ साबित करने, वर्चस्व स्थापित करने और येन-केन-प्रकारेण त्वरित लाभ हेतु हम समाज को अधोगति की ओर क्यों ले जा रहे हैं? इसका तार्किक उत्तर हमें खोजना ही होगा, दूरगामी परिणाम देना ही होगा। देश में पनपते जातिवाद की राह में सामाजिक भेदभाव, समान अवसरों की कमी, सामाजिक एकता में विघटन, राजनीतिक लाभ व विभाजन, सांस्कृतिक पृथक्करण और सामाजिक-आर्थिक असमानताएं तो हैं, लेकिन उन्हें दूरकर सकारात्मक दिशा में बढ़ने के उपाय भी हैं।

बात करें भारत में जातिवाद पनपने के इतिहास पर, तो यहां इसकी जड़ें प्राचीन काल से ही जमी हैं। वैदिक समाज में दो वर्ण थे। पहला आर्य वर्ण और दूसरा दास वर्ण। वर्णों की व्याख्या उत्तर वैदिक काल अर्थात करीब 1000 से 500 ईसा पूर्व में हुई। पहले तीन समूह अर्थात ब्राह्मण, क्षत्रिय व वैश्य थे। शूद्रों का समावेश बाद में किया गया। भारत में सामाजिक श्रेणियों का विकास मौर्य काल (322 ईसा पूर्व से 185 ईसा पूर्व तक) में हुआ। मौर्योत्तर काल (200 ईसा पूर्व से 300 ईसवी तक) में सामंतवाद के उदय के साथ जाति व्यवस्था ने पांव फैलाए।

देश में जाति प्रारूप सामाजिक संरचना का एक भाग था। विभिन्न जातियों के लोग अलग-अलग कार्य करते थे। अपने अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति सचेत थे, सामाजिक नियमों का पालन करते थे। हालांकि समय के साथ समाज में व्यापक परिवर्तन तो हुआ, किंतु जातिवाद आज भी सामाजिक विभाजन और भेदभाव का कारण बना हुआ है। देश में सामाजिक वर्ग, श्रेणी और जातियों का होना हमें कहीं से प्रभावित नहीं करता, लेकिन इसका स्वरूप सकारात्मक होना चाहिए। डॉ. आंबेडकर और डॉ. राममनोहर लोहिया तो जातिगत भेदभाव के सर्वथा खिलाफ रहे। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी मानना है कि जातिवाद का जहर देश को बर्बाद कर रहा है, खास तौर पर गांवों को। यह आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास को भी अवरुद्ध कर रहा है। आज हमारे लोकतंत्र की मुख्य धुरी नागरिक नहीं, बल्कि जाति हो गई है। जातिवाद के चंगुल से हमें निकलना ही होगा। अन्यथा हम अपनी संतति के लिए स्वस्थ नहीं वरन बिखरा समाज ही छोड़ जाएंगे।

आमने

पहले चरण के मतदान के 4 दिन बाद भी आकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। पहले मैन्युअली उसी दिन आंकड़े सामने आते थे और आज तकनीक का जमाना है फिर भी आंकड़े क्यों छिपाए जा रहे हैं? 11 नवंबर को दूसरे चरण का मतदान है और 14 को परिणाम आएंगे, लेकिन पता ही नहीं चलेगा कि किस अनुपात में मतदान हुआ है।

– **तेजस्वी यादव**, पूर्व डिप्टी सीएम, बिहार

सामने

तेजस्वी यादव के समर्थक जनता को परेशान कर रहे हैं, क्योंकि लोग उनके पक्ष में वोट नहीं दे रहे हैं। अगर वे वोट चोरी का आरोप लगा रहे हैं, तो अदालत क्यों नहीं जाते? उनके बीच बिखराव इस बात से दिखाई देता है कि एसआईआर के मुद्दे पर पूरा महागठबंधन एक जीप पर नजर आता था, लेकिन जब से चुनाव प्रचार शुरू हुआ है, महागठबंधन एक मंच पर नहीं दिखा, तो अंदर क्या चल रहा है?

– **अरुण भारती**, एलजेपी नेता

स्टार प्रचारकों के स्ट्राइक रेट में योगी सबसे आगे

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

एनडीए के सभी बड़े स्टार प्रचारकों ने लालू यादव के पूर्व शासन को जंगलराज बताया, लेकिन यही बात जब योगी अपनी सभाओं में कहते तो उनके अंदाज से लोग जोश से भर जाते। चारा घोटाले को लेकर भी योगी खूब मुखर रहे।

बिहार विधानसभा चुनाव में इस बात को लेकर भी चर्चा है कि किस स्टार प्रचारक का स्ट्राइक रेट कैसा होगा? मतलब विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन हो या इंडिया गठबंधन, गठबंधन में शामिल अन्य दलों के स्ट्राइक रेट की चर्चा तो होती है, लेकिन स्टार प्रचारकों के स्ट्राइक रेट पर पहली बार चर्चा सुनी गई। इसका मतलब यह है कि किसी भी दल के स्टार प्रचारक ने कितने क्षेत्रों में सभाएं की और इनमें कितनी सीटें जिता पाया?

बता दें कि चुनाव में सभी दलों की स्टार प्रचारकों की लंबी सूची तय होती है। ये अपने-अपने दलों के उम्मीदवार के पक्ष में सभाएं करते हैं। सभाएं आयोजित करने में जो खर्च आता है वह पार्टी वहन करती है न कि प्रत्याशी। बिहार विधानसभा चुनाव में पहली बार देखा गया कि यूपी की समाजवादी पार्टी ने जिसका एक भी उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ रहा था, उसने भी इंडिया गठबंधन के लिए स्टार प्रचारकों को नामित किया और पूरे बिहार में जमकर प्रचार किया और सभाएं कीं। सपा के स्टार प्रचारकों में स्वयं अखिलेश यादव की सभाओं में खूब भीड़ उमड़ी। सांसद इकरा हसन ने भी इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए सभाएं कीं। निस्संदेह उनकी सभाएं भी बहुत अच्छी रहीं। इस तरह सभी दलों के स्टार प्रचारकों ने अपने-अपने दलों के उम्मीदवारों के लिए खूब सभाएं की।

रविवार को जब शाम छह बजे आखिरी चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार थमा तो स्टार प्रचारकों के स्ट्राइक रेट पर चर्चा शुरू हो गई। सभी के अपने-अपने दावे थे, लेकिन चर्चा के केंद्र बिंदु में मुख्य रूप से यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ थे। लोग पूरे आत्मविश्वास से कह रहे थे कि योगी आदित्यनाथ ने जितनी सभाएं की हैं, उसमें दो तिहाई सीटों पर एनडीए उम्मीदवार की जीत पक्की है। कुछ लोग तो यहां तक कह रहें हैं कि योगी की करीब 28 सभाओं में से 25 पर एनडीए की जीत होगी।

योगी ने बिहार विधानसभा चुनाव में करीब 28 सभाएं की। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन यानी रविवार को भी योगी आदित्यनाथ ने सीतामढ़ी, समस्तीपुर और चंपारण में एनडीए के लिए सभाएं कीं। इसके पहले वे बिहार में 24 सभाएं कर चुके थे। योगी की सभी सभाओं में भीड़ अपरंपार थी। उनकी कई सभाओं में लोग बुलडोजर लेकर पहुंचे। भीड़ में से श्रोता जोर-जोर से नारा लगाते सुने गए, बुलडोजर बाबा बिहार आओ, हम आपके साथ हैं। योगी ने अपनी हर सभाओं की शुरुआत जय श्रीराम से की। उन्होंने समूचे इंडिया गठबंधन को रामद्रोही और अपराधियों का समर्थक बताकर खूब वाहवाही लूटी। स्वर्गीय सहाबुद्दीन के बेटे ओसामा साहब के बहाने आरजेडी पर खूब निशाना साधा।

एनडीए के सभी बड़े स्टार प्रचारकों ने लालू यादव के पूर्व शासन को जंगलराज बताया, लेकिन यही बात जब योगी अपनी सभाओं में कहते तो उनके अंदाज से लोग जोश से भर जाते। चारा घोटाले को लेकर भी योगी खूब मुखर रहे। कांग्रेस को उन्होंने अपनी सभी सभाओं में छठ माता का अपमान करने वाला बताया। योगी की सभाओं में उमड़ती भीड़ देख एनडीए उम्मीदवारों में योगी की सभाओं को लेकर होड़ लग गई। सभी उम्मीदवार अपने क्षेत्रों में योगी की सभा चाहते थे। योगी आदित्यनाथ ने दरभंगा की रैली में महागठबंधन के तीन बड़े नेताओं को पप्पू, टप्पू और गप्पू कहकर उनका जो मजाक उड़ाया वह पूरे बिहार में एनडीए समर्थकों में खूब लोकप्रिय हुआ।

योगी की भाषणशैली आक्रमक रहती ही है और उनके इसी अंदाज को लोग पसंद भी करते हैं। वे लाग-लपेट वाली भाषा और भाषण दोनों से दूर रहते हैं। बिहार में उन्होंने अपनी हर सभाओं में बुलडोजर की बात की। उन्होंने कहा यह बुलडोजर ही है, जिससे अपराधी और माफिया यूपी में थर-थर कांपते हैं। बड़े माफियाओं और अपराधियों ने या तो यूपी छोड़ दी है या राम नाम सत्य हो गया है। बिहार में भी इस बार बुलडोजर चलेगा। बिहार की धरती से राम, बुद्ध और नालंदा को रेखांकित करते हुए योगी ने राम के आचरण और बुद्ध के ज्ञान तथा नालंदा के शिक्षा को भी अपने भाषणों के केंद्र में प्रमुखता से रखा, उन्होंने महिला उत्थान और आत्मरक्षा की भी बात की। योगी ने बिहार में सीतामढ़ी, परिहार, पिपरा, सिवान, वैशाली, भोजपुर, राघोपुर, मोतिहारी, पिंपरी, अत्री, रक्सौल, मोहीउद्दीन नगर, सिकटी, नरपतगंज, छातापुर, समस्तीपुर, चंपारण सहित 28 सभाओं में श्रोताओं को न केवल रोमांचित किया, उन्हें बिहार और पूरे देश में भाजपा क्यों जरूरी है, यह अच्छे से बताया भी।

योगी ने जितनी भी सभाएं बिहार विधानसभा चुनाव में की उसमें कितनी सीटें एनडीए जीत पाएगी, यह 14 को ही पता चलेगा, लेकिन चुनाव प्रचार के आखिरी दिन जब चुनाव नतीजों पर चर्चा शुरू हुई, तो इसमें यह खास था कि एनडीए सबसे बेहतर प्रदर्शन उन क्षेत्रों में करने जा रही है, जहां यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की सभा हुई। इसे स्टार प्रचारकों की स्ट्राइक रेट में सबसे बेहतर होने का दावा किया गया।

सोशल फोरम

रैली से शुरू मेरी राजनीति में जिज्ञासा का सफर

वर्ष 1966 की बात है, जब मैं साइकिल से अपनी स्कूल की तरफ जा रहा था। रास्ते में मुझे एक रैली दिखाई दी, जिसमें ज्यादातर युवा व बच्चे पूरे जोश से नारे लगा रहे थे। "अंग्रेजी हटाओ, देश बचाओ"। मेरा बाल सुलभ मन मचलने लगा। मैं भी साइकिल से उतरकर, उनके साथ-साथ अपनी स्कूल की दिशा में बढ़ते हुए, नारे लगाने लगा। इसी दौरान किसी बच्चे ने अपने हाथ का बैनर मेरी साइकिल में फंसाकर, अपनी जिम्मेदारी मुझे सौंपते हुए, वहां से रुखसत हो गया। थोड़ी दूर रैली के साथ चलकर, मैं भी अपनी साइकिल पर सवार होकर, वहां से नौ दो ग्यारह हो गया। यह मेरा राजनीति से प्रेरित प्रदर्शन से पहला साक्षात्कार था।

विजय सिंह
रुद्रपुर, उत्तराखंड

बाद में मेरी निगाह शहर के उन सारे दुकानों पर अंग्रेजी में लगे होर्डिंग आदि पर गई, जहां काले तारकोल फेर दिए गए थे। समय गुजरता गया, अब धीरे-धीरे राजनीति के इस प्रकार के हो-हुल्ला के मायने कुछ कुछ समझ में आने लगी। यद्यपि शहर के तीन-चार एमएलए और एमपी गण पिता जी मिलने घर पर आते थे, उनके बीच कुछ राजनीति की बातें भी होती थीं, परंतु इसके बावजूद भी राजनीति के प्रति लेशमात्र भी मेरी रुचि नहीं थी। कह सकता हूं कि 1973 में जब कानून की पढ़ाई करने लखनऊ यूनिवर्सिटी गया, वहां अचानक से छात्र राजनीति में रुचि लेने लगा। वो भी सिर्फ जिज्ञासा वश। इसके पीछे एकमात्र कारण, संघ से जुड़े मेरे एक रूम पार्टनर मित्र थे, जिन्हें बाद में विद्यार्थी परिषद ने विश्वविद्यालय का चुनाव लड़ाकर, अध्यक्ष भी बना दिया था।

इसी दौरान वर्ष 1975 में इमरजेंसी घोषित हो गई। नेताओं की धर पकड़ के दौरान, सौभाग्यवश मित्र अध्यक्ष जी के चक्कर में, जेल की हवा खाने से मैं बाल-बाल बचा था। आधे घंटे की पूछताछ के बाद ही, पुलिस के अधिकारियों ने जान बख्शी थी। अन्यथा आज कहीं छोटा मोटा नेता बनकर जीवन गुजर बसर करता होता। लखनऊ से पास आउट के बाद गृह जनपद में प्रवास के दौरान, देश के कई बड़े-बड़े नेताओं के सानिध्य में आने का अवसर मिला, जिनमें राजनरायन, मधुलिमये और कर्पूरी ठाकुर जैसे समाजवादी नेता, जॉर्ज फर्नांडीज जैसे ट्रेड यूनियन के नेता और नारायण दत्त जैसे विकास पुरुष वगैरह थे। हो सकता है इस कारण ही मुझ पर समाजवादी विचारधारा का अधिक प्रभाव पड़ा हो। इस जिज्ञासा की सफर में, जहां बड़ी-बड़ी पार्टियों का उत्थान और पतन का गवाह बना, वहीं जनता की मनः स्थिति समझने और परखने की कला भी सीखने को मिली। **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

उत्तराखंड: सपनों का सफर और हकीकत का सामना

उत्तराखंड 25 वर्ष का हो चुका है। उत्तराखंड युवा तो हो गया, लेकिन इसे स्वयं के पैरों पर खड़ा होने में अभी वक्त लगेगा। पलायन, कमजोर आर्थिकी, बेरोजगारी, राजनीतिक अस्थिरता जैसी चुनौतियां अब भी राज्य के समक्ष मुंह बाये खड़ी हैं। राज्य बनने के बाद जनता को उम्मीद थी कि पहाड़ का दर्द, पलायन की पीड़ा और उपेक्षा का इतिहास अब बदलेगा। मगर हुआ इसका उल्टा, विकास की गाड़ी नेताओं और अधिकारियों के महलों तक तो पहुंची, पर गांव की पगडंडियों तक नहीं। राज्य में बेरोजगारी चरम पर है, जिसके चलते पहाड़ों से पलायन बढ़ा है। इस वजह से गांव के गांव खाली हो चुके हैं, लेकिन नेताओं के पास इस सबसे निपटने का कोई स्पष्ट विजन नहीं है। राजनीतिक अस्थिरता ने विकास की रफ्तार को लगातार थामे रखा। जिस नेतृत्व से दूरदर्शिता और ईमानदारी की उम्मीद थी, वही सत्ता-सुख और पदलोलुपता की दौड़ में आगे निकल गया।

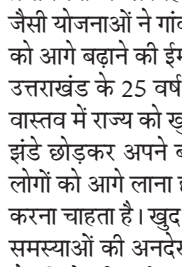

हरीश उप्रेती करन
लेखक, हल्द्वानी

सरकारी आंकड़े भले कुछ कहें, पर सच्चाई यह है कि हजारों गांव अब भी वीरान हैं। कभी जिन गांवों में शाम ढलते ही चौपालों पर हंसी गूंजती थी, वहां अब ताले और खंडहर हो चुके मकान बचे हैं। सड़कें गांवों तक अब पहुंचीं, जब कि लोग जा चुके थे। यह विडंबना नहीं तो और क्या है? राज्य में भ्रष्टाचार अब कोई छिपी हुई बात नहीं रही। मोटी तनख्वाह पाने वाले अधिकारी और कर्मचारी आए दिन विजिलेंस के जाल में फंस रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि भ्रष्ट पाए गए अफसरों को थोड़े समय बाद फिर से मलाईदार पदों पर बिठा दिया जाता है। वहीं, ईमानदार अधिकारी अक्सर छोटे संस्थानों में वनवास काटते दिखते हैं। राज्य में सड़कों का जाल जरूर बढ़ा है, पर इनकी हालत विकास का नहीं, भ्रष्टाचार का आईना है। अंग्रेजों के जमाने की सड़कें आज भी मजबूती से खड़ी हैं, जबकि नई सड़कें छह महीने भी नहीं टिक पा रहीं। ठेकेदारों, अधिकारियों और नेताओं के लिए सड़कें अब कमाई का जरिया बन चुकी हैं। नई सड़क बने तो पैसा, टूटे तो पैचवर्क या पुनर्निर्माण में फिर पैसा। इन सब निराशाओं के बावजूद उम्मीद की किरण अब भी बाकी है। आज के उत्तराखंड में जागरूकता बढ़ी है। जनता अब सवाल पूछने लगी है, सोशल मीडिया और स्थानीय आंदोलनों ने एक नई चेतना को जन्म दिया है। यह संकेत है कि अगर लोग ठान लें, तो व्यवस्था बदली जा सकती है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी योजनाओं ने गांवों को देश से जोड़ा। अब जरूरत है, उसी सोच को आगे बढ़ाने की ईमानदारी, जवाबदेही और पारदर्शिता के साथ। उत्तराखंड के 25 वर्ष जनता के लिए आत्ममंथन का समय है। यदि वास्तव में राज्य को खुशहाल बनाना है, तो अब बड़ी-बड़ी पार्टियों के झंडे छोड़कर अपने बीच के ईमानदार, कर्मशील और संवेदनशील लोगों को आगे लाना होगा। आज जिसे देखो वही अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहता है। खुद को राज्य का हितैषी बताने वाले लोग राज्य की समस्याओं की अनदेखी कर खुद की स्वार्थ सिद्धि के लिए स्वतंत्रता सेनानियों की तर्ज पर सुविधाएं मांग रहे हैं। सुविधाएं और आरक्षण अगर किसी को मिलना चाहिए, तो केवल उन लोगों के परिवारों को जो राज्य आंदोलन के दौरान शहीद हुए। ऐसे में उत्तराखंड का यह 25 वीं वर्षगांठ केवल उत्सव का नहीं, बल्कि आत्मविश्लेषण चिंतन और मनन का अवसर है। हमें यह तय करना होगा कि हम आगे भी केवल नेताओं और अफसरों का राज्य बनकर रहेंगे या जनता के राज्य की नींव रखेंगे। जहां हर गांव में रोशनी हो, हर घर में रोजगार हो और हर उत्तराखंडी को अपने पहाड़ पर गर्व से जीने का अवसर मिले।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

कथा श्रवण

भक्ति-साधना का मुख्य साधन

साधना के अनेक मार्ग हैं, परंतु जो मार्ग सबसे सरल, सहज और हृदयस्पर्शी है- वह है श्रवण-भक्ति। भक्ति के दो प्रमुख स्तंभ माने गए हैं- भजन और श्रवण। भजन आत्मा का गीत है और श्रवण उस गीत की प्रतिध्वनि। भजन में हृदय बोलता है और श्रवण में हृदय सुनता है। भजन करने के भी कई विधान हैं। यदि आपने गुरु धारण किया है, तो हरेक गुरु अपने शिष्य को भजन करने का भिन्न-भिन्न तरीका बताता है। यह तो सर्वविदित है कि भजन केवल भगवान के लिए ही किया जाता है। भगवत प्राप्ति अथवा मोक्ष, भजन का लक्ष्य होता है। भजन करने वाला जीव यह समझ ले कि भजन केवल भगवान के लिए ही किया जाना है। भजन, केवल भक्त के हृदय में बैठे भगवान के लिए ही होना चाहिए। भजन की उच्चतम स्थिति है, भगवान का वियोग, जो भक्त प्रभु का वियोग एक पल भी न सह सके- वही सही भजन करने का उत्तराधिकारी है।

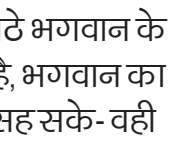

अशोक सूरी
आध्यात्मिक लेखक

भक्ति अथवा साधना का मुख्य साधन है- कथा श्रवण। कथाओं में सर्वोत्तम कथा श्रीमद्भागवत बताई गई है। श्रीमद्भागवत परम संहिता है इसे पंचम वेद की संज्ञा दी जाती है। यह परमहंसो का धन है। प्रभु की कथा सुनने से भक्त की सूक्ष्म दृष्टि प्रभु में लग जाती है। सांसारिक दृष्टि से उसकी मृत्यु हो जाती है। भागवत-कथा अमृत है, जिसे पूर्णरूपेण पीना पड़ता है। कथा श्रवण भौतिक अमृत है, इसका भी लाभ मिलता है, परंतु कथा श्रवण का पूर्ण लाभ कथा को अपने हृदय में धारण करने से प्राप्त होता है। भोजन की तरह कथा को भी पचाना पड़ता है। जिस प्रकार भोजन पचने के उपरांत शरीर को लाभ देता है, उसी प्रकार जब कथा श्रवण के उपरांत हृदय में पच जाती है, तभी उसका प्रतिफल प्राप्त होता है।

भागवत कथा श्रवण करने से जीव के जन्म-जन्म के पाप का हरण होता है एवं मंगल को प्राप्त होता है। आजकल नगरों में और मंदिरों में भागवत कथा के आयोजन की प्रथा बहुतायत में हो रही है। इस आयोजन को हम आयोजक अथवा यजमान द्वारा किया गया कथा का दान भी कह सकते है। कथा का दान भी परम कल्याणकारी है। कथा का आयोजन यज्ञ के समान पुण्यदायक है। यद्यपि यह दान समर्थ और योग्य व्यक्ति ही कर सकते हैं। कथा आयोजन से हजारों भक्तों को कथा श्रवण का लाभ मिलता है, जिसका पुण्य लाभ कथा आयोजक के हिस्से में भी निश्चित रूप से आता है। निष्काम भाव से किया गया भागवत कथा आयोजन राजसूर्य यज्ञ के पुण्य लाभ के बराबर होता है। कथा के आयोजन से भक्त अपने साथ-साथ अपने पूर्वजों का भी उद्धार कर लेता है। कृति के द्वारा कर्ता तो रहता है, परंतु कर्म से व्यक्ति अमर हो जाता है।

रामकथा, भागवत, भक्तमाल आदि कथाओं में शास्त्रों में सब कुछ लिखा है, लेकिन हृदय में समाविष्ट नहीं होता है। अंदर बढ़ता है, श्रवण से। जब किसी महापुरुष अथवा संत द्वारा उसकी अनुभूति से युक्त शब्दों द्वारा कथा का वाचन एवं श्रोताओं द्वारा श्रवण होता है तभी कथासार अंदर बैठता है। जैसे हमें शिक्षा प्राप्ति के समय हमारे गुरुजन बोलकर पढ़ाते हैं और विद्यार्थी श्रवण करके ही विद्या प्राप्त करते हैं। बिना श्रवण किए विद्या प्राप्त नहीं हो सकती है और जैसे शृंगाली स्वयं पहले खाकर आती है और फिर चबाकर अपने बच्चों के मुख में डाल देती है, तो वह बच्चों को हजम हो जाता है। ठीक उसी प्रकार संत सद्गुरु पहले ग्रंथों को आत्मसात करते हैं और तदुपरांत औरों को श्रवण कराते है। परंतु केवल सुनने मात्र से ही कथा से आत्म साक्षात्कार नहीं होता अपितु कथा को मनन करने एवं हृदय में धारण करने से होता है, लेकिन प्रथम होता, तो श्रवण ही है। श्रवण भक्ति नवधाभक्ति की एक मुख्य विधा है। श्रोता को कथा प्राप्ति के लिए प्रथम अधिकारी बनना पड़ता है और यह होता है, सत्य और संत कृपा से।

बोध कथा

सफलता का रहस्य

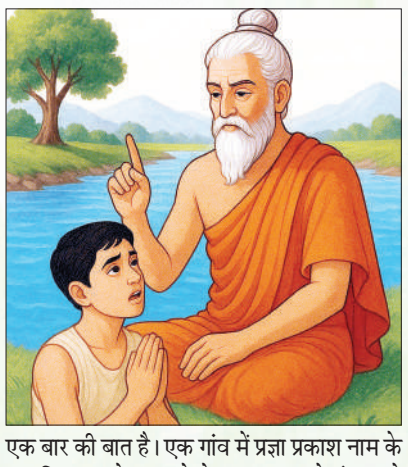

एक बार की बात है। एक गांव में प्रज्ञा प्रकाश नाम के एक विद्वान महोदय रहते थे। धन-धान्य से संपन्न तो थे ही, लेकिन ज्ञान उनके पास इतना था कि दूर-दूर से लोग अपनी समस्याओं का समाधान करने उनके पास आते थे। अपने अनुभव और ज्ञान से प्रज्ञा प्रकाश लोगों की समस्याओं का समाधान करते थे। इसलिए सभी उनको गुरुजी कहकर संबोधित करते थे।

एक दिन की बात है। एक नवयुवक गुरुजी के पास आया और बोला- "गुरुजी मुझे सफलता का रहस्य बताइए, मैं चाहता हूं कि मैं भी आपकी तरह विद्वान बनकर अपनी गरीबी दूर कर सकूं।" गुरुजी मुस्कुराएं और उन्होंने उसे दुसरे दिन प्रातःकाल नदी किनारे मिलने के लिए बुलाया। युवक को भी नहाना था इसलिए वह भी अपने वस्त्र लेकर दुसरे दिन प्रातः काल नदी किनारे पहुंच गया। गुरुजी उस युवक को नदी के गहरे पानी में ले गए, जहां पानी गले के ऊपर निकल गया तो उन्होंने उसे डुबो दिया। थोड़ी देर युवक छटपटाया फिर उन्होंने उसे छोड़ दिया। युवक हांफता-हांफता नदी से बाहर भागा। जब उसे सुध आई तो बोला- "आप मुझे मारना क्यों चाहते है?" गुरुजी बोले- "नहीं भाई, मैं तो तुम्हे सफलता का रहस्य बता रहा था। अच्छा बताओ? जब मैंने तुम्हारी गर्दन पानी में डुबो दी थी, उस समय तुम्हें सबसे ज्यादा इच्छा किस चीज की हो रही थी?" युवक बोला- "सांस लेने की।" गुरुजी बोले- "बस यही सफलता का रहस्य है। जब तुम्हें सफलता के लिए ऐसी ही उत्कंठ इच्छा होगी, तब तुम्हें सफलता मिल जाएगी। इसके अलावा और कोई रहस्य नही है।" शिक्षा- दोस्तों! आप जीवन में किसी भी चीज को पाना चाहते हो, तो उसे आपका बेइंतहा चाहना जरूरी है। मतलब हर समय आपको उसे पाने के बारे में सोचना चाहिए। अगर ऐसा नहीं है, तो शायद आप उसे देर से पाओ या शायद न भी पाओ।

-ज्ञानेश तिवारी

पौराणिक कथा

सत्य का प्रकाश

राजा हरिश्चंद्र वे अपने सत्य, न्याय और वचनपालन के लिए पूरे आर्यावर्त में प्रसिद्ध थे। उनके राज्य में कोई दुखी नहीं था, सब सुख और शांति से जीवन व्यतीत करते थे। एक दिन महर्षि विश्वामित्र ने उनकी परीक्षा लेने का निश्चय किया। उन्होंने राजा के पास जाकर कहा- "हे राजन, तुमने एक यज्ञ के समय मुझे दान देने का वचन दिया था। अब मैं वही दान लेने आया हूं।" राजा ने विनम्रता से कहा, "ऋषिवर, आप जो चाहें, मैं देने को तत्पर हूं।" विश्वामित्र ने कहा- "मुझे अपना सारा राज्य चाहिए।" हरिश्चंद्र ने बिना विलंब किए कहा- "ऋषिवर, राज्य आपका है।" उन्होंने अपना सिंहासन त्याग दिया और अपनी पत्नी तारामती तथा पुत्र रोहिताश्व के साथ वन की ओर चल पड़े। विश्वामित्र ने कहा- "राज्य तो मेरा हुआ, पर यज्ञ की दक्षिणा अभी बाकी है।" राजा ने कहा, "मेरे पास कुछ नहीं बचा, पर मैं वचन नहीं तोड़ूंगा। मैं श्रम करके दक्षिणा दूंगा।" उन्होंने बनारस जाकर एक शवदाह गृह में काम करना शुरू किया, जहां मृत शरीरों की चिता जलाने का कार्य करते थे। राजा हरिश्चंद्र की पत्नी तारामती वहीं कपड़े धोने का काम करती थीं और पुत्र रोहिताश्व लकड़ियां बटोरता था।

एक दिन भाग्य ने और भी कठोर परीक्षा ली, उनका पुत्र सर्पदंश से मर गया। तारामती उसका शव लेकर श्मशान पहुंची, पर हरिश्चंद्र अपने कर्तव्य से बंधे थे। उन्होंने कहा, "मुझे नियमों के अनुसार शवदाह शुल्क देना होगा।" तारामती रो पड़ी- "मैं तुम्हारी पत्नी हूं, यह तुम्हारा पुत्र है।" राजा ने गंभीर स्वर में कहा- "यहां मैं राजा नहीं, केवल दास हूं। मुझे अपना धर्म निभाना होगा।"

तभी आकाशवाणी हुई- "राजन, तुम्हारी परीक्षा पूरी हुई। तुमने सत्य और धर्म की रक्षा के लिए जो कष्ट सहे, वह संसार के लिए उदाहरण हैं।" देवता प्रकट हुए, पुत्र जीवित हो गया और हरिश्चंद्र को पुनः उनका राज्य मिला।

-फीचर डेस्क

सप्ताह के प्रमुख व्रत

कालभैरव जयंती- 12 नवंबर

भगवान कालभैरव को भगवान शिव का उग्र स्वरूप माना जाता है। धर्मग्रंथों में भगवान कालभैरव को समय एवं मृत्यु के स्वामी के रूप में वर्णित किया गया है। भैरव का शाब्दिक अर्थ 'भय को नष्ट करने वाला' होता है। तंत्र मार्ग में भैरव तंत्र उपासना का स्थान सर्वोपरि माना जाता है। भूत, प्रेत, पिशाच आदि रक्षा तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्ति हेतु भगवान कालभैरव का पूजन किया जाता है, जो मनुष्य श्रद्धापूर्वक भगवान कालभैरव की उपासना करता है उसके वह निर्भीक हो जाता है तथा उसके मन में व्याप्त समस्त ज्ञात-अज्ञात भय नष्ट हो जाते हैं।

उत्पन्ना एकादशी- 16 नवंबर

उत्पन्ना एकादशी का व्रत हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माना गया है। यह न केवल भगवान विष्णु की उपासना का दिन है, बल्कि देवी एकादशी के प्राकट्य का उत्सव भी है। मार्गशीर्ष मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को यह व्रत किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इसी दिन भगवान विष्णु की योगमाया शक्ति से देवी एकादशी का जन्म हुआ था, जिन्होंने असुर मुर नामक राक्षस का संहार किया था। यही कारण है कि इसे देवी एकादशी जन्मोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। पौराणिक मान्यता है कि उत्पन्ना एकादशी से ही वर्षभर की सभी एकादशियों की परंपरा प्रारंभ हुई। इस व्रत के पालन से भक्तों को न केवल पापों से मुक्ति मिलती है, बल्कि मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग भी प्रशस्त होता है।

एक ही मंदिर में सारे देवी-देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा क्यों

पहले के समय में आपने देखा होगा कि शहर में हनुमान जी का मंदिर, मां काली का, मां दुर्गा का मंदिर, भैरव का मंदिर, भगवान शिव का, भगवान विष्णु लक्ष्मी का आदि देवी-देवताओं के नाम पर मंदिरों की पहचान हुआ करती थी और आदमी अपनी श्रद्धा के अनुसार अपना ईष्ट, अपना देवता और अपनी देवी की पूजा करता था, एक मंदिर में एक ही देवता अधिक से अधिक दो देवताओं की स्थापना होती थी। वर्तमान समय में एक मंदिर में सारे देवी -देवताओं का निवास और प्राण प्रतिष्ठा की जाने लगी, जिसके कारण कई बार साधक भटक जाता है कि किसकी पूजा करें और किसकी न करें, किसका भोग लगाएं और किसका न लगाएं? क्या पता कौन सा देवता नाराज हो जाए, इस डर के कारण वह एक ही भोग सारे देवताओं को लगता फिरता है ताकि उसकी साधना उसकी आराधना से सभी देवी देवता प्रसन्न हो जाएं और उसको उसके परिवार को तरक्की उन्नति खुशहाली का आशीर्वाद दें। एक बार पूजा करने बैठता है, तो सारे देवी-देवताओं कि माला फेरता है और आरती गाता है, फिर भी इस दुविधा में रहता है कि पता नहीं कि उसकी प्रार्थना स्वीकार हुई या नहीं? अंत में इसका परिणाम यह निकलता है कि कई बार उसे अपनी पूजा में, अपनी साधना में, सफलता नहीं मिलती और धीरे-धीरे इस स्थिति में उसका अपने भगवान के ऊपर से, देवी-देवताओं के ऊपर से, विश्वास उठने लगता है।

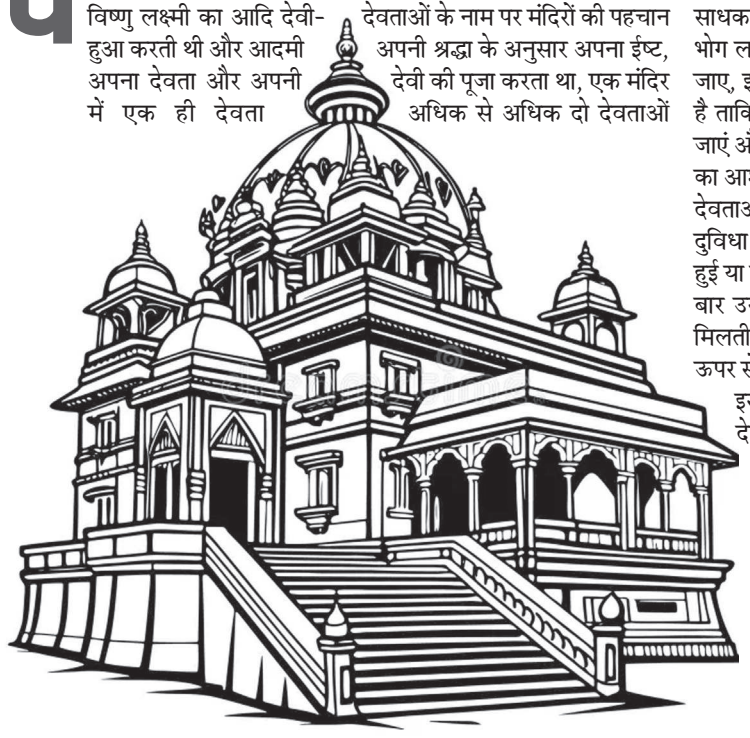

अनिल सुधांशु
ज्योतिषाचार्य

इसका मुख्य कारण यह है कि उसे किसी भी एक देवी-देवता पर विश्वास नहीं है, कभी इसको पूजता है, कभी उसको पूजता है, कभी इसको प्रसाद चढ़ाता है, कभी उसको प्रसाद चढ़ाता है, कभी किसी देवता को अपना ईष्ट बनाता है, कभी उसे अपना आराध्य बनाता है और कई बार इतना भ्रमित हो जाता है कि उसे न तो अपनी पूजा पर भरोसा रहता न ईश्वर की शक्ति पर? आपने हमेशा से देखा होगा, बड़े-बड़े साधकों को पढ़ा और सुना होगा, उन्होंने एक देवी या देवता की साधना करके पर ब्रह्म परमात्मा को प्राप्त कर लिया, उदाहरण के तौर पर महाकवि वाल्मीकि, जिन्होंने मरा-मरा जपकर पूर्ण ब्रह्म को प्राप्त कर लिया। हनुमान जी ने राम-राम जप कर साक्षात राम को पा लिया, नीम करोली बाबा ने हनुमान जी की साधना करके उनकी शक्ति प्राप्त कर ली, परमहंस जी महाराज ने महाकाली की सेवा करके साक्षात उनका साक्षात्कार किया।

सुदामा ने और मीरा ने कृष्णा-कृष्णा कृष्ण को पा लिया। ऐसे उदाहरणों से वेद और पुराण भरे पड़े हैं। इसलिए मेरा आप सभी भक्तों से अनुरोध है कि एक देवता, एक देवी या एक ईश्वर की आराधना करें, क्योंकि ईश्वर एक ही है, उसके रूप अनेक हैं, आपको जिसके प्रति श्रद्धा और विश्वास महसूस हो, उसी को अपना ईष्ट अपना आराध्य बना लीजिए और मन-क्रम-वचन और पूर्ण-श्रद्धा-विश्वास के साथ उनकी साधना कीजिए, निश्चित रूप से जीवन में सफलता के द्वार खुल जाएंगे, जीवन से सारे कष्ट-क्लेश खत्म हो जाएंगे, तरक्की और उन्नति के रास्ते खुल जाएंगे, संसार के सभी भौतिक सुखों और भोगों के साथ-साथ मोक्ष भी प्राप्त होगा। एक ईष्ट, एक गुरु, एक तंत्र, एक मंत्र, एक यंत्र की पद्धति पर चलिए, यदि आप ऐसा नहीं करते हैं और बार-बार उपरोक्त चीजों को बदलते हैं, तो जीवन में कभी भी आपको सफलता नहीं मिल सकती। आपकी तरक्की उन्नति नहीं होगी, दुर्भाग्य और असफलता, कभी आपका पीछा नहीं छोड़ेगी और आप भ्रम कि इस स्थिति में, यह नहीं जान पाएंगे कि क्या सही है और क्या गलत है? इसलिए अपनी श्रद्धा और विश्वास, एक देवी, एक देवता, एक ईश्वर, एक गुरु, एक तंत्र, एक मंत्र, एक यंत्र पर पूर्ण रूप से पूरी दृढ़ता के साथ विश्वास रखिए और मन में सोचिए कि एक ही की साधना आपको परमात्मा का एकाकर करा देगी, यही अध्यात्म का सच्चा मार्ग है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	83,535 .35	25,574 .35
बढ़त	319 .07	82 .05
प्रतिशत में	0 .38	0 .32

सोना 1,25,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,55,760 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 11 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

वर्कमेट्स कोर2क्लाउड का आईपीओ 11 को

नई दिल्ली। वर्कमेट्स कोर2क्लाउड सॉल्यूशन ने अपने 69 .8 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 200-204 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि आईपीओ अभिदान के लिए 11 नवंबर को खुलेगा और 13 को बंद होगा। कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई मंच पर 18 नवंबर को सूचीबद्ध होंगे। आईपीओ 29 .08 लाख शेयर के नए निर्गम (59 .34 करोड़ रुपये) और 10 .50 करोड़ मूल्य के 5 .14 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इस नए निर्गम से प्राप्त 29 .2 करोड़ का उपयोग कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

जेके ने पेश की एम्बेडेड स्मार्ट' टायर

नई दिल्ली। वाहनों के लिए टायर बनाने वाली कपंनी जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सोमवार को भारत के यात्री वाहन खंड के लिए देश के पहले 'एम्बेडेड स्मार्ट' टायर पेश किए। कंपनी ने कहा कि वह पांच से छह वर्षों में 5,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश की योजना बना रही है। इस निवेश का मकसद टायर विनिर्माण की क्षमता बढ़ाना है। मध्य प्रदेश स्थित बानमोर संयंत्र में डिजाइन और विकसित किए गए टायर की संरचना के भीतर उन्नत सेंसर लगे हैं। ये लगातार वायु दाब, तापमान और संभावित वायु रिसाव जैसे महत्वपूर्ण मानकों की निगरानी करते हैं और चालक को त्वरित जानकारी उपलब्ध कराते हैं जिससे वाहन की सुरक्षा, प्रदर्शन और ईंधन दक्षता में उल्लेखनीय सुधार होता है।

ओआईसीए के अध्यक्ष बने शैलेश चंद्रा

नई दिल्ली। ऑर्गेनाइजेशन इंटरनेशनल डेस कंस्ट्रक्टर्स डी 'ऑटोमोबाइल्स (ओआईसीए) ने टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के प्रबंध निदेशक और सीईओ शैलेश चंद्रा को अपना नया अध्यक्ष नियुक्त किया है, जो 1 नवंबर, 2025 से प्रभावी होगा। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) के अध्यक्ष चंद्रा, अलायंस फॉर ऑटोमोटिव इनोवेशन (यूएसए) के अध्यक्ष और सीईओ जॉन बोज़ेला का स्थान लेंगे। चंद्रा ने कहा, जैसे-जैसे वैश्विक वाहन उद्योग दुनिया भर की सरकारों के दृष्टिकोण के अनुरूप टिकाऊ गतिशीलता और 'नेट ज़ीरो' की ओर बढ़ रहा है।

गिरावट थमी, सेंसेक्स ने लगाई छलांग

आईटी-वित्तीय शेयरों में लिवाली से सेंसेक्स 319 अंक चढ़ा, निफ्टी 25,500 के पार

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में पिछले तीन कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर सोमवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 319 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी 25,500 अंक के ऊपर बंद हुआ। मुख्य रूप से आईटी और वित्तीय शेयरों में लिवाली और वैश्विक बाजारों में तेजी का घरेलू बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

बीएसई का सेंसेक्स 319.07 अंक चढ़कर 83,535.35 अंक पर बंद हुआ। सूचकांक 538.21 अंक चढ़कर 83,754.49 अंक पर पहुंचा था। एनएसई का निफ्टी 82.05 अंक लाभ के साथ 25,574.35 अंक पर बंद हुआ। ये 161.15 अंक चढ़कर 25,653.45 अंक तक पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों में इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारती एयरटेल, टाइटन, बजाज फिनसर्व, रिलायंस इंडस्ट्रीज और लार्सन एंड टुब्रो को लाभ हुआ। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में ट्रेंट लि., इटर्नल, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, अदाणी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एनटीपीसी शामिल हैं।

● वैश्विक बाजारों में तेजी का घरेलू बाजार पर पड़ा सकारात्मक प्रभाव

डीआईआई ने 6,674 करोड़ के शेयर खरीदकर एफआईआई को पीछे छोड़ा

एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंग सेंग, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट बढ़त में रहा। यूरोप के ज्यादातर बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार काफी हद तक बढ़त के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 4,581.34 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 6,674.77 करोड़ रुपये के शेयर खरीदकर एफआईआई को पीछे छोड़ दिया। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 94 .73 अंक गिरकर 83,216 .28 अंक और एनएसई निफ्टी 17 .40 अंक टूटकर 25,492 .30 अंक पर बंद हुआ था।

सकारात्मक धारणा को खरीदारी ने दिया बल

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिकी सरकार के कई विभागों में कामकाज ठप होने के संभावित समाधान और दूसरी तिमाही में कंपनियों की अनुकूल आय के साथ एफआईआई की नई खरीदारी ने बाजार में सकारात्मक धारणा को बल दिया। अमेरिका के 10-वर्षीय ट्रेजरी प्रतिफल में वृद्धि संघीय सरकार का कामकाज फिर से शुरू होने तथा इक्विटी के प्रति जोखिम की धारणा में सुधार को बताती है। घरेलू स्तर पर, मजबूत होते आर्थिक संकेतक 2025-26 की दूसरी छमाही के लिए आय बेहतर रहने का संकेत देते हैं। यह मूल्यांकन की पुष्टि करता है और नकदी को आकर्षित कर सकता है।

इंटरकनेक्शन नियमों की समीक्षा करेगा ट्राई, परिचर्चा पत्र जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

दूरसंचार नियामक ट्राई सभी नौ मौजूदा इंटरकनेक्शन नियमों की समीक्षा कर रहा है। उसने उपग्रह-आधारित दूरसंचार नेटवर्क के लिए अन्य दूरसंचार नेटवर्कों के साथ इंटरकनेक्ट ढांचे सहित कई पहलुओं पर संबंधित पक्षों के सुझाव मांगे हैं।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा कि कुल मिलाकर, समीक्षा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नियामकीय ढांचा प्रौद्योगिकी के विकास और दूरसंचार क्षेत्र में बदलावों को ध्यान में रखे। सेवा प्रदाताओं के बीच इंटरकनेक्शन के दौरान वर्तमान में लागू विभिन्न शुल्कों से संबंधित नियामक पहलुओं, जैसे इंटरकनेक्शन शुल्क, इंटरकनेक्शन उपयोग शुल्क (उत्पत्ति शुल्क, पारगमन शुल्क, कैरिज शुल्क, ट्रांजिट कैरिज शुल्क, समाप्ति शुल्क और अंतर्राष्ट्रीय समाप्ति शुल्क) और रेफरेंस इंटरकनेक्ट ऑफर (आरआईओ) ढांचे की भी परामर्श पत्र के माध्यम से पड़ताल की जा रही है। ट्राई ने कहा कि इसकी समीक्षा आईपी-आधारित इंटरकनेक्शन की जांच पर केंद्रित है। यह अधिक प्रासंगिक है क्योंकि 4जी/5जी के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए बेहतर सेवा गुणवत्ता, इंटरकनेक्शन के स्तर की आवश्यकता होती है। यह वर्तमान में मोबाइल नेटवर्क इंटरकनेक्शन के लिए एलएसए (लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र) स्तर पर और फिक्स्ड लाइन टेलीफोन नेटवर्क इंटरकनेक्शन के लिए जिला/तहसील स्तर पर हैं।

● उपग्रह-आधारित दूरसंचार नेटवर्क के लिए कई पहलुओं पर मांगे गए सुझाव

कई दूरसंचार नेटवर्क को जोड़ता है इंटरकनेक्शन

सरल शब्दों में कहें तो, इंटरकनेक्शन कई दूरसंचार नेटवर्क को जोड़ता है, जिससे उपयोगकर्ताओं के बीच निर्बाध संचार संभव होता है और यह वस्तुतः नेटवर्क की रीढ़ है। इसमें वाणिज्यिक और तकनीकी व्यवस्थाएं हैं, जिनके तहत नेटवर्क प्रदाता अपने नेटवर्क और सेवाओं को जोड़ते हैं ताकि उनके ग्राहक अन्य नेटवर्क प्रदाताओं के ग्राहकों और सेवाओं तक पहुंच बना सकें। नियामक ने परामर्श पत्र में कहा, इसमें प्रमुख पहलुओं में पॉइंट्स ऑफ इंटरकनेक्ट (पीसी) की प्रकृति और स्थान शामिल हैं, विशेष रूप से वे जो सैटेलाइट अर्थ स्टेशन गेटवे और अन्य सैटेलाइट, मोबाइल और फिक्स्ड-लाइन नेटवर्क के साथ उनके इंटरकनेक्शन से जुड़े हैं।

सोना ₹1,300 बढ़कर 1,25,900 प्रति 10 ग्राम, चांदी ₹2,460 चढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

मजबूत वैश्विक संकेतों और कमजोर डॉलर के बीच सोमवार को सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,300 रुपये बढ़कर 1,25,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.5% शुद्धता वाला सोना शुक्रवार के 1,24,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की तुलना में 1,300 रुपये बढ़कर 1,25,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई।

स्थानीय सर्राफा बाजार में, पिछले बाजार सत्र में 99.9% वाला सोना 1,24,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि सुरक्षित निवेश की मौजूदा मांग और कमजोर अमेरिकी वृहद आर्थिक आंकड़ों के कारण सोने में सकारात्मक रुख के साथ कारोबार फिर से शुरू हुआ, जिससे अगले महीने होने वाली फेडरल रिजर्व की बैठक में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि कमजोर डॉलर ने सर्राफा को और समर्थन दिया है। एसोसिएशन के अनुसार, सोमवार को चांदी की कीमतें 2,460 रुपये बढ़कर 1,55,760 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गईं। शुक्रवार को यह 1,53,300 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। वैश्विक स्तर पर, हाजिर सोना 83.12 डॉलर या 2.08 प्रतिशत बढ़कर 4,082.84 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि हाजिर चांदी 3.30 प्रतिशत बढ़कर 49.93 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। एलकेपी सिक्योरिटीज के जिंस और मुद्रा के उपाध्यक्ष जतिन त्रिवेदी ने कहा कि कमजोर डॉलर और अमेरिकी सरकार के कामकाज फिर से शुरू होने के बाद सकारात्मक धारणा से सोने की कीमतों में तेजी आई।

● मजबूत वैश्विक संकेतों और कमजोर डॉलर के बीच धातु बाजार ने फिर पकड़ी रफ्तार

डब्ल्यूटीओ में अमेरिका ने कहा- तांबे पर शुल्क रक्षोपाय नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

तांबे पर 50% शुल्क लगाने के भारत के दावे को अमेरिका ने किया खारिज

अमेरिका ने भारत के इस दावे को खारिज किया है कि वाशिंगटन का तांबे पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाना, विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के तहत रक्षोपाय (सेफगार्ड) है। अमेरिका ने कहा कि उसकी वस्तुओं पर शुल्क रियायतों को निलंबित करने के भारत के प्रस्ताव का कोई आधार नहीं है। ये शुल्क एक अगस्त को लगाए गए थे।

भारत अमेरिका को तांबे के उत्पादों का निर्यात करता है, इसलिए उसने सितंबर में डब्ल्यूटीओ के सुरक्षा समझौते के तहत इस मामले पर अमेरिका से परामर्श की मांग की है। भारत ने कहा कि ये शुल्क रक्षोपाय हैं। भारत की अधिसूचना के जवाब में अमेरिका की ओर से छह नवंबर को जारी एक पत्र के अनुसार, ये कदम रक्षोपाय नहीं हैं। इसलिए इन उपायों के संबंध में सुरक्षा समझौते के तहत रियायतों या अन्य दायित्वों को निलंबित करने के भारत के प्रस्ताव का कोई आधार नहीं है।

डब्ल्यूटीओ का कोई भी सदस्य देश घरेलू उद्योग को किसी भी ऐसे उत्पाद के आयात में वृद्धि से बचाने के लिए, जो उद्योग को गंभीर नुकसान पहुंचा रहा हो या पहुंचा सकता हो, डब्ल्यूटीओ के सुरक्षा समझौते के तहत रक्षोपाय कर सकता है। इसके तहत किसी उत्पाद के आयात को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित या सीमित किया जा सकता है। रक्षोपाय लागू करने से पहले किसी सदस्य देश को जांच करनी होती है और अन्य सदस्यों को इस बारे में बताना होता है। अमेरिका ने कहा कि तांबे के उत्पादों पर शुल्क धारा 232 के अनुसार लगाए गए हैं, जिसके तहत अमेरिकी राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान की आशंका के मद्देनजर ये कदम उठाए।

● अमेरिका ने कहा- शुल्क रियायतों को निलंबित करने के भारत के प्रस्ताव का आधार नहीं

गोयल ने यूटा सीनेट अध्यक्ष से मुलाकात कर एआई, स्वच्छ ऊर्जा में सहयोग पर चर्चा की

नयी दिल्ली, 10 नवंबर (भाषा) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को यूटा राज्य सीनेट के अध्यक्ष जे स्टुअर्ट एडम्स के नेतृत्व में एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। यूटा पश्चिमी अमेरिका का एक राज्य है। इस दौरान उन्होंने एआई, स्वच्छ ऊर्जा, खनिज, बायोटेक, एयरोस्पेस और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। गोयल ने एक सोशल मीडिया मंच पर लिखा, एआई, स्वच्छ ऊर्जा, खनिज, शिक्षा और अनुसंधान, बायोटेक, एयरोस्पेस और उन्नत विनिर्माण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि भारत और यूटा के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं।

राष्ट्रीय

लोकतंत्र पर हमला करना विपक्षी नेताओं की आदत

भाजपा ने राजग की निर्णायक और ऐतिहासिक जीत का जताया भरोसा

● जंगल सफारी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर रविशंकर प्रसाद ने निशाना साधा

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने सोमवार को बिहार चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की 'निर्णायक और ऐतिहासिक' जीत का भरोसा जताया। साथ ही भाजपा ने मध्यप्रदेश के सतपुड़ा बाघ अभयारण्य में जंगल सफारी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा और उन्हें राजनीतिक पर्यटन का आनंद लेने की सलाह दी।

भाजपा मुख्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने राजद) नेता तेजस्वी यादव की भी आलोचना की और उनकी ओर से निर्वाचन आयोग पर लगाए गए आरोपों को झूठा बताया। प्रसाद ने दावा किया कि मनचाहा परिणाम नहीं मिलने पर लोकतंत्र के सभी मंचों पर हमला करना विपक्षी नेताओं की आदत है। भाजपा शासित राज्यों से सुरक्षाकर्मियों की 208 कंपनियां बिहार में तैनात करने संबंधी तेजस्वी के दावे पर प्रसाद ने कहा, क्या हमने पुलिस या निर्वाचन आयोग भेजा था? झूठे आरोप लगाते हुए, वह इस स्तर तक गिर गए हैं। पहले चरण में वोट डालने वालों का डेटा सार्वजनिक नहीं किए जाने पर तेजस्वी के आयोग की आलोचना करने पर प्रसाद ने कहा कि उन्हें इंतजार करना चाहिए।

नीतीश सरकार ने शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा की व्यवस्था नष्ट कर बिहार को बर्बाद किया : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि बिहार की नीतीश सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था को नष्ट कर राज्य को बर्बाद कर दिया है। राहुल ने सोमवार को जेनरेशन जेड' के समूह के साथ अपनी हालिया बातचीत का वीडियो 'एक्स' पर जारी किया और कहा कि यह पीढ़ी सत्य और अहिंसा में विश्वास करती है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, भारत की 'जेनरेशन जेड' की ऊर्जा मुझे आशा देती है। यह पीढ़ी सत्य और अहिंसा में विश्वास करती है, करुणा और साहस रखती है तथा भारत को उज्ज्वल, अधिक न्यायपूर्ण भविष्य की ओर ले जाएगी। मैं उन्हें राजनीतिक क्षेत्र में कदम रखते हुए देखने के लिए उत्साहित हूं। राहुल गांधी ने युवाओं के साथ कई बिंदुओं पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कह रही है कि दलित, आदिवासी, अति पिछड़ा या मुसलमान कोई भी हो, सभी को समान अवसर मिलना चाहिए और सारी संपत्ति एक या दो हाथों में केंद्रित नहीं होनी चाहिए। बिहार से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि 20 साल से वहां नीतीश की सरकार है और उन्होंने बिहार को बर्बाद कर दिया है।

बिहार पर 'बाहरी' नियंत्रण की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जनता ऐसा नहीं होने देगी : तेजस्वी

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी प्रसाद यादव ने सोमवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रभाव में काम कर रहा है और अब तक पहले चरण के मतदान में पुरुष एवं महिला मतदाताओं की संख्या का खुलासा नहीं किया गया है। तेजस्वी ने कहा, पहले चरण के मतदान के बाद निर्वाचन आयोग तुरंत आंकड़े जारी करता था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं किया गया। आयोग ने काम करना बंद कर दिया है और मोदी-शाह के नियंत्रण में आ गया है। तेजस्वी ने दावा किया, चुनावी ड्यूटी के लिए कुल 208 कंपनियां उन राज्यों से भेजी गई हैं, जहां भाजपा की सरकारें हैं। राजद नेता ने कहा, बिहार को 'बाहरी' लोगों द्वारा नियंत्रित करने की साजिश चल रही है, लेकिन बिहार की जनता इसे कभी स्वीकार नहीं करेगी।

बिहार संग्राम

नीतीश मुख्यमंत्री हैं और रहेंगे, इसमें भ्रम नहीं : सम्राट

पटना। बिहार के उप मुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने बिहार चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से एक दिन पहले सोमवार को कहा कि इसको लेकर कोई भ्रम नहीं चाहिए कि नीतीश मुख्यमंत्री हैं और आगे भी रहेंगे। उन्होंने कहा कि जनता जानती है कि लालू का परिवार तथा राहुल गांधी भ्रष्टाचार के प्रतीक हैं। यदि राजग की सरकार बनी तो अदालत से आग्रह किया जाएगा कि चारा, नौकरी के बदले जमीन, बाढ़ और अलकतरा घोटाला में जब्त की गई जमीन पर स्कूल और कॉलेज स्थापित किए जाएं। चौधरी ने कहा, कानून के राज से कभी समझौता नहीं किया जा सकता।

न्यायाधीशों पर आरोप लगाने की प्रवृत्ति से सुप्रीम कोर्ट चिंतित

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने वादियों और वकीलों में अदालती फैसले उनके पक्ष में न आने पर न्यायाधीशों के खिलाफ अपमानजनक तथा निंदनीय आरोप लगाने की प्रवृत्ति बढ़ने पर सोमवार को गहरी चिंता जताई। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने वादी एन पेड्डी राजू और उसके दो वकीलों के खिलाफ अवमानना कार्यवाही बंद करते हुए यह टिप्पणी की।

कोर्ट ने राजू और उसके वकीलों को चेतावनी दी कि इस तरह का आचरण न्यायिक प्रणाली की अखंडता को कमजोर करता है और इसकी कड़ी निंदा होनी चाहिए। पीठ ने मामला इसलिए बंद कर दिया, क्योंकि तेलंगाना हाईकोर्ट की न्यायाधीश ने वादी और उसके दो वकीलों की ओर से मांगी गई माफी स्वीकार कर ली थी।

प्रधान न्यायाधीश ने फैसले में कहा कि हाल के दिनों में, हमने देखा है कि जब कोई न्यायाधीश अनुकूल आदेश पारित नहीं करता है, तो उसके खिलाफ अपमानजनक और निंदनीय आरोप लगाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इस तरह की प्रथा की कड़ी निंदा होनी चाहिए। पीठ ने कहा कि वकीलों को न्यायाधीशों के खिलाफ अपमानजनक एवं निंदनीय आरोपों वाली याचिकाओं पर हस्ताक्षर नहीं करने चाहिए। अदालत के अधिकारी होने के नाते वकीलों को इस अदालत या हाईकोर्ट के न्यायाधीशों के खिलाफ आरोप लगाने वाली याचिकाओं पर हस्ताक्षर करने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए। साथ ही, माफी स्वीकार की जाती है और अवमानना की कार्यवाही बंद की जाती है। कानून की गरिमा दंड देने में नहीं, माफ करने में है।

सीजेआई ने एआई के खतरों का किया जिक्र

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के खतरों पर प्रकाश डालते हुए प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने सोमवार को कहा कि छेड़छाड़ कर तैयार किए वीडियो के सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बारे में उन्हें पता है और उनके न्यायालय कक्ष में जूता फेंकने की घटना को गलत तरीके से दर्शाया गया है। यह टिप्पणी तब की गई जब सीजेआई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने न्यायपालिका में एआई उपकरणों के उपयोग को विनियमित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने का अनुरोध करने वाली याचिका को दो सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की। कार्यवाही के दौरान, याचिकाकर्ता के एक वकील ने अदालती प्रक्रियाओं में एआई उपकरणों के बेलगाम उपयोग के खिलाफ चेताते हुए कहा कि यह न्यायालय भी एआई का उपयोग कर रहा है, लेकिन बुराइयां ऐसी हैं।

एनएचएआई, सड़क परिवहन मंत्रालय से जवाब मांगा

फलोदी दुर्घटना

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के फलोदी में दो नवंबर को हुई दुर्घटना का स्वत: संज्ञान लेते हुए सोमवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से जवाब मांगा। इस दुर्घटना में 15 लोगों की मौत हो गई थी। न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और विजय बिश्नोई की पीठ ने एनएचएआई और मंत्रालय को नोटिस जारी कर दुर्घटना के कारणों पर दो सप्ताह में जवाब मांगा है। पीठ ने क्षेत्र का सर्वेक्षण करने और फलोदी से गुजरने वाले राजमार्ग पर ढाबों की संख्या पर रिपोर्ट दाखिल देने को कहा है।

अमृतपाल सिंह की याचिका पर सुनवाई से इन्कार

सुप्रीम कोर्ट ने कट्टरपंथी उपदेशक और खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत उनकी हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से सोमवार को इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ ने सिंह से कहा कि वह अपनी याचिका पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में दायर करें।

जम्मू-कश्मीर में पथराव करना कोई सामान्य घटना नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में पथराव करना कोई सामान्य घटना नहीं है। साथ ही, अदालत ने कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह से अपनी हिरासत का आदेश प्राप्त करने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस-नीत सरकार से संपर्क करने को कहा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप नाथ की पीठ ने राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को शब्बीर के नए हलफनामे पर जवाब देने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया। इससे पहले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने नये तथ्यों की ओर इशारा किया और पाकिस्तान स्थित आतंकी नेटवर्क के साथ उसके संबंधों पर जोर दिया।

तेलंगाना विस अध्यक्ष के खिलाफ याचिका पर 17 को सुनवाई

बीआरएस विधायकों की अयोग्यता का मामला

सुप्रीम कोर्ट तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अवमानना कार्यवाही का अनुरोध करने वाली याचिका पर 17 नवंबर को सुनवाई करेगा। विस अध्यक्ष पर तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हुए भारत राष्ट्र समिति के 10 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर फैसले के निर्देश का पालन नहीं करने का आरोप है। सीजेआई गवई की पीठ ने 31 जुलाई को 10 विधायकों की अयोग्यता पर 3 माह में फैसले का निर्देश दिया था।

दिल्ली दंगे: अदालत ने कपिल मिश्रा की भूमिका की आगे की जांच का आदेश किया खारिज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की अदालत ने दिल्ली पुलिस को 2020 के दंगों में कानून मंत्री कपिल मिश्रा की भूमिका की आगे की जांच करने का निर्देश देने वाला आदेश सोमवार को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि यह आदेश अधिकार क्षेत्र संबंधी गंभीर त्रुटि से ग्रस्त है।

विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि किसी के अधिकारों और स्वतंत्रता को प्रभावित करने वाले न्यायिक आदेश स्पष्ट एवं परस्पर विरोधी व्याख्याओं से मुक्त होने चाहिए। अदालत मिश्रा और दिल्ली पुलिस की ओर से दायर दो पुनरीक्षण याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मजिस्ट्रेट के एक अप्रैल 2025 के आदेश को चुनौती दी गई थी। उसने कहा कि आदेश में बार-बार आगे की जांच शब्द का इस्तेमाल किया गया था और एक बार भी प्राथमिकी दर्ज करने और जांच करने का निर्देश नहीं दिया गया था।

60 करोड़ की धोखाधड़ी को रद्द करने का शिल्पा व राज ने किया अनुरोध

मुंबई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके व्यवसायी पति राज कुंद्रा ने मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा उनके खिलाफ दर्ज 60 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले को रद्द करने का अनुरोध करते हुए मुंबई उच्च न्यायालय का रुख किया है।

दंपति ने प्राथमिकी रद्द करने के साथ अदालत से पुलिस को आरोपपत्र दाखिल नहीं करने और सुनवाई होने तक दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। उनकी याचिकाओं पर मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड ने सुनवाई की।

डीयू की सभी कक्षाओं में वंदे मातरम् के सामूहिक गायन को बनाएं परंपरा : प्रधान

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की सभी कक्षा में वंदे मातरम् के सामूहिक गायन को शक्तिशाली परंपरा के रूप में स्थापित करने और इसे जन आंदोलन के रूप में विकसित करने का आह्वान किया। वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में डीयू के रामजस कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि राष्ट्र गीत विकसित और समृद्ध भारत के निर्माण में मार्गदर्शक का काम करेगा।

प्रधान ने कहा, डीयू में हमारे युवा साथी वंदे मातरम् का पूर्ण संस्करण गाएं और इसकी भावना के वाहक बनें। विवि वंदे मातरम् की शाश्वत भावना को जन आंदोलन में बदलने और इससे भावी पीढ़ियों को जोड़ने में प्रमुख भूमिका निभाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि रामजस कॉलेज के छात्रों के साथ सामूहिक रूप से इस राष्ट्रीय गीत को गाने का सौभाग्य प्राप्त होना प्रेरणादायक रहा। लंबे संघर्षों और राष्ट्र-सेवकों के बलिदान के बाद, हमें 1947 में स्वतंत्रता मिली, वंदे मातरम् उस राष्ट्रीय चेतना का उद्घोष था जिसने देश को एक सूत्र में पिरोया। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अनुसार, बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित 'वंदे मातरम' अक्षय नवमी पर लिखा गया माना जाता है, जो सात नवंबर 1875 को पड़ी थी।

● विश्वविद्यालय के रामजस कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम को केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने किया संबोधित

वर्ल्ड ब्रीफ

बिहार चुनाव के दूसरे चरण से पहले नेपाल ने अपनी सीमा सील की

काठमांडू। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले नेपाल ने भारत के साथ अपनी सीमा सील कर दी और शनिवार से वीरगंज-रक्सौल सीमा पर वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। अधिकारियों ने बताया कि पड़ोसी देश में चुनाव के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के तहत दक्षिणी नेपाल में भारत-नेपाल सीमा चौकियों को 72 घंटे के लिए बंद कर दिया गया है। महोत्तरी जिला पुलिस कार्यालय में पुलिस अधीक्षक हेरंब शर्मा ने को बताया, भारत के बिहार राज्य में 11 नवंबर को चुनाव होने हैं। इसलिए, सुरक्षा कारणों से हमने सीमा पर वाहनों की आवाजाही रोक दी है। उन्होंने कहा, महोत्तरी जिले में सभी सीमा चौकियों को सील कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मतदान समाप्त होने के बाद इन्हें फिर से खोल दिया जाएगा।

टेक्सास में युवक ने तीन सहकर्मियों की गोली मारकर हत्या की

सैन एंटोनियो। अमेरिका में टेक्सास राज्य के सैन एंटोनियो में एक कंपनी में 21 वर्षीय व्यक्ति ने अपने तीन सहकर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी और फिर खुद को भी गोली मार ली। सैन एंटोनियो पुलिस विभाग के अनुसार, शहर के उत्तरी हिस्से में स्थित कंपनी में शनिवार को गोलीबारी में दो पुरुषों और एक महिला की मौत हो गयी। 'केएसएटी-टीवी' की खबर के मुताबिक, जब सुबह करीब आठ बजे गोलीबारी हुई तो अन्य कर्मचारी घटनास्थल से भाग गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इलाके को घेर लिया और कुछ घंटों बाद उन्हें हमलावर मृत अवस्था में मिला, जिसके शरीर पर गोली का घाव था। पुलिस ने हमलावर की पहचान जोस हर्नांदेज गालो के रूप में की है। गोलीबारी के मकसद का पता नहीं चल सका है।

प्रमुख अधिकारियों के इस्तीफे के बाद बीबीसी में नेतृत्व संकट

लंदन। बीबीसी नेतृत्व संकट और बढ़ते राजनीतिक दबाव का सामना कर रहा है, उसके शीर्ष कार्यकारी और समाचार प्रमुख दोनों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण के संपादन को लेकर इस्तीफा दे दिया है। बीबीसी के महानिदेशक टिम डेवी और समाचार प्रमुख डेबोरा टर्नेस के इस्तीफे का ट्रंप ने स्वागत किया। ट्रंप ने कहा कि जिस तरह उनके भाषण को संपादित किया गया वह राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास था। बीबीसी के अध्यक्ष समीर शाह के भी सार्वजनिक माफी मांगने की संभावना है। बीबीसी को छह जनवरी 2021 को वाशिंगटन में कैपिटल हिल पर प्रदर्शनकारियों के धावा बोलने से पहले ट्रंप द्वारा दिए गए भाषण को संपादित करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था।

सलमान रुश्दी को अमेरिका में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

डेटन (अमेरिका)। प्रसिद्ध लेखक सलमान रुश्दी को रविवार को ओहायो में आयोजित 'डेटन लिटरेरी पीस प्राइज' कार्यक्रम में 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। रुश्दी को यह पुरस्कार तीन साल पहले हुए हमले के बाद उनकी पहली काल्पनिक कथा के प्रकाशन के बाद दिया गया है।

यह पुरस्कार उन लेखकों को दिया जाता है जो साहित्यिक उत्कृष्टता के साथ अपने लेखन से शांति को बढ़ावा देते हैं। इसमें हर साल काल्पनिक, गैरकाल्पनिक कहानियां और लाइफटाइम अचीवमेंट की अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाते हैं। ओहायो का डेटन शहर 1995 में हुए डेटन शांति समझौतों के लिए प्रसिद्ध है, जिसके परिणामस्वरूप बाल्कन क्षेत्र में युद्ध का अंत हुआ था। यह युद्ध 3,00,000 से अधिक लोगों की मौत और 10 लाख से अधिक लोगों के विस्थापन का कारण बना था।

सलमान रुश्दी (78) का 1988 में प्रकाशित उपन्यास 'द सैटेनिक वर्सेज' काफी चर्चा में रहा है। इस उपन्यास के बाद उन पर ईशनिंदा के आरोप लगे थे और 1989 में ईरान के अयातुल्लाह रुहोल्ला खोमैनी ने उनकी हत्या का फतवा जारी किया था, जिसके बाद रुश्दी को छिपकर रहना पड़ा था।

पूरा होने को है नए सफर का ख्वाब

उड़ने वाली कार कुछ वर्षों पहले तक सपना थी लेकिन अब हकीकत बनने जा रही है। कई देशों में इन्हें बाजार में उतारने के लिए शुरुआत कर दी गई है। ट्रायल और परीक्षणों के लंबे दौर के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि अगले साल कुछ कंपनियां इन कारों का सार्वजनिक इस्तेमाल के लिए उत्पादन शुरू कर देंगी। चीन, अमेरिका और यूरोप के कुछ देशों की कई कंपनियों के बीच होड़ भी शुरू हो गई है कि कौन अपनी कार पहले बाजार में लॉन्च करेगा। यह भी उम्मीद की जा रही है कि उड़ने वाली कारें बाजार में आने के बाद यातायात व्यवस्था में बड़े बदलाव होंगे। भारत में भी उड़ने वाली कार चर्चा में है। कई कंपनियां इसके उत्पादन की योजना बना रही हैं, हालांकि माना जा रहा है कि भारतीय बाजार में उड़ान भरने में यह कार अभी कुछ वर्षों का समय लेगी।

उड़ने वाली कार

क्या बदलेगा

दावा है कि ट्रैफिक जाम में काफी कमी आएगी, ट्रांसपोर्टेशन समय-लागत कम होगी। शहरी और ग्रामीण दोनों पहुंच में नई क्रांति आएगी। हवाई टैक्सी जैसी सेवा भी संभव।

कब तक आएगी बाजार में

- कैलिफोर्निया की कंपनी एलेफ एअरोनॉटिक्स का मॉडल- ए अगले कुछ महीनों में बाजार में आ सकता है, इसका अप्रूवल भी मिल चुका है।
- चीन की एक्सपेंग एयरोहट कंपनी ने भी फ्लाइंग कार का उत्पादन शुरू कर दिया है जिसके जल्द ही बाजार में आने का दावा किया जा रहा है।
- स्लोवाकिया की क्लेन विजन कंपनी ने दावा किया है कि उसकी एयरकार 2026 की शुरुआत में बाजार में बिक्री के लिए तैयार हो जाएगी।
- भारत में 'शून्य' नामक उड़ने वाली टैक्सी का प्रोटोटाइप 2025 के ऑटो एक्सपो में दिखाया गया था, मगर अभी उत्पादन नहीं किया जा रहा है।

तकनीक व कार्यप्रणाली

- उड़ने वाली कारों के कुछ मॉडल ड्रोन जैसी वर्टिकल टेक ऑफ एंड लैंडिंग तकनीक पर आधारित होंगे।
- ज्यादातर कारें इलेक्ट्रिक या हाइब्रिड मोटर से चलेंगी। हालांकि पारंपरिक ईंधन का भी इस्तेमाल होगा।
- कई मॉडल सड़कों पर सामान्य कार की तरह चल सकते हैं और जरूरत होने पर उड़ान भर सकते हैं।

सुरक्षा नियम निर्धारण, उच्च लागत और हवाई यातायात प्रबंधन होंगी बड़ी चुनौती।

10,000
से ज्यादा ऑर्डर मिल चुके हैं फ्लाइंग कार का उत्पादन करने वाली कंपनियों को

कीमत, कितनी लंबी उड़ान

- एलेफ एअरोनॉटिक्स के मॉडल ए की कीमत करीब तीन लाख डॉलर यानी ढाई करोड़ रुपये हो सकती है।
- क्लेन विजन की एअर कार की कीमत आठ से 10 लाख डॉलर यानी छह से आठ करोड़ रुपये तक होगी।
- ये कारें एक बार में 250 से 1000 किमी तक की उड़ान भर सकेंगी। इनकी गति 250 किमी घंटा तक होगी।

सरकारों की तैयारी

- अमेरिका में फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने उड़ने वाली कारों को कानूनन वैध बनाने के लिए एअरवर्दी सर्टिफिकेट जारी किया है।
- अमेरिका में मिनेसोटा और न्यू हैम्पशायर समेत दो राज्यों ने अब तक उड़ने वाली कारों को कानूनी वाहन के रूप में मान्यता दी है।
- यूनाइटेड किंगडम की सरकार ने आदेश जारी किया है कि इन वाहनों के उड़ने के लिए अलग रेगुलेशन और सर्टिफिकेशन अनिवार्य होंगे।

डेमोक्रेट नेताओं में दो फाड़, जल्द ही शटडाउन खत्म होने की उम्मीद बढ़ी

आठ सांसद हेल्थ केयर सब्सिडी की गारंटी के बिना सीनेट में चर्चा करने पर सहमत

वाशिंगटन, एजेंसी

सीनेटर जीन शाहीन, मैगी हसन और एंगस किंग ने बनाया समाधान का रास्ता।

अमेरिका में संसद के उच्च सदन सीनेट ने सरकारी शटडाउन को समाप्त करने की दिशा में रविवार को पहला कदम उठाया। दरअसल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं के एक समूह ने स्वास्थ्य देखभाल सब्सिडी के विस्तार की गारंटी के बिना चर्चा करने पर सहमति व्यक्त की जिससे उनके 'कॉकस' के कई सदस्य नाराज हो गए। इस 'कॉकस' का कहना है कि अमेरिकी लोग चाहते हैं कि सब्सिडी को लेकर लड़ाई जारी रखी जाए।

आवश्यक प्रक्रिया की श्रृंखला के तहत पहला कदम उठाते हुए सीनेट में मत विभाजन में सरकार के कामकाज को वित्तपोषित करने के मकसद से समझौता विधेयक पारित करने के लिए 60-40 मतों से मतदान हुआ। इसने बाद में 'अफोर्डेबल केयर एक्ट टैक्स क्रेडिट' पर मतदान किया गया जो एक जनवरी को समाप्त होने वाला है। डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य यदि आपत्ति करते हैं और प्रक्रिया में देरी करते हैं तो इस समझौते को अंतिम रूप से पारित होने में कई दिन लग सकते हैं। यह समझौता इस बात की गारंटी नहीं देता कि 'अफोर्डेबल केयर एक्ट' के तहत सब्सिडी जारी रहेगी।

डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य लगभग छह सप्ताह से 'अफोर्डेबल केयर एक्ट' के तहत सब्सिडी जारी रखने की मांग कर रहे हैं। आठ डेमोक्रेट सांसदों को छोड़कर चक शूमर समेत सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के सभी नेताओं ने इस समझौते को आगे बढ़ाने के खिलाफ मतदान किया। तीन पूर्व गवर्नर न्यू हैम्पशायर की सीनेटर जीन शाहीन, न्यू हैम्पशायर की सीनेटर मैगी हसन और मेन के स्वतंत्र सीनेटर एंगस किंग के एक समूह ने छह सप्ताह से जारी गतिरोध को रविवार को तोड़ दिया। उन्होंने तीन द्विदलीय वार्षिक व्यय विधेयकों को आगे बढ़ाने के लिए मतदान करने और स्वास्थ्य देखभाल कर क्रेडिट को बढ़ाने पर दिसंबर के मध्य में मतदान के बदले में शेष सरकारी निधि को जनवरी के अंत तक बढ़ाने पर सहमति जताई। शाहीन, हसन और किंग के अलावा पांच अन्य डेमोक्रेटिक नेताओं ने समझौते के पक्ष में मतदान किया।

समझौता: रद्द होगी बर्खास्तगी, बकाया वेतन भी देंगे

इस समझौते में एक अक्टूबर को शटडाउन शुरू होने के बाद से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा संघीय कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर की गई बर्खास्तगी को वापस लेना भी शामिल है। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि संघीय कर्मचारियों को उनका बकाया वेतन मिल सके। सीनेट के बहुमत नेता जॉन थुने ने इस समझौते का तुरंत समर्थन किया और इसे मंजूरी देने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए तत्काल मतदान का आह्वान किया। शटडाउन के कारण देशभर में उड़ानें बाधित हो रही हैं, लाखों अमेरिकियों के लिए खाद्य सहायता पर खतरा मंडरा रहा है और संघीय कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल पा रहा। राष्ट्रपति ट्रंप ने रविवार शाम एक फुटबॉल मैच देखने के बाद 'व्हाइट हाउस' लौटते समय यह तो नहीं बताया कि वे इस समझौते का समर्थन करते हैं या नहीं, लेकिन कहा, ऐसा लग रहा है कि हम शटडाउन खत्म होने के करीब पहुंच रहे हैं।

पहली बार 2,100 से ज्यादा उड़ानें रद्द, 8000 से ज्यादा लेट

वाशिंगटन। अमेरिकी विमानन कंपनियों ने रविवार को 2,100 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। परिवहन मंत्री सीन डफी ने चेतावनी दी कि यदि संघीय सरकार का शटडाउन 'थैंक्सगिविंग' अवकाश तक जारी रहा है तो पूरे देश में हवाई यातायात बहुत धीमा होकर लगभग ठप पड़ सकता है। देश के 40 सबसे व्यस्त हवाई अड्डों पर उड़ानों में व्यवधान तीसरे दिन भी जारी रहा जिससे स्थिति और बिगड़ने लगी है। अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने शटडाउन के बीच देशभर में उड़ानों को कम करने का आदेश दिया है। कई हवाई यातायात नियंत्रकों ने वेतन न मिलने के कारण काम पर आना बंद कर दिया है जिसके कारण यह आदेश जारी किया गया। हवाई यात्रा में व्यवधानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'फ्लाइटअवेयर' के अनुसार, अकेले रविवार को लगभग 8,000 उड़ानों में देरी की सूचना मिली और 2,100 से अधिक उड़ानें रद्द की गईं। शुक्रवार को 1,000 से अधिक और शनिवार को 1,500 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। एफएए की कटौती शुक्रवार को 4 प्रतिशत से शुरू हुई थी और 14 नवंबर तक यह 10 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। यह कटौती स्थानीय समयानुसार सुबह छह से रात 10 बजे तक प्रभावी रहेगी।

चीनी राजनयिक ने कहा- धड़ से अलग कर देनी चाहिए जापान की प्रधानमंत्री की गर्दन

बीजिंग, एजेंसी

- चीन और जापान के बीच ताइवान को लेकर बड़ा कूटनीतिक विवाद

ताइवान में चीन की संभावित कार्रवाई को लेकर जापान की प्रधानमंत्री सनाई तकाइची के बयान और उस पर चीनी राजनयिक की तीखी प्रतिक्रिया से दोनों देशों के बीच गंभीर कूटनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। जापान ने ओसाका में चीनी काउंसल जनरल शुए जियान की सोशल मीडिया पोस्ट पर कड़ी आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने कहा था कि तकाइची की गर्दन धड़ से अलग कर दी जानी चाहिए।

जापान के सरकारी प्रवक्ता मिनोरु किहारा ने कहा, चीनी राजनयिक मिशन प्रमुख के लिए यह टिप्पणी करना कतई उचित नहीं था। उन्होंने बताया कि यह पोस्ट अब हटा ली गई है। विवाद उस समय शुरू हुआ जब शुक्रवार को तकाइची ने एक संसदीय समिति से कहा कि ताइवान पर चीनी सैनिकों का हमला जापान के अस्तित्व के लिए खतरा साबित हो सकता है और जापान सामूहिक आत्मरक्षा के अपने अधिकार का इस्तेमाल कर सकता है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियाओ ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि तकाइची की टिप्पणी चीन के आंतरिक मामलों में गंभीर हस्तक्षेप है।

इस मामले में चीन ने टोक्यो के समक्ष विरोध दर्ज कराया है। लिन ने चीनी राजनयिक की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देने से इन्कार करते हुए कहा कि यह तकाइची की ताइवान पर की टिप्पणियों का जवाब था। उन्होंने कहा, मैं उम्मीद करता हूं कि जापान भ्रम पैदा करना और दोषारोपण करना बंद करेगा। जापान में सत्ता संभालने के बाद से तकाइची कई बार ताइवान के मुद्दे पर चीन को असहज कर चुकी हैं। तकाइची ने संसद में कहा, ताइवान के संबंध में स्थिति गंभीर हो गई है। हमें सबसे खराब स्थिति की आशंका को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने जापान के निकट स्थित ताइवान के आसपास रक्षा अभ्यास के दौरान युद्धपोत और लड़ाकू विमान तैनात करने समेत चीन की ताजा आक्रामक कार्रवाइयों का जिक्र किया।

मालदीव में भारत की सहायता से बने हवाई अड्डे का उद्घाटन

माले। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत की ऋण सहायता से वित्त पोषित हनीमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया और इसे देश के उत्तरी भाग के लिए समृद्धि का प्रवेश द्वार बताया। मुइज्जू ने कहा कि नया हवाई अड्डा पर्यटन, कृषि, मत्स्य पालन और अर्थव्यवस्था के साथ सामाजिक विकास को बढ़ावा देगा। समारोह में भारत के नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू और दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

फिलीपींस में तूफान फंग वोंग से 8 की मौत, 14 लाख बेघर

तूफान फंग वोंग ने फिलीपींस के रिहायशी इलाकों में भारी तबाही की है।

मनीला, एजेंसी

- 132 गांवों में बाढ़, एक हजार से ज्यादा मकान हुए क्षतिग्रस्त

फिलीपींस में तूफान फंग-वोंग के कारण आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 14 लाख से अधिक लोग विस्थापित हो गए।

मौसम विभाग ने बताया कि अब यह तूफान उत्तर-पश्चिम की ओर ताइवान की दिशा में बढ़ रहा है। फंग-वोंग का असर सबसे ज्यादा उत्तरी फिलीपींस पर पड़ा। इससे पहले फिलीपींस ने तूफान कालमेगी का सामना किया था, जिसके कारण कम से कम 224 लोगों की मौत हो गई थी और बाद में वियतनाम में भी पांच लोगों की मौत हुई थी।

फंग-वोंग रविवार रात को औरोरा प्रांत में 185 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तट पर पहुंचा। तूफान के कारण लगभग 14 लाख लोगों को पहले ही सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका था, जबकि सोमवार तक तीन लाख 18 हजार लोग राहत शिविरों में रहे। तेज हवाओं और बारिश के कारण 132 गांवों में बाढ़ आ गई और लगभग 1,000 मकान क्षतिग्रस्त हो गए।

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने फंग-वोंग और कालमेगी से हुई तबाही को देखते हुए राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया है। इसी के साथ देश की आपात सेवाओं को युद्धस्तर पर सक्रिय किया गया है। तूफान से प्रभावित लोगों के लिए बड़ी संख्या में राहत शिविर बनाए गए हैं।

पाकिस्तान: पंजाब में 16वीं सदी की शेरशाह सूरी कालीन सराय मिली

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान में पंजाब सरकार के पुरातत्व विभाग ने लाहौर से लगभग 220 किमी दूर हड़प्पा के खंडहरों के पास शेरशाह सूरी के युग की, 16वीं सदी की सराय (विश्राम स्थल) को खोजा है। यह सराय मुख्य शेर शाह सूरी मार्ग के दक्षिणी हिस्से पर स्थित है।

यह शेर शाह सूरी (1540-1545) के समय डाक काफिलों के लिए विश्राम स्थल था। शेर शाह सूरी एक अफगान शासक थे जिन्होंने मुगल साम्राज्य को कुछ समय के लिए हटाकर सूर साम्राज्य की स्थापना की थी। उन्होंने 1540 में मुगल बादशाह हुमायूं को हराकर अपने वंश का साम्राज्य स्थापित किया था, लेकिन सूर साम्राज्य बहुत समय तक नहीं चला, और 1545 में सूरी की मृत्यु के बाद मुग़ल साम्राज्य ने नियंत्रण हासिल कर लिया। पंजाब के पर्यटन सचिव डॉ. एहसान भुट्टा के अनुसार, स्थल पर मिलीं ईंट हड़प्पा काल की हैं, लेकिन इसमें शेर शाह सूरी के युग की विशेषताएं भी मौजूद हैं, जैसे बरामदा, जलाशय आदि।

भारत-श्रीलंका के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के सैनिक करीब दो सप्ताह तक चलने वाले सैन्य अभ्यास में ड्रोन रोधी और आतंकवाद रोधी अभियानों में परस्पर रण कौशल के गुर तथा अनुभव साझा करेंगे।

रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि दोनों देशों की सैन्य टुकड़ियों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यासअभ्यास मित्र शक्ति-2025 का 11वां संस्करण कर्नाटक के बेलगावी में 'फॉरेन ट्रेनिंग नोड' में शुरू हुआ जो 23 नवंबर तक चलेगा। अभ्यास में भारतीय सेना की राजपूत रेजिमेंट के 170 जवान और श्रीलंकाई दल में 135 जवान हैं।

बांग्लादेश: अंतरिम प्रमुख यूनुस के ग्रामीण बैंक के बाहर बम धमाका, ढाका में और बढ़ा तनाव

ढाका, एजेंसी

- उपद्रवियों ने दो बसों में आग भी लगाई, पुलिस ने शुरू की जांच

बांग्लादेश के राजनीतिक परिदृश्य में बढ़ते तनाव के बीच अज्ञात हमलावरों ने सोमवार रात बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के ग्रामीण बैंक के मुख्यालय के बाहर देसी बम का इस्तेमाल करके विस्फोट किया। ढाका में तनाव बढ़ने के साथ हिंसा की लगातार घटनाएं हो रही हैं।

सोमवार तड़के उपद्रवियों ने यूनुस के एक सलाहकार के व्यापारिक प्रतिष्ठान के सामने देसी बम के जरिए विस्फोट किए और राजधानी में दो बसों को आग लगा दी। पुलिस ने कहा कि ग्रामीण बैंक और मत्स्य पालन एवं पशुधन सलाहकार फरीदा अख्तर के स्वामित्व वाले व्यवसायिक प्रतिष्ठान 'प्रबर्ताना' के सामने हुए हमलों में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मीरपुर पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी ने कहा, मीरपुर इलाके में ग्रामीण बैंक के सामने सुबह करीब 3.45 बजे बम विस्फोट हुआ। अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है, लेकिन हमने उपद्रवियों का पता लगाने के लिए अभियान शुरू कर दिया है।

यूनुस ने 1983 में ग्रामीण बैंक की स्थापना की और गरीबी उन्मूलन और गरीब महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए किए गए कार्यों के लिए 2006 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किए गए। पुलिस के अनुसार, मोहम्मदपुर इलाके के प्रबर्ताना के सामने जोरदार विस्फोट सुबह लगभग 7:10 बजे तब हुए, जब मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने इस प्रतिष्ठान के सामने दो देसी बम फेंके।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 11 नवंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, सप्तमी 23.08 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

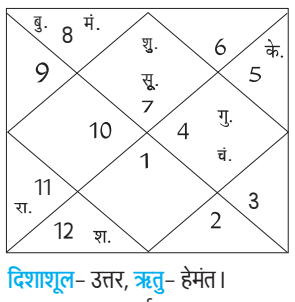

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- हेमंत। चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ। ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र- पुष्य 18.17 तक तत्पश्चात अश्लेशा।

मेष — आज धार्मिक अनुष्ठानों में आप रुचि ले सकते हैं। किसी घटना को लेकर मन व्यथित हो सकता है। आप थोड़े नकारात्मक मूड में हो सकते हैं। बदहजमी और गैस की शिकायत हो सकती है। गरिष्ठ भोजन का सेवन न करें।

वृष — आज अपने मन की करें। युवाओं को नए करियर के अवसर मिलेंगे। राजनीतिक लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं। दूसरों से अधिक सलाह न लें। मित्रों के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा। पति-पत्नी के बीच संबंध मधुर होंगे।

मिथुन — आज फाइनेंस संबंधी कार्यों को लेकर परेशानी होगी। महत्वपूर्ण पेपर्स को संभालकर रखें। रिश्तेदारों की चिंता हो सकती है। आपकी उपलब्धियों के कारण लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर चिंतित रहेंगे।

कर्क — आज कमीशन संबंधी कार्यों से आपको लाभ प्राप्त होगा। रुका हुआ धन आपको मिल सकता है। आपके सभी कार्य समय पर पूर्ण हो जाएंगे। समाज में आपके अधिकार और संपत्ति में वृद्धि होगी। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है।

सिंह — आज जहां तक संभव हो यात्रा से बचें। सार्वजनिक स्थलों पर जाने से बचें। किसी परिजन को लेकर चिंता रहेगी। गलत खानपान के कारण सेहत खराब हो सकती है। मन में भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है।

कन्या — आज अटके हुए कार्यों को पूरा करने का तनाव रहेगा। अचानक पुराने मित्रों से मिलने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। आपकी सलाह से लोगों के काम बनेंगे।

तुला — आज बहुप्रतीक्षित कार्यों में आपको सफलता मिल सकती है। विरोधियों के बीच आपका सामर्थ्य बढ़ेगा। आपको पहले किए गए कठिन परिश्रम का लाभ प्राप्त होगा। माता-पिता आपका मनोबल बढ़ाएंगे और आप से किसी महत्वपूर्ण विषय पर राय भी लेंगे।

वृश्चिक — आज पुराना लोन चुका सकते हैं। बिना मांगे किसी को राय देने से बचें। पिता को लेकर चिंता हो सकती है। अपना दृष्टिकोण सकारात्मक रखें। आपको सभी प्रयासों में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी को दिया हुआ वचन पूरा करें।

धनु — आज नकारात्मक लोगों की संगत से दूर रहें। घर में अकेलापन और बोरियत जैसा महसूस हो सकता है। दिनचर्या के प्रति लापरवाही न रखें। मानसिक उदासीनता के कारण परेशान हो सकते हैं। अधिक काम के कारण पैरों में दर्द हो सकता है।

मकर — आज व्यवसाय में आपका मन लगेगा। जीवनसाथी के प्रति विश्वास बनाए रखें। आप छुट्टी के मूड में हो सकते हैं। किसी नए कार्य की योजना बना सकते हैं। आपके ऊपर काम का दबाव बढ़ने वाला है। आवश्यक कार्य समय से पूर्ण हो जाएंगे।

कुंभ — आज बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है। ससुराल से मान-सम्मान प्राप्त होगा। सरकारी नियमों का कड़ाई से पालन करें। परिजनों के प्रति अच्छा व्यवहार रखें। योजनाओं को उचित तरीके से क्रियान्वित करने का प्रयास करें।

मीन — आज आपकी बुद्धि और ज्ञान की प्रशंसा होगी। नए व्यवसाय में आपका मन लगेगा। परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। सेहत का ध्यान रखें, क्योंकि सर्दी की समस्या हो सकती है। सोशल मीडिया में अत्यंत सक्रिय रहने वाले हैं।

सुडोकू-157

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1	2						
				4				5
			6	7				
	3		8		7			
	7	5						
			2		4			
9				3	1			
6		8						
		1				4		

सुडोकू - 156 का हल

1	4	2	9	3	5	7	8	6
6	9	7	2	1	8	3	4	5
5	3	8	4	6	7	2	1	9
9	2	1	3	4	6	8	5	7
3	8	5	7	2	9	4	6	1
7	6	4	8	5	1	9	2	3
8	1	3	5	9	2	6	7	4
4	7	6	1	8	3	5	9	2
2	5	9	6	7	4	1	3	8

मुझे यकीन है कि चयनकर्ता देख रहे हैं और मोहम्मद शमी तथा चयनकर्ताओं के बीच बातचीत चल रही है। लेकिन अगर आप मुझसे पूछें तो फिटनेस और कौशल के मामले में यह वही मोहम्मद शमी हैं जिन्हें हम जानते हैं।

-सौरव गांगुली

स्टेडियम

कानपुर नगर, मंगलवार 11 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारतीय तीरंदाज एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में

ढाका : भारतीय रिकर्व तीरंदाज एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में पदक के लंबे सूखे को खत्म करने की दहलीज पर हैं, जिन्होंने सोमवार को सेमीफाइनल में कड़े मुकाबले में जीत के बाद स्वर्ण पदक के मुकाबले में जगह बनाई जहां उनका सामना दक्षिण कोरिया से होगा। गत चैंपियन कंपाउंड महिला टीम भी लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंच गई है जिससे भारत ने इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में दो पदक पक्के कर लिए हैं। यशदीप भोगे, अतनु दास और राहुल की पुरुष रिकर्व तिकड़ी ने काजाखस्तान को बेहद कड़े मुकाबले में 5-3 से हरा दिया। भारतीयों ने पहला सेट जीतकर प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बना दिया था।

पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के शुभंकर का अनावरण

चेन्नई : आगामी पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप मेजबान राज्य तमिलनाडु में होने वाली ट्रॉफी यात्रा और आधिकारिक शुभंकर का अनावरण सोमवार को यहां मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम हुआ। यह टूर्नामेंट 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै की संयुक्त मेजबानी में आयोजित होगा। ट्रॉफी यात्रा को तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन और एफआईएच अध्यक्ष दातो तैय्यब इकराम ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाई। ट्रॉफी यात्रा 10 से 25 नवंबर के बीच कन्याकुमारी से चेन्नई तक तमिलनाडु के 38 जिलों से होकर गुजरेगी। इस मौके पर विश्व कप के आधिकारिक शुभंकर 'कांगेयम' का अनावरण भी किया गया। 'कांगेयम' का नाम और प्रेरणा देशी नस्ल के बैल कांगेयम कलाई से ली गई है। कांगेयम कलाई शक्ति, गौरव और तमिल पहचान का प्रतीक है।

नागालैंड के विनो झिमोमी का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते उप्र के खिलाड़ी। अमृत विचार

उप्र ने नागालैंड को तीसरे ही दिन निबटा दिया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कानपुर के ग्रीनपार्क में मेजबानों की पारी और 265 रनों से बड़ी जीत
- शतकीय पारी खेलने के साथ पांच विकेट लेने वाले शिवम मावी बने प्लेयर ऑफ द मैच

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश ने रणजी ट्रॉफी मुकाबले के तीसरे ही दिन नागालैंड को पारी और 265 रनों से हरा दिया। बल्लेबाजों के धमाकेदार प्रदर्शन के बाद गेंदबाजों के कहर बरपाती गेंदों के दम पर नागालैंड को दोनों पारियों में सस्ते में निपटाकर सीजन की पहली जीत हासिल की।

उत्तर प्रदेश ने 6 विकेट पर 535 रनों पर पहली पारी घोषित करने के बाद नागालैंड की पहली पारी 117 और दूसरी 153 रनों पर सिमट गई। इस मैच में नाबाद 101 रनों की शतकीय पारी व पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले शिवम मावी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत से उत्तर प्रदेश एक बोनस अंक सहित कुल सात अंक लेकर एलीट ग्रुप-ए में 14 अंक बना चुका है। उत्तर प्रदेश का अब का पांचवां मुकाबला तमिलनाडु के खिलाफ कोयम्बटूर में 16 नवंबर से खेला जाएगा।

ग्रीनपार्क स्टेडियम में खेले गये इस मुकाबले के तीसरे दिन चार विकेट पर 77 रनों से आगे खेलने उतरी नागालैंड की पहली पारी 45.3 ओवर में मात्र 117 रनों पर ढ़ेर हो गयी। टीम से सर्वाधिक 47 रन निश्चल ने बनाए वहीं सेदेज्हेली ने 15 और सौरभ ने नाबाद दस रन बनाए शेष बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी न छू सके।

उत्तर प्रदेश से शिवम मावी ने 18 रन देकर पांच, शिवम शर्मा और आकिब खान ने दो-दो और एक विकेट कुणाल त्यागी ने लिया। इससे पहले पहली पारी में 418 रनों की लीड लेने के बाद उत्तर प्रदेश ने फॉलोऑन देते हुए नागालैंड को दोबारा खेलने को बुलाया और उसकी दूसरी पारी भी 51.1 ओवर में 153 रनों पर समेटकर एक पारी व 165 रनों की शानदार जीत हासिल की।

दूसरी पारी में नागालैंड से चेतन बिष्ट ने सर्वाधिक 53 रन बनाए वहीं निश्चल ने 23, सेदेज्हेली ने 15, युग्धंर ने 15, इम्लीवति ने 18 और रोनित मोरे ने नाबाद 12 रन बनाए। उप्र से शिवम शर्मा ने 25 रन देकर पांच, करन शर्मा ने तीन, आकिब खान ने दो विकेट लेकर टीम को तीसरे ही दिन जीत दिलाने में अहम भूमिक निभायी।

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम बनेगा स्पोर्ट्स सिटी

सरकार ने शुरू की तैयारी, सभी प्रमुख खेलों के अलावा खिलाड़ियों के लिए आवासीय सुविधा भी होगी

नयी दिल्ली, एजेंसी

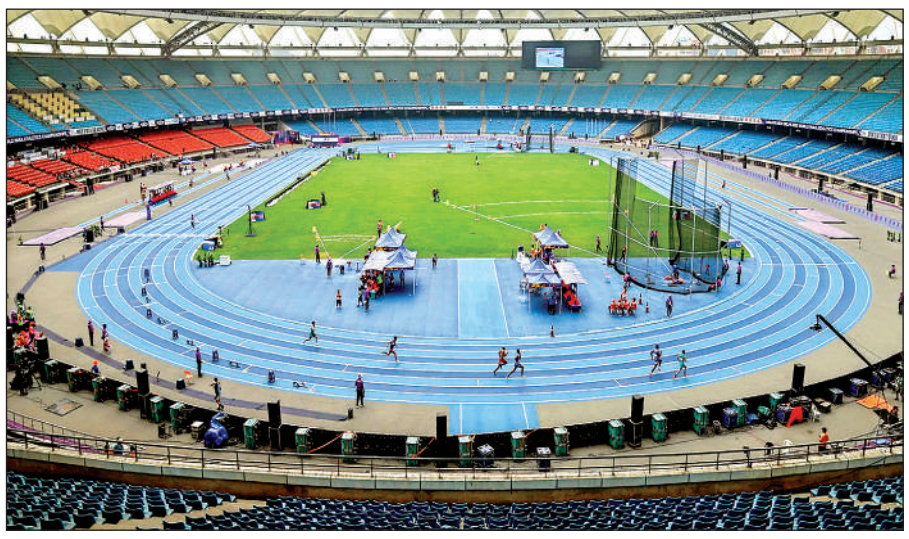

जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम। फाइल फोटो

खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने सोमवार को बताया कि राष्ट्रीय राजधानी स्थित प्रतिष्ठित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम को ध्वस्त करके एक स्पोर्ट्स सिटी बनाई जाएगी। इसमें सभी प्रमुख खेलों के अलावा खिलाड़ियों के लिए आवास की सुविधा भी होगी।

स्पोर्ट्स सिटी में मुख्य रूप से एक बहु-खेल सुविधा के साथ प्रशिक्षण, प्रमुख आयोजनों के संचालन के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा उपलब्ध होता है। स्टेडियम के 102 एकड़ क्षेत्र का पूरी तरह से पुनर्निर्माण किया जाएगा, लेकिन अभी तक यह योजना केवल एक प्रस्ताव है और इसलिए परियोजना की समय-सीमा और इसमें आने वाली लागत को लेकर कुछ भी तय नहीं है।

मंत्रालय के सूत्र ने कहा स्टेडियम को ध्वस्त कर दिया जाएगा। स्टेडियम के अंदर स्थित सभी कार्यालय, जिनमें राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) और राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) शामिल हैं, स्थानांतरित कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा वर्तमान में इसके अंतर्गत आने वाली 100 एकड़ से अधिक भूमि का उपयोग पूर्ण रूप से नहीं हो पा रहा है। स्पोर्ट्स सिटी यह सुनिश्चित करेगी कि हमारे पास प्रमुख खेलों के लिए मेजबानी की सुविधाएं, प्रशिक्षण सुविधाएं, प्रतिस्पर्धा करते समय एथलीटों के लिए आवास की व्यवस्था हो और यहां तक कि मनोरंजन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हों। इस स्टेडियम में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) का मुख्यालय भी है, जो इस स्थल का संचालक भी है। यहां सरकार की प्रमुख खेलो इंडिया परियोजना का कार्यालय भी है। स्पोर्ट्स सिटी परियोजना के लिए शहरी विकास मंत्रालय सहित कई मंत्रालयों और विभागों के बीच तालमेल की आवश्यकता होगी। प्रक्रिया लंबी होने के कारण, इसकी तत्काल शुरुआत की संभावना कम है। सूत्र ने कहा यह अभी एक विचार है, लेकिन देखते हैं कि व्यवहार्यता अध्ययन कैसे काम करता है। मंत्रालय हालांकि इसे आगे बढ़ाने को लेकर बहुत गंभीर है। इसके तौर-तरीकों को अंतिम रूप देने के लिए कतर और ऑस्ट्रेलिया स्थिति स्पोर्ट्स सिटी का मूल्यांकन किया जा रहा है।

खेल मंत्री मनसुख मांडविया हाल ही में दोहा में थे और विश्वसनीय जानकारी के अनुसार उन्होंने वहां स्पोर्ट्स सिटी का दौरा किया था। दोहा स्पोर्ट्स सिटी 617 एकड़ में फैली हुई है। इसमें एक अकादमी के अलावा फुटबॉल, जलक्रीडा और 13 विभिन्न इंडोर खेलों की सुविधाएं हैं। इसमें एक विशेष ऑर्थोपेडिक और स्पोर्ट्स मेडिसिन अस्पताल भी है। ऑस्ट्रेलिया की बहुउद्देशीय सुविधाओं में मेलबर्न स्थित डॉकलैंड्स स्टेडियम शामिल है, जो क्रिकेट, ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल, रग्बी और फुटबॉल की मेजबानी कर सकता है। अहमदाबाद का सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स इसका एक उदाहरण है, जहां क्रिकेट, जलक्रीड़ा, टेनिस और एथलेटिक्स आदि के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह लगभग 250 एकड़ में फैला हुआ है और इसके निर्माण में लगभग 4600 करोड़ रुपये की लागत आयी थी। यह शहर वर्तमान में 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए दावेदारी पेश कर रहा है और इसी महीने के अंत में 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी भी इसी शहर को मिलने वाली है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने हाल ही में ऐसे आयोजनों के लिए बुकिंग शुल्क में वृद्धि की है और ऐसे कार्यक्रमों के समापन पर स्टेडियम को अच्छी स्थिति में वापस न करने पर जुर्माने का प्रावधान भी रखा है।

गौरवशाली रहा है जेएलएन का इतिहास जर्जर ढांचे का किया जाएगा पुनर्निर्माण

सूत्र ने बताया जेएलएन परियोजना भी बड़े पैमाने पर होगी। इस परियोजना से यह सुनिश्चित होगा कि जेएलएन के अंदर जो मौजूदा बुनियादी ढांचा जर्जर हो रहा है, उसका पुनर्निर्माण हो सके। जेएलएन स्टेडियम का निर्माण 1982 में आयोजित एशियाई खेलों के लिए किया गया था। इसने बाद में 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की, जिसके लिए इसे 900 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुनर्निर्मित किया गया था। इस स्टेडियम ने हाल ही में विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी की। इसके लिए इसमें मोंडो ट्रैक बिछा कर एक और नवीनीकरण किया गया। मोंडो ट्रैक एथलेटिक्स के लिए तेज सतह माना जाता है जो चोट के जोखिम को कम करता है। इस स्टेडियम में एथलेटिक्स की सुविधाओं के साथ एक फुटबॉल पिच भी है जहां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मैच आयोजित किए गए हैं। इसने 1984 और 1991 में कुछ क्रिकेट एकदिवसीय मैचों की भी मेजबानी की है, लेकिन तकनीकी कारणों से आईसीसी ने इसे खेल के लिए अनुपयुक्त करार दिया था। इस स्टेडियम का उपयोग गैर-खेल व्यावसायिक गतिविधियों के लिए भी किया जाता है और यहां नियमित रूप से भारतीय और अंतरराष्ट्रीय गायकों के संगीत कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं।

महिला जूनियर हॉकी विश्व कप में टीम की अगुवाई करेंगी ज्योति

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने चिली के सैंटियागो में 1 से 13 दिसंबर तक होने वाले एफआईएच महिला जूनियर विश्व कप के लिए ज्योति सिंह की अगुवाई में 20 सदस्यीय टीम की घोषणा की है।

पूर्व भारतीय अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी तुषार खांडेकर की कोचिंग वाली 20 सदस्यीय टीम में 18 मुख्य खिलाड़ी और दो वैकल्पिक खिलाड़ी शामिल हैं। मुख्य कोच खांडेकर ने कहा मैं टीम और उसके मौजूदा प्रदर्शन से बहुत खुश हूं।

भारत को पूल सी में रखा गया है और वह अपने अभियान की शुरुआत एक दिसंबर को नामीबिया के खिलाफ करेगा। इसके बाद वह तीन दिसंबर को जर्मनी और फिर पांच दिसंबर को आयरलैंड का सामना करेगा। प्रत्येक पूल से शीर्ष टीमें नॉकआउट चरण में पहुंचेंगी, जो सात से 13 दिसंबर तक खेला जाएगा।

टीम: गोलकीपर - निधि, एंगिल हर्षा रानी मिंज, डिफेंडर - मनीषा, लालथनलुआलांगी, साक्षी शुक्ला, पूजा साहू, नंदिनी। मिडफील्डर - साक्षी राणा, इशिका, सुनेलिता टोप्पो, ज्योति सिंह, खैदेम शिलेमा चानू, बिनिमा धान फॉरवर्ड - सोनम, पूर्णिमा यादव, कनिका सिवाच, हिना बानो और सुखवीर कौर। वैकल्पिक खिलाड़ी-प्रियंका यादव, पार्वती टोपनो।

टेस्ट सीरीज : दक्षिण अफ्रीकी टीम कोलकाता पहुंची, बावुमा भी जुड़े

कोलकाता, एजेंसी

ईडन गार्डन्स की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा कोलकाता पहुंचे। एजेंसी

विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका की टीम भारत के खिलाफ शुक्रवार से ईडन गार्डन्स में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए यहां पहुंच गई है। बेंगलुरु में भारत ए के खिलाफ मैच खेलने के बाद कप्तान तेम्बा बावुमा भी टीम से जुड़ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम का पहला बैच रविवार को यहां पहुंच गया था जिसमें मुख्य कोच शुकरी कोनराड, तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा और मार्को यानसन तथा पाकिस्तान में सीमित ओवरों की श्रृंखला में खेलने वाले खिलाड़ी शामिल थे।

दक्षिण अफ्रीका टीम के स्थानीय मैनेजर ने पीटीआई को बताया बावुमा एक अन्य खिलाड़ी और कुछ अधिकारियों के साथ आज सुबह बेंगलुरु से यहां पहुंचे। मुख्य कोच सहित टीम के अधिकतर सदस्य रविवार को ही पहुंच गए थे। संभावना है कि दोनों टीम मंगलवार से अभ्यास शुरू करेंगी। बावुमा पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पाकिस्तान में दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे। उन्होंने मैच अभ्यास के लिए भारत ए के खिलाफ दूसरे अनधिकृत टेस्ट मैच में हिस्सा लिया था।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान बावुमा पहली पारी में शून्य पर आउट हो गए थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने 101 गेंदों में 59 रन की पारी खेली, जिससे उनकी टीम रविवार को समाप्त हुए इस मैच में जीत हासिल करने में सफल रही थी। मध्यक्रम के बल्लेबाज जुबैर हमजा भी बेंगलुरु में दोनों मैच खेलने के बाद यहां मुख्य टीम में शामिल हो गए।

राष्ट्रीय पिकलबॉल चैंपियनशिप 13 से

बेंगलुरु। भारत की पहली राष्ट्रीय पिकलबॉल चैंपियनशिप 13 से 16 नवंबर तक बेंगलुरु के द स्पोर्ट्स स्कूल में आयोजित की जाएगी। आयोजकों ने सोमवार को यह घोषणा की। कर्नाटक पिकलबॉल एसोसिएशन (केपीए) इस प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा, जिसमें भाग लेने के लिए 20 से अधिक राज्यों से 1,200 से अधिक आवेदन मिले हैं।

यह प्रतियोगिता पुरुष, महिला और मिश्रित प्रारूपों में अंडर-12 से लेकर 70 साल की उम्र से अधिक के विभिन्न आयु वर्गों में आयोजित की जाएगी।

महिला एशियाई कप के ग्रुप सी में भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

- एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप का अगले साल थाइलैंड में होगा आयोजन
- ग्रुप सी में भारत के साथ जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमें खेलेंगी

ग्रुप ए : थाईलैंड, चीन, वियतनाम, बांग्लादेश।

ग्रुप बी : उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, उज्बेकिस्तान, जोर्डन।

ग्रुप सी : जापान, ऑस्ट्रेलिया, चीनी ताइपे, भारत।

भारत को अगले साल थाईलैंड में होने वाले एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप फाइनल के कड़े ग्रुप सी में जापान, ऑस्ट्रेलिया और चीनी ताइपे के साथ रखा गया है। ड्रॉ बैंकॉक में आयोजित किया गया। बीस साल बाद महाद्वीपीय महिला अंडर-20 टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय फुटबाल टीम अपने अभियान की शुरुआत जापान के खिलाफ करेगी, उसके बाद ऑस्ट्रेलिया और फिर चीनी ताइपे से भिड़ेगी।

गत उपविजेता जापान इस टूर्नामेंट का रिकॉर्ड छह बार का चैंपियन है और 2018 में फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप चैंपियन और 2024 का उप विजेता भी है।

ऑस्ट्रेलिया 2024 में तीसरे स्थान पर रहा जबकि चीनी ताइपे ग्रुप चरण में ही बाहर हो गया था। तीनों ग्रुप में से प्रत्येक से शीर्ष दो टीम और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली चार टीम पोलैंड में होने वाले 2026 फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। ग्रुप ए में मेजबान थाईलैंड को चीन, वियतनाम और बांग्लादेश के साथ रखा गया है। ग्रुप बी में वर्तमान अंडर-20 विश्व चैंपियन उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, उज्बेकिस्तान और जोर्डन शामिल हैं।

इंग्लैंड में खेलने से इन्कार करने पर शमी की वापसी की संभावना हुई क्षीण

नई दिल्ली : मोहम्मद शमी ने मौजूदा रणजी ट्रॉफी में 93 ओवर गेंदबाजी कर ली है, लेकिन भारत के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक का दोबारा टेस्ट क्रिकेट में खेलना मुश्किल लग रहा है और उनकी वनडे टीम में भी नीली जर्सी पहनने की संभावना कम ही दिख रही है। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी ने भारत की तरफ से अपना आखिरी मैच इस साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था लेकिन उसके बाद से उन्हें किसी भी प्रारूप की टीम में नहीं चुना गया। वह 2023 में वनडे विश्व कप के बाद एड़ी की चोट के कारण लंबे समय तक खेल से बाहर रहे थे। उन्हें इस चोट से निजात पाने के लिए सर्जरी करानी पड़ी थी। वर्तमान समय में भारतीय क्रिकेट जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है उसे देखते हुए ऐसी संभावना नहीं लगती है कि शमी तीनों प्रारूपों में अब तक खेले गए 197 अंतरराष्ट्रीय मैचों में और मैच जोड़ पाएंगे। वह टेस्ट और टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों में ही राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में पिछड़ गए हैं क्योंकि प्रसिद्ध कृष्णा और आकाशदीप के रूप में भारत के पास अच्छे विकल्प हैं। ऐसा लगता है कि उनके लिए अब केवल एक दिवसीय क्रिकेट ही बचा है। अगला वनडे विश्व कप 2027 में होगा और तब तक शमी 37 साल के हो जाएंगे। ऐसे में भारतीय टीम एक उम्र दराज तेज गेंदबाज को की टीम में रखने का जोखिम नहीं उठाएगी क्योंकि शमी का करियर चोटों से जुड़ा रहा है, जिसमें घुटने की समस्या भी शामिल है। शमी राष्ट्रीय चयनकर्ताओं से बिल्कुल भी खुश नहीं हैं और उन्होंने खुलकर कहा है कि चयनकर्ताओं ने उनसे कोई बातचीत नहीं की है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र हालांकि ऐसा नहीं मानते हैं।

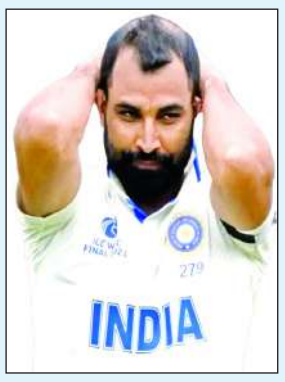

गांगुली ने फिट हुए शमी का किया समर्थन

कोलकाता : पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली चाहते हैं कि मोहम्मद शमी सभी प्रारूपों में भारतीय टीम में वापसी करें क्योंकि उनका मानना है कि यह कुशल तेज गेंदबाज 'फिट है और बेहतरीन गेंदबाजी कर रहा है'। हालांकि ऐसा लगता है कि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति इस 35 वर्षीय तेज गेंदबाज को नजरअंदाज कर चुकी है जिनकी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए अनदेखी की गई है। गांगुली एक कार्यक्रम के इतर कहा शमी असाधारण रूप से अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। वह फिट हैं और हमने तीन रणजी ट्रॉफी मैच में देखा, जहां उन्होंने अपने दम पर बंगाल को जीत दिलाई। शमी ने अब तक 15 विकेट लिए हैं। बंगाल को शुरुआती दो मैच में जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई पर त्रिपुरा के खिलाफ एक भी विकेट नहीं ले पाए थे। उन्होंने इस सत्र में तीन मैच में 91 ओवर फेंके हैं।

जताई चिंता

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा-फिटनेस के लिहाज से हम हैं काफी पीछे

टी-20 विश्व कप के लिए अभी टीम तैयार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

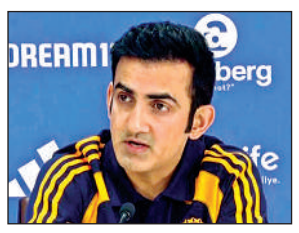

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारियों के मामले में अभी उस स्थिति में नहीं है, जहां वह पहुंचना चाहती है। हालांकि उन्होंने इसके साथ ही कहा कि इस मुकाम पर पहुंचने के लिए टीम के पास अभी पर्याप्त समय है।

गंभीर ने बीसीसीआई डॉट टीवी से बातचीत में फिटनेस के महत्व पर भी जोर देते हुए कहा कि खिलाड़ियों को अपनी फिटनेस को अगले स्तर पर ले जाने की जरूरत है क्योंकि खिताब बचाने की तैयारी भारत घरेलू मैदान पर कर रहा है।

उन्होंने कहा यह एक ऐसा ड्रेसिंग रूम है जहां बहुत अधिक पारदर्शिता और ईमानदारी है। हम चाहते हैं कि यह ड्रेसिंग रूम आगे भी ऐसा ही बना रहे। उन्होंने कहा फिटनेस के नजरिए से मुझे लगता है कि टी-20 विश्व कप से पहले हम अभी उस मुकाम पर नहीं पहुंचे हैं जहां पहुंचना चाहते हैं। यही बात हमने खिलाड़ियों से भी की है। हम पूरी तरह से चुस्त-दुरुस्त रहना चाहते हैं। हम फिट रहना चाहते हैं। हम तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं।

भारतीय कोच ने कहा हम जितने ज्यादा फिट होंगे, मानसिक रूप से उतने ही मजबूत होंगे। क्योंकि दबाव वाले मैच और दबाव वाली स्थिति में आप जितने ज्यादा शारीरिक रूप से मजबूत होंगे, मानसिक रूप से भी उतने ही मजबूत होंगे। हमारे पास अभी भी तीन महीने हैं। टी-20 विश्व कप अगले साल फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। भारत इस प्रतियोगिता का मौजूदा चैंपियन है। गंभीर ने हाल ही में भारत के एशिया कप के विजयी अभियान के दौरान पावरप्ले में जसप्रीत बुमराह से तीन ओवर कराने के पीछे के तर्क पर भी बात की। उन्होंने कहा बहुत से लोग इस टी20 टीम को एक बेहद आक्रामक बल्लेबाजी क्रम के रूप में देखते हैं। मेरे हिसाब से, पहले छह ओवरों में जसप्रीत बुमराह से तीन ओवर गेंदबाजी कराना और भी आक्रामक विकल्प था। हम ऐसी टीम नहीं बनना चाहते जिसकी पहचान सिर्फ आक्रामक बल्लेबाजी क्रम हो। हम एक ऐसी टीम बनना चाहते हैं जो कुल मिलाकर एक आक्रामक टीम के रूप में जानी जाए।

शृंखला हारने का जश्न नहीं मनाया जा सकता

नई दिल्ली। गौतम गंभीर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में एकदिवसीय श्रृंखला में टीम की हार की आलोचना करते हुए कहा कि हार के बाद सराहनीय प्रदर्शन का कभी जश्न नहीं मनाया जाना चाहिए। वे सफल खिलाड़ियों के लिए खुश हो सकते हैं, पर किसी को भी बड़ी तस्वीर से ध्यान नहीं हटाना चाहिए और इस मामले में यह श्रृंखला में हार है। ऑस्ट्रेलिया में हुई एकदिवसीय श्रृंखला से रोहित शर्मा और विराट कोहली ने आईपीएल के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की थी। रोहित को तीसरे एकदिवसीय मैच में शतक लगाने के बाद मैन ऑफ द मैच व श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। रोहित ने इससे पहले दूसरे वनडे में 73 रन रन बनाए थे पर मैच में भारत को हार गया था।